मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.7	13.9
जमशेदपुर	23.9	09.0
डालटनगंज	23.4	06.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* * * *

www.lagatar.in | बुधवार, 24 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 277 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- पश्चिमी चीन में 7.1 तीव्रता का आया भूकंप
- नाटो ने 1.2 अरब डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये
- राम मंदिर को लेकर इजराइल में मना जश्न
- श्रीलंका ने 6 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

नेशनल
- अयोध्या में पहुंचे 8 लाख लोग, अफरा-तफरी
- महाराष्ट्र में नाव पलटने से महिला डूबी, पांच लापता
- भ्रष्टाचार केस में गिरफ्तार अधिकारी बिश्नोई निलंबित
- राजस्थान विधानसभा की कार्रवाई के दौरान हंगामा

स्टेट
- अफसरों का बड़े पैमाने पर होगा तबादला
- डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का नहीं हो रहा कार्य
- झारखंड में भूमि की उत्पादकता घटी
- कोहरा छटते ही बढ़ी कनकनी, गिरा पारा

स्पोर्ट्स
- देर रात नशा करने से बेहोश हो गए थे मैक्सवेल
- अति आक्रामक रवैया नहीं अपनायेंगे : द्रविड
- किरन जॉर्ज इंडोनेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में
- बैजबॉल से ढेरों विकेट मिल सकते हैं : बुमराह

किसने क्या कहा

- यह शर्मनाक है कि हम नहीं जानते कि नेताजी के साथ क्या हुआ था : **ममता बनर्जी**
- सूर्योदय योजना प्रधानमंत्री का एक और जुमला : **-मल्लिकार्जुन खरगे**
- प्रत्येक रामभक्त भाजपा का समर्थक नहीं : **-शशि थरूर**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,500
चांदी (किलो)	75,000

ब्रीफ खबरें

शेयर बाजार हुआ धड़ाम, करोड़ों स्वाहा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में मंथली एक्सपायरी और बजट से पहले मंगलवार को बड़ी मुनाफावसूली दिखी और बेंचमार्क इंडेक्स धड़ाम हो गए. सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार की सुबह मजबूत शुरुआत बावजूद गिर कर लाल निशान पर बंद हुए. सेंसेक्स 1,053.10 अंकों यानी 1.47% की गिरावट के साथ 70,370.55 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, निफ्टी 333.00 अंक या 1.54% टूटकर 21,238.80 के स्तर पर बंद हुआ. वैश्विक बाजारों में मजबूती के बावजूद बैंकों, तेल व गैस, एफएमसीजी और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली से बाजार से धड़ाम हो गया. **पेज 11 भी देखें**

अयोध्या हमारी यादों में अंकित रहेगा: पीएम

नयी दिल्ली। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या में हमने जो देखा, वह आने वाले कई वर्षों तक हमारी यादों में अंकित रहेगा. पीएम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर अयोध्या में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बारे में पूरी जानकारी दी है.

रामलला को देखने उमड़ा भक्तों का हुजूम

अयोध्या। अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के एक दिन बाद मंगलवार को जनता के लिए कपाट खुल गए. मंदिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा और उन्हें नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. मंगलवार को करीब 5 लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किये. **पेज 12 भी देखें**

सुप में भारत का स्थायी सदस्य न होना बेतुका

न्यूयॉर्क। अरबपति उद्योगपति एलन मस्क ने कहा कि धरती का सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्य न होना बेतुका है और उन्होंने इस विश्व निकाय में बदलाव करने का आह्वान किया है.

रिटायरमेंट से पहले अभियंता प्रमुख ने बदल दिया ट्रेनिंग का फॉरमेट

सिस्टम पर भारी इंजीनियर

अमित सिंह। रांची

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के इंजीनियर सिस्टम पर भारी पड़ रहे हैं. आम जनता को पीने का शुद्ध पानी कैसे मिलेगा? इन विषयों पर काम करने के बजाए, इंजीनियर अपनों के फायदा पहुंचाने का काम कर रहे हैं. 31 दिसंबर 2023 को पेयजल विभाग के अभियंता प्रमुख रघुनंदन शर्मा रिटायर हो. इससे पहले शर्मा ने अपने एक चहेते को फायदा पहुंचाने के लिए केआरसी ट्रेनिंग का फारमेट ही बदल दिया. इस बदलाव की वजह से सरकारी कोष को करोड़ों का नुकसान हो रहा है. वहीं दूसरी तरफ केआरसी ट्रेनिंग में शामिल होने वाले इंजीनियर आमलोगों के पैसों पर ट्रेनिंग के नाम पर होटल में मौज किया और आगे भी करते रहेंगे.

रघुनंदन शर्मा ने अभियंता प्रमुख रहते हुए विभागीय कोष को बढाने के बजाए करीबियों को लाभ पहुंचाने का काम किया. इसी के तहत शर्मा ने केआरसी ट्रेनिंग का स्थान ही बदल दिया. पहले यह टेनिंग कांके स्थित पेयजल विभाग के विश्वस्तरीय सभागार विश्वा में होती थी. ट्रेनिंग में शामिल होने वाले इंजीनियर विश्वा में ही रुकते थे. अब विश्वा के बजाए केआरसी ट्रेनिंग लेबल-टू राजधानी के मेन रोड स्थित एक होटल में आयोजित किया गया. 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक होटल में ट्रेनिंग कार्यक्रम चला.

केंद्रीय एजेंसी करेगी भुगतान: की-रिसोर्स सेन्टर (केआरसी) की स्थापना अप्रैल 2005 में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से की गयी है. रिसोर्स सेन्टर का कार्य राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान के रूप में सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) की रणनीति और राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विभिन्न हितधारकों के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों का संचालन, शोध इत्यादि किया जाना है. केआरसी ट्रेनिंग पर होने वाला खर्च मंत्रालय वहन करत है. ऐसे में रांची के होटल को मंत्रालय से बिल के एवज में भुगतान होगा.

सरकारी कोष को करोड़ों का नुकसान

सवाल सुनते ही चुप्पी साध ले रहे हैं जिम्मेवार

केआरसी ट्रेनिंग लेबल-2 के लिए पेयजल विभाग विश्वा के बजाए इंजीनियरों के ठहरने, उनके खाने-पीने आदि का सारा भुगतान होटल को करेगा. होटल का चयन किस प्रक्रिया के तहत हुआ? विश्वा के बजाए होटल में विभागीय ट्रेनिंग कार्यक्रम क्यों आयोजित किय गया? इस मसले पर बोलने के लिए कोई तैयार नहीं है. पेयजल विभाग के जिम्मेवार सबकुछ जानते हुए भी खामोश रहने में ही अपना फायदा देख रहे हैं. केआरसी ट्रेनिंग के तहत तीन लेबल में ट्रेनिंग होती है. दूसरे लेबल में मिड मैनेजमेंट स्तर के लोग ट्रेनिंग लेते हैं.

ऐसे समझें कैसे पहुंचाया गया सरकारी कोष को नुकसान

शुभम संदेश ने जब खबर की पड़ताल शुरू की, तो विभागीय जिम्मेवारों ने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है. विभाग का अपना ट्रेनिंग सेंटर है, विश्वा. सभी ट्रेनिंग कार्यक्रम वहीं होते रहे है. संभवत: विश्वा में कुछ काम चल रहा था, इसलिए केआरसी लेबल-टू ट्रेनिंग मेन रोड स्थित होटल में कराया गया. अभियंता प्रमुख के स्तर से ट्रेनिंग से संबंधित निर्णय लिए गए है. ट्रेनिंग के लिए होटल का चयन किस प्रक्रिया से किया गया? इस सवाल का जवाब विभाग के किसी भी जिम्मेवार के पास नहीं है.

होटल को लाखों का भुगतान

केआरसी लेबल-टू की ट्रेनिंग में अबतक कुल 403 इंजीनियर आदि शामिल हो चुके है. छह बैच में तीन दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन हुआ. एक बैच में 50 से 55 लोग शामिल हुए. 10 बैच में कुल 500 लोगें की ट्रेनिंग होनी है. जिस होटल में छह बैच की ट्रेनिंग हुई, उसके एक डबल बेड वाले कमरे का किराया करीब 4500 रुपए है. ब्रेक फास्ट, डिनर और लंच का भुगतान अलग से करना है. 403 लोगों को कुल 200 कमरों में ठहराया गया. तीन दिनों के ठहराव के लिए 200 कमरों का किराया 27 लाख रुपए होता है. इसके अलावा विभाग ने हॉल सहित अन्य मदों में खर्च किए. अबतक कुल खर्च करोड़ों में बताया जा रहा है. अभी चार बैच की और ट्रेनिंग होनी है.

विभागीय एजेंसी को होती है आमदनी

पेयजल विभाग का कांके स्थित विश्वा में कुल 20 कमरे है. डबल बेड के साथ 40 लोगों के ठहरने की बेहतरीन सुविधा है. एक कमरे का किराया 1250 रुपए प्रतिदिन सरकार की ओर से निर्धारित है. वहीं ट्रेनिंग हॉल का किराया 12,500 रुपए है. करीब 1000 रुपए में दिन का नास्ता, दोपहर का भोजन और रात का भोजन शामिल है. केआरसी लेबल-2 की ट्रेनिंग यहां होती, तो विश्वा को लाखों की आमदनी होती. **रघुनंदन शर्मा** के अभियंता प्रमुख की कुर्सी से हटने के बाद पेयजल विभाग वर्तमान में केआरसी लेबल-थ्री की ट्रेनिंग विश्वा में ही आयोजित कर रखा है. इस ट्रेनिंग में प्रदेशभर से लोग शामिल होने के लिए आए है.

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर निकलेगी झारखंड की झांकी

75वें गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी अंतिम चरण में है. नयी दिल्ली में होनेवाले मुख्य समारोह के लिए मंगलवार को फुल एंड फाइनल पूर्वाभ्यास किया गया. इसमें झारखंड की झांकी भी नजर आयी. इस बार राष्ट्रीय कार्यक्रम में 16 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों का चयन हुआ है. इस साल झारखंड की झांकी में दुमका में उत्पादित हाई क्वालिटी सिल्क के प्रोडक्शन से संबंधित झांकी प्रदर्शित की जाएगी.

राज्यपाल से मिले नीतीश, बढ़ी हलचल

- सच्चाई सामने आई तो अटकलों पर विराम

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का मंगलवार को अचानक राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात करने पहुंचना सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया. सीएम ने राज्यपाल से करीब 40 मिनट तक चर्चा की. इस घटनाक्रम को देखते हुए प्रदेश में बड़ा परिवर्तन होने की सियासी कयासबाजी जारी है. हालांकि, अभी तक जदयू, राजद और कांग्रेस जैसी सभी पार्टियों की ओर से यही कहा गया कि महागठबंधन में सबकुछ ठीक है. उधर, जीतनराम मांझी ने इस मुलाकात पर तंज कसते हुए एक्स पर लिखा कि बिहार में खेला होने वाला है. खैर, जो भी हो, नीतीश कुमार के इस तरह अचानक राजभवन पहुंचने को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक सीएम विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर चर्चा के लिए राजभवन गए थे. हुआ यह कि नेता जी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में भाग लेने के बाद सीएम सीधे राजभवन पहुंच गए. सीएम के राजभवन पहुंचने की खबर से राजनीतिक गलियारे में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई. हालांकि बाद में अटकलों की हवा निकल गयी.

गाजा में इजरायल के 21 सैनिकों की मौत

- हम जीत होने तक लड़ते रहेंगे : नेतन्याहू

येरुशलम। इजरायली सेना ने कहा कि मध्य गाजा में एक हमले में उसके 21 सैनिकों की मौत हो गयी है. यह युद्ध शुरू होने के बाद से सेना को पहुंची सबसे बड़ी क्षति है. सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सैनिक मध्य गाजा में दो मकानों को ध्वस्त करने के लिए विस्फोटक लगाने की तैयारी कर रहे थे तभी एक आतंकी ने रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा. इससे विस्फोटक फट गए और इमारतें धराशायी हो गईं जिसकी वजह से सैनिक मलबे में दब कर मारे गए. इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में सबसे घातक हमले में 21 सैनिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि सेना जीत पूरी होने तक लड़ती रहेगी. एक्स पर एक पोस्ट में नेतन्याहू ने कहा, युद्ध की शुरुआत के बाद से सोमवार का दिन सबसे कठिन दिनों में से एक था. उन्होंने कहा कि सेना उस हमले की जांच शुरू करेगी, जिसमें एक आतंकवादी ने एक टैंक पर रॉकेट चालित ग्रेनेड दागा जिससे विस्फोट हुआ और सैनिक विस्फोट के बाद ध्वस्त हुई दो इमारतों के मलबे में दब गए.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खूंटी और सिमडेगा के 7887 लाभुकों को दी अबुआ आवास की पहली किस्त

20 लाख लोगों को अबुआ आवास देगी सरकार

प्रमुख संवाददाता। रांची/खूंटी

सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को खूंटी के तोरपा स्थित एनएचपीसी ग्राउंड में अबुआ आवास योजना के 7887 लाभुकों को आवास निर्माण की पहली किस्त दी. इनमें खूंटी के 3,887 और सिमडेगा जिले के 4000 लाभुक शामिल हैं.

इस मौके पर सीएम ने घोषणा की है कि सरकार 20 लाख लोगों को अबुआ आवास देगी. इससे पहले सरकार ने 8 लाख लाख लोगों को योजना का लाभ देने की योजना बनाई थी. सीएम ने यह भी घोषणा की कि खूंटी और सिमडेगा में 75 हजार अबुआ आवास का निर्माण विभिन्न चरणों में होगा. गरीबों को आवास देने की सूची सरकार ने केंद्र को उपलब्ध करायी थी. **-शेष पेज 08 पर**

आवास निर्माण के लिए 2 लाख

सीएम ने कहा कि अबुआ आवास तीन कमरों और रसोई घर युक्त पक्का आवास होगा. पहले पीएम आवास योजना के तहत दो कमरों का आवास निर्माण किया जाता था, जिसके लिए एक लाख 30 हजार रुपए दिए जाते थे. जबकि हमारी सरकार अबुआ आवास निर्माण के लिए 02 लाख रुपए दे रही है. आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान अबुआ आवास के लिए करीब 30 लाख आवेदन प्राप्त हुए. इन आवेदनों का वेरिफिकेशन किया गया किया गया. वेरिफिकेशन के बाद 20 लाख जरूरतमंदों को विभिन्न चरण में आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है.

रोजगार और स्वरोजगार का मौका

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के कई अवसर उपलब्ध करा रही है. निजी क्षेत्र स्थानीय लोगों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण तय कर दिया है. इसके तहत 50 हजार से अधिक हुनरमंद युवाओं को विभिन्न उद्योगों में रोजगार दिया गया है. दो दिन पहले रांची के ओरमांझी स्थित कुल्ही इंडस्ट्रियल एरिया में चल रहे वस्त्र उद्योग में हजारों युवाओं को रोजगार दिया गया है.

50 वर्ष की उम्र में पेंशन

सीएम ने कहा सरकार गठन के बाद कोरोना ने विकास की रफ्तार रोक दी थी. इससे अर्थव्यवस्था और लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रही. इसके बावजूद सरकार ने यहां के लोगों के जीवन और जीविका दोनों को सुरक्षित किया. आज सभी जरूरतमंद को पेंशन दी जा रहा है. अब एसटी, एससी और सभी वर्ग की महिलाओं की पेंशन की उम्र सीमा को घटा कर 50 वर्ष की जा रही है.

बिहार की बहुत पुरानी मांग भारत सरकार ने की पूरी

जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न

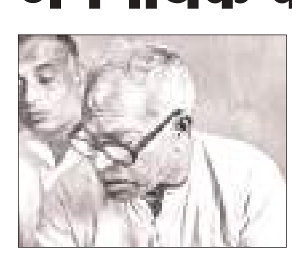

एजेंसी। नयी दिल्ली

बिहार के पूर्व सीएम और समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न से नवाजा जाएगा. राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को यह घोषणा की. 'जननायक' के रूप में मशहूर ठाकुर दिसंबर 1970 से जून 1971 तक और दिसंबर 1977 से अप्रैल 79 तक बिहार के सीएम रहे. उनका 17 फरवरी, 1988 को निधन हुआ था. केंद्र सरकार ने कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती से एक दिन पहले यह सम्मान देने का एलान किया है. कर्पूरी पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे. आम तौर पर केंद्र सरकार गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों और भारत रत्न का एलान करती है. लेकिन इस बार दो दिन पहले ही भारत रत्न के बारे में एलान कर दिया गया है. 24 जनवरी को कर्पूरी ठाकुर की जयंती है. कर्पूरी बिहार से ही थे, उन्हें जननायक के तौर पर जाना जाता है. वह दो बार बिहार के मुख्यमंत्री बने थे. पहली बार वह सोशलिस्ट पार्टी और भारतीय क्रांति दल की सरकार में सीएम बने थे और दूसरी बार जनता पार्टी की सरकार में मुख्यमंत्री बने थे.

बेटे रामनाथ ठाकुर ने जताया आभार

कर्पूरी ठाकुर के पुत्र और जदयू नेता रामनाथ ठाकुर ने कहा कि 36 साल की मेरे पिता की तपस्या का फल अब जाकर मिला है. मैं अपने परिवार और बिहार के 15 करोड़ लोगों की तरफ से भारत सरकार को इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूं. कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग लंबे समय से उठ रही थी. मंगलवार को जदयू नेता केसी त्यागी ने ठाकुर को भारत रत्न देने के साथ-साथ उनके नाम पर विश्वविद्यालय खोलने की मांग की थी. त्यागी ने कहा था कि कोई जननायक यूं ही नहीं बन जाता. कर्पूरी ठाकुर ईमानदारी, सादगी और उच्च राजनीतिक मूल्यों के अनुकरणीय व्यक्तित्व हैं. उनका पूरा जीवन समाज के आखिरी व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की फिक्र में गुजर गया. जननायक कर्पूरी ठाकुर सादा जीवन उच्च विचार के प्रतीक थे.

पीएम ने एक्स पर जतायी खुशी

पीएम मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा के बाद एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, मुझे खुशी है कि भारत सरकार ने सामाजिक न्याय के प्रतीक महान जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया है और वह भी ऐसे वक्त में जब हम उनकी जन्मशती मना रहे. यह प्रतिष्ठित सम्मान हाशिए पर मौजूद लोगों के लिए एक विजेता और समानता और सशक्तीकरण के समर्थक के रूप में उनके स्थायी प्रयासों का प्रमाण है.

अच्छी खबर पतरातू में तैयार हो रहे पावर प्लांट के लिए बनहर्दी और टीवीएनएल के लिए राजबार कोल ब्लॉक आवंटित

मदद की जरूरत नहीं, अब अपने ही कोयले से जगमग होगा झारखंड

बनहर्दी 1600 और राजबार कोल ब्लॉक में 500 मिलियन टन कोयला उपलब्ध है

रवि भारती। रांची

झारखंड के दो पावर प्लांटों के लिए भरपूर कोयला है. इन पावर प्लांटों को चलाने में अगले 35 साल तक कोयले की कमी नहीं होगी. बनहर्दी कोल ब्लॉक में अब तक 1600 मिलियन टन कोयला मौजूद होने का अनुमान लगाया गया है. वहीं राजबार कोल ब्लॉक में 500 मिलियन टन कोयला मौजूद है. बनहर्दी कोल ब्लॉक पतरातू में बन रहे 4000 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए आवंटित किया गया है. जबकि राजबार कोल ब्लॉक टीवीएनएल को आवंटित किया गया है.

4600 एकड़ में बनहर्दी कोल ब्लॉक

पतरातू प्लांट के लिए आवंटित बनहर्दी कोल ब्लॉक लातेहार के चंदवा में 4600 एकड़ में है. पूरा एरिया 18 वर्ग किलोमीटर में है. इसमें 10 वर्ग किलोमीटर में ड्रिलिंग हो चुकी है. जिसमें 900 मिलियन टन कोयला का अनुमान लगाया गया है. शेष 8 वर्ग किलोमीटर में 600 मिलियन टन कोयला का अनुमान है. हरियाणा की साउथ वेस्ट पिनाकल कंपनी ने इस ब्लॉक की ड्रिलिंग की है.

60 हजार करोड़ का कोयला है मौजूद दो कोल ब्लॉक में

35 साल तक नहीं होगी कोयले की कमी, दो पावर प्लांटों के भरपूर कोयला

क्या है पतरातू पावर प्लांट की फैक्ट फाइल

- पतरातू में 4000 मेगावाट पावर प्लांट बनाने की योजना राज्य सरकार ने 2015 में बनायी
- 2015 में झारखंड बिजली बोर्ड और एनटीपीसी के साथ समझौता हुआ
- योजना के तहत पहले चरण में 2400 मेगावाट का पावर प्लांट बनना है
- दूसरे चरण में 1600 मेगावाट पावर प्लांट बनाया जाना है
- पहले चरण का उत्पादन साल 2019 में शुरू होना था, लेकिन अब पहले चरण में 800 मेगावाट उत्पादन शुरू होगा

हर साल 10 मिलियन टन कोयला का लक्ष्य

बनहर्दी कोल ब्लॉक से हर साल 10 मिलियन टन कोयला निकालने का लक्ष्य रखा गया है. इस हिसाब से हिसाब से 35 साल में 350 मिलियन टन कोयला निकाला जाएगा. बनहर्दी और राजबार कोल ब्लॉक में मौजूद कोयले की कीमत लगभग 60 हजार करोड़ रुपए आंकी गई है.

पतरातू प्लांट पर पीएमओ की नजर

पतरातू में एनटीपीसी द्वारा बनाए जा रहे पावर प्लांट पर पीएमओ की नजर है. इस साल मई तक इस पावर प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा. इसको लेकर खुद प्रधानमंत्री राज्य के मुख्य सचिव, ऊर्जा सचिव सहित बिजली कंपनी के अफसरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बात कर चुके हैं. पीएमओ हर हाल में 2024 के पहले पतरातू पावर प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू कराना चाहता है.

टीवीएनएल के लिए राजबार कोल ब्लॉक

टीवीएनएल को राजबार कोल ब्लॉक मिला था. इसमें 500 मिलियन टन कोयले का अनुमान लगाया गया है. इसका माइनिंग प्लान भी केंद्र को भेज दिया गया है. बताते चलें कि टीवीएनएल में विस्तारीकरण की तरह 660 मेगावाट की दो यूनिटें लगाई जानी हैं. टीवीएनएल के विस्तारीकरण को कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है.

राम मंदिर के नाम पर लहर नहीं: राहुल गांधी

एजेंसी। डोमडोमा (असम)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत न्याय जोड़ो यात्रा इन दिनों असम में है. असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा और राहुल गांधी में जुबानी जंग छिड़ी हुई है. दोनों नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे. वैचारिक टैग के साथ शुरू हुई इस यात्रा पर सियासी रंग भी चढ़ने लगा है.

राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि राम मंदिर के नाम पर लहर नहीं है तथा अयोध्या में सोमवार को जो हुआ वह एक राजनीतिक कार्यक्रम था, जिसमें पीएम मोदी ने शो किया. उन्होंने यह भी कहा, असम में उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अवरोध पैदा करने का जितना प्रयास हो रहा है उससे उनकी यात्रा को प्रचार मिल रहा है. **-शेष पेज 08 पर**

मुख्यमंत्री ने राहुल पर केस दर्ज करने को कहा

असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को राज्य के डीजीपी को अवरोधक तोड़ने के लिए भीड़ को उकसाने को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करने का निर्देश दिया और कांग्रेस समर्थकों के इस कृत्य को नक्सली कार्रवाई बताया. युवा कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के एक पोस्ट के जवाब में सीएम ने एक्स पर कहा, मैंने असम डीजीपी को भीड़ को उकसाने के लिए आपके नेता राहुल गांधी के खिलाफ का मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है. शर्मा ने कहा कि जिस फुटेज को श्रीनिवास ने अपने अकाउंट पर पोस्ट किया है उसे साक्ष्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा.

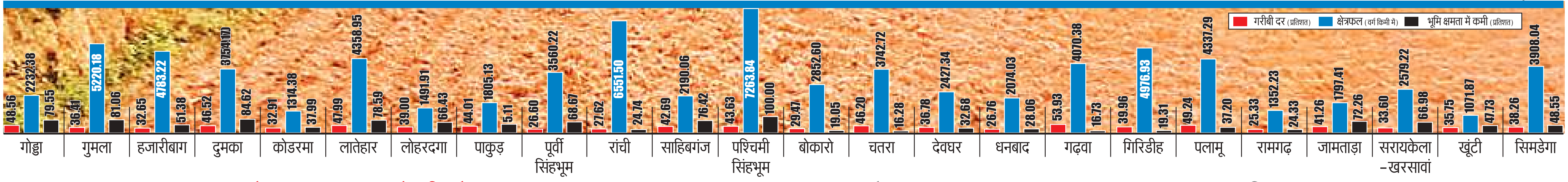

नीति आयोग की रिपोर्ट में खुलासा : पश्चिम सिंहभूम में 100 फीसदी भूमि की उर्वरा शक्ति घटी

झारखंड में भूमि की उत्पादकता में आयी गिरावट, गरीबी भी बढ़ी

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में भूमि की उत्पादकता लगातार घटती ही जा रही है. इसका खुलासा नीति आयोग की रिपोर्ट में हुआ है. रिपोर्ट की मानें तो राज्य के सभी जिलों में भूमि की उत्पादकता 100 से 16 फीसदी तक घट गयी है. पश्चिमी सिंहभूम में भूमि की उर्वरा शक्ति सबसे अधिक 100 फीसदी कम हुई है. भूमि की उर्वरा शक्ति कम होने के कारण झारखंड में गरीबी का प्रतिशत भी बढ़ा है. नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में 42.10 लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं.

भूमि की उर्वरा शक्ति घटने का गोड्डा में सबसे ज्यादा असर

भूमि की उर्वरा शक्ति घटने का गोड्डा में सबसे ज्यादा असर पड़ा है. भूमि की उत्पादकता घटने के कारण यहां गरीबी दर 48.56 फीसदी हो गयी है. वहीं पश्चिमी सिंहभूम की भूमि की उर्वरा शक्ति में 100 फीसदी तक की कमी आयी है. यहां 43.63 फीसदी लोग गरीबी है. वहीं गुमला में भूमि की उर्वरा शक्ति में 81.06 और दुमका में 84.62 फीसदी की कमी हुई है. वहीं बोकारो, चतरा और गढ़वा के भूमि की ऊर्वरा शक्ति में सबसे कम घटी है.

पैदावार में भूमि क्षमता का मानक विचलन चार से 10 फीसदी तक

चिंताजनक: पानी कटाव से नष्ट हुई सूबे की 65% मिट्टी

खास बातें

- जलवायु की उपयुक्तता का पांच से 15% हुआ विचलन
- 54987 .26 वर्ग किलोमीटर भूमि हो गई है बंजर

रवि भारती। रांची

झारखंड राज्य की कुल भौगोलिक भूमि का 65.00 फीसदी पानी के कटाव के कारण मिट्टी की क्षति हुई है. मिट्टी की उर्वरता में गिरावट तब होती है जब पानी के कटाव के कारण मिट्टी से पोषक तत्वों की मात्रा कम हो जाती है और पौधों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. झारखंड में 54987.26 वर्ग किलोमीटर भूमि बंजर हो गई है. इसकी अम्लीयता समाप्त करने के लिए तीन से चार क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष डोलामाइट की जरूरत होगी. इसका खुलासा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अहमदाबाद को अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) ने एटलस के जरिए किया है. झारखंड में सबसे अधिक गिरिडीह जिले में 358183 हेक्टेयर भूमि बंजर की चपेट में है.

19 फीसदी जलवायु की उपयुक्तता में हुआ विचलन : राज्य के सभी जिलों में जलवायु की उपयुक्तता में 19 फीसदी का विचलन हुआ है. पहले जलवायु की उपयुक्तता 60 फीसदी से अधिक थी, जो अब घटकर 41 फीसदी हो गई है. सबसे अधिक जलवायु उपयुक्तता सिमडेगा जिले में 82.32 फीसदी है. इसके बाद पाकुड़ में 80.31 फीसदी, पूर्वी सिंहभूम 79.97 फीसदी, दुमका में 73.05 फीसदी, सरायकेला-खरसावां में 71.37 फीसदी, जामताड़ा में 70.36 फीसदी, पश्चिमी सिंहभूम में 68.41 फीसदी और साहिबगंज में 61.65 फीसदी पाई गई है.

अब कृषि विभाग बंजर भूमि पर कांटा रहित कैक्टस के पौधे लगाने की योजना पर कार्य कर रहा है. यह पशु चारा के साथ वेगन लेदर निर्माण में भी काम आएगा. फसलों के पैदावार में भूमि का क्षमता का मानक विचलन चार से 10 फीसदी तक हो चुका है. जलवायु की उपयुक्तता का पांच से 15 फीसदी तक विचलन हुआ है.

कृषि वानिकी के लिए कितना मानक विचलन

जिला कृषि वानिकी के लिए मानक

विचलन	(प्रतिशत)
सिमडेगा	9.13
पाकुड़	5.44
पूर्वी सिंहभूम	5.02
दुमका	7.92
सरायकेला-खरसांवा	4.84
जामताड़ा	5.44
पश्चिमी सिंहभूम	6.69
साहिबगंज	6.33
गोड्डा	5.22
देवघर	4.90
धनबाद	3.82
खूंटी	5.10
बोकारो	6.40
रामगढ़	4.75
रांची	6.92
गुमला	15.97
गिरिडीह	8.71
पलामू	3.60
लातेहार	9.70
चतरा	5.95
लोहरदगा	8.29
गढ़वा	4.17
हजारीबाग	8.27
कोडरमा	4.08

कृषि वानिकी के लिए भूमि क्षमता का कितना हुआ विचलन

भूमि क्षमता का मानक विचलन (प्रतिशत)

गोड्डा	4.16
गुमला	9.31
हजारीबाग	7.60
दुमका	8.35
कोडरमा	5.84
लातेहार	10.15
लोहरदगा	5.80
पाकुड़	4.07
पूर्वी सिंहभूम	3.53
रांची	7.73
साहिबगंज	5.02
पश्चिमी सिंहभूम	8.34
बोकारो	3.99
चतरा	9.05

कितना हुआ है जलवायु की उपयुक्तता का मानक विचलन

जिला जलवायु उपयुक्तता का मानक

विचलन	(प्रतिशत)
सिमडेगा	9.13
पाकुर	5.44
पूर्वी सिंहभूम	5.02
दुमका	7.92
सरायकेला-खरसांवा	4.84
जामताड़ा	5.44
पश्चिमी सिंहभूम	6.69
साहिबगंज	6.33
गोड्डा	5.22
देवघर	4.90
धनबाद	3.82
खूंटी	5.10
बोकारो	6.40
रामगढ़	4.75
रांची	6.92
गुमला	15.97
गिरिडीह	8.71
पलामू	3.60
लातेहार	9.70
चतरा	5.95
लोहरदगा	8.29
गढ़वा	4.17
हजारीबाग	8.27
कोडरमा	4.08

भूमि की सामाजिक-आर्थिक उपयुक्तता का प्रतिशत

जिला कृषि वानिकी के लिए भूमि की उपयुक्तता (प्रतिशत)

सिमडेगा	7.03
गुमला	4.28
पश्चिमी सिंहभूम	10.39
लोहरदगा	4.45
खूंटी	5.88
लातेहार	9.10
पाकुड़	4.71
दुमका	8.41
गढ़वा	4.82
गोड्डा	4.38
साहिबगंज	4.05
पलामू	5.47
जामताड़ा	11.86
रांची	13.07
सरायकेला-खरसांवा	7.64
चतरा	8.18
देवघर	7.93
पूर्वी सिंहभूम	7.02
गिरिडीह	5.03
रामगढ़	5.67
हजारीबाग	7.53
धनबाद	8.76
बोकारो	2.53
कोडरमा	1.97

लोकसभा चुनाव को लेकर सभी एसपी को मिले निर्देश

संवाददाता। रांची

आगामी लोकसभा चुनाव को झारखंड पुलिस अपनी तैयारी में जुट गई हैं. इसे लेकर पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को निर्देश जारी किया है. जारी निर्देश में कहा गया है कि चुनाव संबंधित प्रशिक्षण के लिए अपने जवानों को तैयार रखें. प्रशिक्षण संबंधित आदेश-निर्देश और एसओपी की कॉपी भी सभी जिलों को भेजी गई है.

मैनुअल प्रशिक्षण पर जोर : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने निर्देश में कहा है कि लोकसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है. इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से बल प्रतिनियुक्ति को ले जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है.

भ्रष्टाचार में डूबे सोरेन परिवार की जगह होटवार जेल में: मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सोरेन परिवार और इंडी गठबंधन के दलों पर जमकर हमला किया. कहा कि कांग्रेस, झामुमो, राजद का भ्रष्टाचार से पुराना नाता है. ये भ्रष्टाचार भी करते हैं और सजा से बचने के लिए तरह-तरह की तिकड़म भी करते हैं. ये भाजपा पर आरोप लगाते हैं, लेकिन जांच से भागते हैं. बाबूलाल ने कहा कि सोरेन परिवार की चल-अचल संपत्ति मामले में लोकपाल में दर्ज मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है. यह भ्रष्टाचारियों के लिए एक बड़ा सबक है. सोरेन परिवार कहती है कि उन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया है. अगर भ्रष्टाचार नहीं किया है तो फिर जांच एजेंसियों से क्यों भागते हैं. जांच रुकवाने के लिए क्यों हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दौड़ते हैं. बाबूलाल ने कहा कि भाजपा का भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष जारी

रहेगा. जबतक भ्रष्टाचारियों को सजा नहीं मिलती भाजपा चैन से नहीं बैठेगी.

बाबूलाल ने सीआरपीएफ अधिकारी पर धारा 144 के उल्लंघन मामले को लेकर सीएम हेमंत सोरेन को घेरा. कहा कि ईडी सीएम से पूछताछ करने सीएम हाउस गई थी. वहां झामुमो के कार्यकर्ता तीर-धनुष लेकर पहुंचे थे. सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान तो वहां ईडी अफसरों की सुरक्षा के लिए गये थे. जब सीएम हाउस के आसपास धारा 144 लगा था तो झामुमो के कार्यकर्ता हथियार लेकर वहां क्या कर रहे थे. इतना ही नहीं सीएम ने भी ईडी की पूछताछ के बाद कार की बोनट पर खड़े होकर लोगों को संबोधित किया. धारा 144 उल्लंघन तो सीएम ने किया आखिर उनपर एफआईआर क्यों नहीं हो. सीएम लाख हथकंडा अपना लें, बच नहीं सकते.

राज्य सेवा के अफसरों का बड़े पैमाने पर होगा तबादला

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार बड़े पैमाने पर आइएएस अफसरों के साथ राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों के तबादले की तैयारी कर रही है. इस पर मंथन भी किया जा रहा है. निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में तबादले का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है. अभी हाल में ही राज्य सरकार ने आठ आइएएस अफसरों को इधर से इधर किया. जानकारी के अनुसार पथ निर्माण विभाग, कृषि विभाग, स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव भी बदले जा सकते हैं.

बदले जाएंगे कई जिलों के डीसी : निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार कई जिलों के डीसी के भी बदले जाने की तैयार चल रही है. इसकी सूची भी तैयार की जा रही है. जानकारी के अनुसार चतरा, गढ़वा, साहिबगंज, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, सिमडेगा, पलामू, गोड्डा, पाकुड़ और लोहरदगा जिले के डीसी को इधर से उधर किया जा सकता है.

राज्यसेवा के अफसर भी होंगे इधर से इधर

राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों का भी तबादला जल्द होगा. इसका भी प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है. इसमें कई विभागों में डिप्टी सेक्रेटरी के पद में पदस्थापित अफसरों को बदला जाएगा. वहीं काफी संख्या में बीडीओ और सीओ का भी तबादला होगा. इसमें तीन साल से अधिक समय से जमे अफसरों को पहले बदला जाएगा. हाल ही में ग्रामीण विकास विभाग ने 25 बीडीओ की ट्रांसफर –पोस्टिंग की थी. अब सरकार की सहमति के बाद इसका आदेश जारी किया जाएगा.

CLASSIFIED

DR. RADHAKRISHNAN SCHOOL OF LEARNING
SENIOR SECONDARY SCHOOL (10+2)
Affiliated to C.B.S.E. New Delhi (3430409)
नामांकन जारी
खेल का मैदान, योग शिक्षक, बस की सुविधा
लाइब्रेरी एवं प्रैक्टिकल के लिए उत्तम प्रबंध
NH-33 बोंगा इचाक, हजारीबाग
सम्पर्क करें : 9471041355

AMRITA HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
7870865821
Dr. Sumedha Gargy
MBBS, MD (Obs 'n' Gynae)
ECFMG (Certified USA)
MRCOG (London) & ESGO
Certified in Gynaecological Oncology (Europe)
Fellowship in Gynae Oncology TATA Medical Centre, Kolkata
Ex. Sr. Resident, Dept. of Surgical Oncology, RIMS, Ranchi
Shyamli, Kali Mandir Road
Burdwan Compund, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob : 8271505819, E-mail : gargysumedha@gmail.com

मनिपाल मोन्टेसरी हाई स्कूल
नामांकन जारी
प्ले ग्रुप से दसवीं कक्षा तक
सीबीएसइ पाठ्यक्रम
गैस गोदाम रोड, मंडईकला, हजारीबाग, संपर्क : 9693535747

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहायता केंद्र
24 घंटा सेवा उपलब्ध
फ्री इलाज एवं ऑपरेशन के लिए संपर्क करें
राहुल ठाकुर
संचालक
मां अंबे नर्सिंग होम
कालीबाड़ी रोड, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, हजारीबाग फोन : 8709644624

SHARDA SCHOOL
Run by:S. E. T., Reg No.:4/223,Sl No. 4729, U.Dise -20050115504
Email:info@shardaschoolkoderma.com,
Website:www.shardaschoolkoderma.com
Near Durga Mandap
Maduatand
Jhumari Telaiya
PIN- 825409
(Jharkhand)
Mob: 8210034302

Estd. : 2014 Under the Management of Shanti Seva Trust
R.C. Mission Residential School
(A Co-educational, English Medium, CBSE Board School)
Baba Path, Hurhuru, Hazaribagh
Admission Open
छात्रावास में सुविधाएं :
- लाइब्रेरी की सुविधा
- सुबह-शाम ट्यूशन
- सीसी टीवी कैमरा
- 24 घंटे सिक्युरिटी
- 24 घंटे बिजली-पानी
- कंप्यूटर लैब
- मेन्यू अनुसार भोजन
Minku Kumar
Director
School Building

संत रोबोट बालक मध्य विद्यालय हजारीबाग
नामांकन जारी
रेमंड सोरेन
प्रधानाध्यापक
होली क्रॉस रोड कैथोलिक आश्रम, सम्पर्क : 9798141537

श्री गणेश नर्सिंग होम
लोअर चुटिया, रांची, फोन : 9835588850
सुविधाएं : सभी तरह के ऑपरेशन, गॉल ब्लाडर, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसील बवासीर एवं हड्डी की चोट समेत सम्पूर्ण जांच की व्यवस्था उचित दर पर उपलब्ध
Dr. Randhir Kumar
M.B.B.S., D. Ortho
Ms (General Surgery), FIAGES
Ex-Resident (Neurosurgery) RIMS
24 Hours Emergency Pathology Service
(Home Collection also available here)
Vaccination Facility Child
इशानी मेडिकल हॉल
यहां सभी तरह की दवाएं उचित मूल्य पर दी जाती है।

लोकनायक जेपी विद्या मंदिर
सीबीएसई मान्यता प्राप्त नर्सरी टू नाइंथ
नामांकन जारी
बस की सुविधा खेल का मैदान
सीसीटीवी कैमरा एवं योग शिक्षक
प्रचार्या सुनीता देवी
नामांकन के लिए संपर्क करें पता, नंगवा टोल प्लाजा हजारीबाग

INDU BHUSHAN MEMORIAL SCHOOL
Class:- Nursery to XIIth
Co-Education, English Medium
Our Features
- Reasonable Fee Structure
- Qualified and Trained Teachers
- Innovative Teaching
- Appropriate Student- Teacher Ratio
- No Heavy Bags
- Pre-Primary Play Area
- Attentin Towards Every Child
- Parenting Classes (For Parents)
- CCTV Monitoring
- Transport Facility
Admission is going on.
Contact : 9430370823, 9955449958
Kawatu, Ichak, Hazaribag (Jharkhand)

श्री साईं नर्सिंग होम
24 घंटा सेवा उपलब्ध
मरीजों की सुलभता हेतु सारी सुविधा उपलब्ध
मिथिलेश कुमार शर्मा
संचालक
श्री साईं नर्सिंग होम, हजारीबाग, संपर्क करें 9931579949,8789744618

होटल द कार्निवाल्स
शादी-विवाह, बर्थ डे, शादी सालगिरह आदि के लिए एक बेहतर जगह
वातानुकूलित बड़ा हॉल एक मिनी हॉल और कमरे एक बड़ा लॉन वाटर फाउंटेन के साथ
जुबली चौक, लातेहार
सम्पर्क करें
9939410052

24 घंटा सेवा उपलब्ध... अनुभवी डॉक्टर के साथ...
जीवन अनमोल हॉस्पिटल
राजा बांग्ला ओकनी रोड हजारीबाग
निवेदक
सुबोध कुमार

EDUCATION TO-LET BUSINESS REAL ESTATE RECRUITMENT MATRIMONY & Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश एक राज्य-एक अखबार
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 10

www.lagatar.in | बुधवार, 24 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 277 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

महुदा में युवक की हत्या कर शव खेत में फेंक दिया

महुदा । सोमवार की देर रात मोदीडीह (अंधारी) निवासी मोहन नापित उम्र 30 वर्ष की हत्या कर शव को महुदा मोड़ दास टोला के पीछे खेत फेंक दिया गया . मंगलवार की अहले सुबह खेत में क्षत-विक्षत अवस्था में शव मिलने पर इलाके में सनसनी फ़ैल गई. स्थानीय लोगों ने इसकी खबर पूर्व मुखिया धनेश्वर महतो को दी. पूर्व मुखिया की सूचना पर महुदा प्रभारी योगेश कुमार महतो एवं इंस्पेक्टर अलविनुस इंदवार सदलबल के साथ मौके पर पहुंच कर शव का मुआयना किया. मृतक के माथे को किसी धारदार हथियार से मारकर क्षत विक्षत कर दिया गया था. आसपास के क्षेत्र की पड़ताल करने पर शराब का बोतल व ग्लास पाया गया. वहीं सड़क किनारे मृतक की मोटरसाइकिल बरामद हुई. उसी बाइक के नम्बर से मृतक की पहचान हो सकी. कयास लगाया जा रहा है कि हत्यारों ने पहले घटनास्थल पर शराब की पार्टी की उसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया.

कोर्ट के आदेशपाल ने पंखे से झूल कर आत्महत्या कर ली

धनबाद। धनबाद सिविल कोर्ट के आदेशपाल मुकेश कुमार मिश्रा (34 वर्ष) ने भिस्तीपाड़ा काली मंदिर के पास स्थित किराए के मकान में सोमवार को पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वह पिछले करीब पांच साल से उक्त मकान में भाड़े पर रह रहा था. खबर फैलते ही वहां लोगों की भीड़ जुट गई. सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की. पुलिस को उनकी जेब व पर्स से कुछ कागजात मिले हैं, जिसके अनुसार वह बिहार के मधुबनी के रहने वाले थे. थाना प्रभारी ने बताया कि मुकेश कुमार मिश्रा पिछले दो दिनों से ऑफिस नहीं जा रहे थे. घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है. सूचना मिलते ही सिविल कोर्ट के भी कई कर्मी मौके पर पहुंचे. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में रख लिया है.

कोहरा छंटते ही बढ़ी कनकनी, गिरा पारा

आज कहीं-कहीं बारिश के आसार

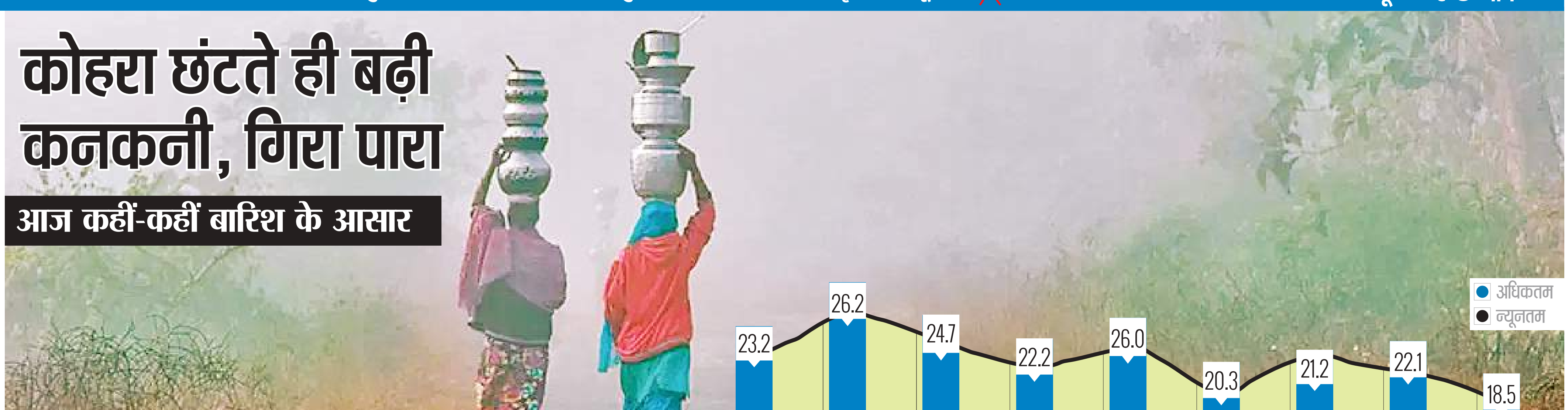

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	23.2	7.0
जमशेदपुर	26.2	9.0
डाल्टनगंज	24.7	6.5
बोकारो थर्मल	22.2	6.6
चाईबासा	26.0	7.6
देवघर	20.3	7.1
गिरिडीह	21.2	6.6
गढ़वा	22.1	7.1
गोड्डा	18.5	6.1

झारखंड में कोहरा छंटते ही पारा गिर चुका है और कनकनी बढ़ गई है. बुधवार को राज्य के दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भाग में रांची समेत 9 जिलों (धनबाद, बोकारो, रामगढ़, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसांवां) में कहीं कहीं हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. इस दौरान सुबह में कोहरा के बाद में आंशिक बादल छाये रहेंगे, मौसम शुष्क रहेगा. राज्य के दक्षिण एवं निकटवर्ती मध्य क्षेत्र में अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी. अगले 3 दिनों में राज्य के शेष भागों में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद अगले 2-3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा जबकि उत्तरी एवं दक्षिणी भाग में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा देखा गया.

गांजे के नशे की चपेट में धनबाद के युवा, 20 रु. में मिलती है गांजे से भरी एक सिगरेट

ओडिशा के गांजे से 'उड़ता धनबाद'

रिजवान शम्स ।धनबाद

धनबाद शहर व आसपास के इलाकों में गांजे का नशा खूब चल रहा है. छोटे नशेड़ियों से लेकर बड़े-बड़े कॉलेज के बच्चे,आइटी सेक्टर के युवा भी गांजे का प्रयोग खुलेआम कर रहे. चौक-चौराहों और चिन्हित स्थानों पर गांजे की पुड़िया और सिगरेट आसानी से उपलब्ध हैं. नशे का यह सामान ओडिशा से यहां पहुंच रहा है. ये खुलासा पकड़े गए गांजा पेडलरों से हुआ. फिलहाल तक ओडिशा के गांजा सप्लायर पुलिस की पकड़ से दूर हैं.

संबलपुर से आता है गांजा : धनबाद आरपीएफ ने 21 दिसंबर 2023 को 11 किलो गांजा बरामद किया था, भोजपुर के दो युवक पकड़े गए थे. खुलासा किया था कि ओडिशा के संबलपुर इलाके से गांजा लेकर आए थे. वहीं आरपीएफ की टीम ने मध्यप्रदेश की एक महिला और दो युवकों को अगस्त 2023 में 42 किलो गांजा के साथ धनबाद स्टेशन में गिरफ्तार किया था. इन्होंने भी गांजा ओडिशा से ही लाने की बात पुलिस के समक्ष कबूली थी. इसके अलावा बीते वर्ष धनबाद में पकड़े गए कई मामलों में ओडिशा से गांजा लाकर बेचे जाने का खुलासा हो चुका है. ओडिशा के रायगड़ा जिला के चंद्रपूर, काशीपुर नक्सल प्रभावित पहाड़ी क्षेत्रों में गांजे की फसल उगाई जाती है. पूर्व में धनबाद में मधुबनी और कैमूर से गांजा पहुंचता था, लेकिन अब यहां के तस्करों की सक्रियता कम हुई है और ओडिशा के गांजा तस्कर सक्रिय हैं.

चौक-चौराहे के गुमटी व ठेलों में बिकती है पुड़िया

सांकेतिक तस्वीर.

आइटी सेक्टर में नशा नहीं फैशन

एक दशक पूर्व तक गांजा कुछ खास लोगों का नशा था, लेकिन इस दशक में गांजे के नशे ने विकराल चेहरा दिखा दिया है .अब मुहल्ले के नशेड़ियों से लेकर बड़े-बड़े शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले कुछ बच्चे भी इसका उपयोग कर रहे हैं . इसका सबसे कारण ये है कि गांजा हर जगह पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है . बीस रुपये में एक सिगरेट ली और किसी कोने में खड़े होकर कस लगा ली . इसके बाद कोई नहीं बोल सकता कि नशा किया गया है या नहीं . आइटी सेक्टर के काफी युवा तो कब के इसके आदि हो चुके हैं . ऐसे में इस नशे की लत से धनबाद का कोना-कोना बुरी तरह गिरफ्त में आ चुका है .

हर इलाके में उपलब्ध है गांजा

जिले के कई इलाके में गांजा का कारोबार फल-फूल रहा है . झरिया के कतरास मोड़, उपर कुल्ही सिंदरी रोड, चिल्ड्रेन पार्क रोड, लोदना, धनुडीह, धनबाद के स्टीलगेट, धनसार, केंदुआ, कतरास कतरी नदी रोड, बरवाअड्डा, निरसा आदि स्थानों में गांजे की बिक्री होती है . कतिपय खाकीधारी भी गांजा के कारोबार में बंधी-बधाई रकम वसूलते हैं . जरूरत पड़ने पर छापेमारी भी होती है . हीरापुर हरि मंदिर रोड इलाके में युवाओं की पूरी टोली ही नशे में देखी जा सकती है . प्रतिदिन इन युवाओं का वहां पर जमावड़ा लगता है .

कोर्ट में एनडीपीएस के 59 मुकदमे लंबित

धनबाद कोर्ट में फिलहाल एनडीपीएस एक्ट के 59 मुकदमे लंबित चल रहे हैं . इन मामलों में कोर्ट की कार्रवाई जारी है . जबकि बीते वर्ष छह मुकदमे दर्ज किए गए थे . इनमें दो मुकदमे बड़ी रिकवरी के थे, जो आरपीएफ की तरफ से पकड़े गए थे जबकि चार मुकदमे जिला पुलिस के थे . कुल छह मुकदमे दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष एनडीपीएस के दर्ज छह मुकदमों में पांच में चार्जशीट सौंपी जा चुकी है .

साल में एक मात्र आरोपी को सजा

4 जनवरी 2016 को जीटी रोड के बरवाअड्डा पुलिस ने एक सफारी वाहन को पकड़कर करीब एक सौ किलो गांजा बरामद करने में कामयाबी पाई थी . इस मामले में मधुबनी निवासी धर्मेंद्र यादव को 12 साल की सजा हुई, धनबाद कोर्ट ने नौ अक्टूबर 2023 को ये सजा मुकर्र की थी . इसके बाद से फिलाहल तक कोई भी मुकदमा सजा तक नहीं पहुंच पाया है .

निशा हत्याकांड

ब्रांच मैनेजर पर केस दर्ज

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के बैंकमोड़ श्रीराम प्लाजा स्थित टाटा म्युचुअल फंड की पूर्व कर्मचारी निशा कुमारी की हत्या के मामले में पुलिस ने संस्थान के ब्रांच मैनेजर नीरज आनंद के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है. मनईटांड़ की रहने वाली निशा कुमारी का शव बंद कार्यालय से बरामद किया गया था. निशा के पिता दीपक भगत के बयान पर दर्ज प्राथमिकी में पिता कहा है कि ब्रांच मैनेजर उनकी बेटी निशा की शादी से नाराज था, इसी कारण उसने कार्यालय बुला कर उसकी हत्या कर दी. इधर, आरोपी ब्रांच मैनेजर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है.

ज्ञात हो कि सोमवार को बैंकमोड़ श्रीराम प्लाजा स्थित संस्थान के बंद कार्यालय में निशा की लाश मिली थी. निशा पहले उक्त कंपनी में कर्यरत थी. दिसंबर 2023 में शादी से दो माह पहले उसने कंपनी छोड़ दी थी. पिता ने बताया कि उसने बेटी को रविवार को बैंकमोड़ छोड़ा था, वो अपने दोस्त के लिए गिफ्ट खरीदने के लिए आई थी. देर शाम तक उसके मोबाइल पर संपर्क नहीं होने पर थाने में सूचना दी गई. दूसरे दिन उसकी लाश बंद कार्यालय में मिली थी. तब से ब्रांच मैनेजर फरार है. पोस्टमार्टम में निशा पर चाकू से वार करने की बात सामने आई थी.

फाइनेंशियल प्रतिष्ठान व बड़े व्यापारियों के संपर्क में रहेंगे थानेदार : धनबाद के एसएसपी एचपी जर्नादन ने जिले के सभी प्रमुख थानेदारों को पब्लिक से रिश्ता ठीक करने की दिशा में नई जिम्मेवारी दी है. थानेदारों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने इलाके से सभी बड़े कारोबारियों, बैंकर समेत अन्य फाइनेंशियल प्रतिष्ठानों से संपर्क बना कर रखें, ताकि उन्हें कोई दिक्कत हो तो तत्काल पुलिस से बिना किसी संशय के बात कर सकें. एसएसपी के निर्देश पर थानेदारों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के बैंक पदाधिकारी, मॉल संचालक व प्रबंधक, मार्केट ऑनर, फाइनेंशियल प्रतिष्ठान, बड़े कारोबारी आदि का नाम, पता और मोबाइल नंबर लिया जा रहा है.

टाइगर जवानों को इसके लिए ड्यूटी पर लगाया गया है, जो शहर में भ्रमण कर थानेदारों को रिपोर्ट कर रहे हैं. नाम-पता मिलने के बाद खुद थानेदार इन लोगों से संपर्क कर जनता का विश्वास जीतने का काम करेंगे. बताते चलें कि एसएसपी ने पुलिस और पब्लिक के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने की लगातार कई कवायद की हैं. एसएसपी ने इससे पूर्व विजिटर डायरी, शिकायतपेटी, जनसहयोग समिति, शांति समिति कई तरह की नीति बनाकर पब्लिक के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने की कोशिश की है. थानेदारों को भी बेहतर पुलिसिंग करने की बात कही है.

अयोध्या पहुंचेंगे हर साल 10 करोड़ भक्त

शुभम संदेश नेटवर्क

अयोध्या में रामलला के विराजमान होने के साथ ही 500 सालों का इंतजार खत्म हो गया. अब अयोध्या में भक्तों का सैलाब उमड़ रहा. अनुमान है कि एक साल में राम मंदिर आने वालों की संख्या 10 करोड़ तक हो जाएगी, जो दुनिया के किसी भी धार्मिक स्थल से ज्यादा होगी. मक्का में सालाना 2 करोड़ लोग ही जाते हैं, जबकि वेटिकन पहुंचने वालों का आंकड़ा 90 लाख ही है. इस लिहाज से देखें तो रामलला का दर्शन इन सभी से बहुत आगे होगा.

इसके अलावा भारत में ही काशी के विश्वनाथ, अमृतसर के पवित्र स्वर्ण मंदिर, दक्षिण में तिरुपति मंदिर और

- रामलला तोड़ेंगे मक्का और वेटिकन का भी रिकॉर्ड
- काशी विश्वनाथ दर्शन का भी टूट जाएगा रिकॉर्ड

वैष्णो देवी धाम से भी कहीं ज्यादा लोगों के राम मंदिर आने की उम्मीद है. काशी विश्वनाथ में बीते दो सालों को मिला कर देखें तो 13 करोड़ लोग पहुंचे, जो बड़ा आंकड़ा है. अब उससे भी आगे राम मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लग सकता है. यही नहीं इससे यूपी सरकार के राजस्व में भी बड़े उछाल की उम्मीद है. एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के चलते यूपी सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 25 हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है.

आंकड़ों के मुताबिक आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में हर साल 2.5 करोड़ लोग जाते हैं. भगवान वेंकटेश्वर के इस पवित्र मंदिर की दुनिया भर में मान्यता है और बड़े पैमाने पर लोग दान भी करते हैं. वहीं वैष्णोदेवी में साल भर में करीब 90 लाख लोग जाते हैं. इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल मक्का जाने वाले लोगों की संख्या सालाना 2 करोड़ तक है. यहां की मस्जिद और काबा के लिए दुनिया भर से लोग पहुंचते हैं.

रचा इतिहास : 61वें वार्षिक मेटलिफरस खान सुरक्षा सप्ताह में सेल की किरीबुरु खदान को मिले 7 पुरस्कार

टीम भावना से किरीबुरु खदान को मिली सफलता: सीजीएम

शैलेश सिंह । किरीबुरु

खान सुरक्षा निदेशालय, चाईबासा रीजन के निर्देशानुसार 61वां वार्षिक मेटलिफरस खान सुरक्षा सप्ताह के फाइनल समारोह में सेल की किरीबुरु खदान प्रबंधन ने 7 पुरस्कार जीत कर इतिहास रचा है. उक्त समारोह रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में हिंडाल्को के प्रायोजन में हुआ था.

इस समारोह में किरीबुरु खदान को पब्लिसिटी एवं प्रोपगंडा, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, स्टेचरी मैन पावर में प्रथम स्थान मिला. वहीं एसओपी एंड एसएमपी, डस्ट कन्ट्रोल एंड ओएचएस, स्वच्छता मिशन, प्लांट ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस, एचसीएमएम ओपेन एंड मेंटेनेंस, कन्ट्रेक्चुअल औपरेशन (मेसर्स बिकेश पांडेय) आदि में द्वितीय पुरस्कार समेत कुल 7 पुरस्कार मिला. प्राप्त सभी पुरस्कारों को मंगलवार को किरीबुरु स्थित जेनरल ऑफिस प्रांगण में सीजीएम कमलेश राय की मौजूदगी में खदान के अधिकारियों व सेलकर्मियों के सामने

खास बातें

- सफलता के पीछे टीम भावना का अहम योगदान रहा है
- खदान को वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में भी प्रथम स्थान मिला

प्रदर्शित और साझा किया गया. किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय ने कहा कि इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे टीम भावना का अहम योगदान रहा. खदान के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, सेलकर्मी, ठेका मजदूर, ठेकेदार, तमाम मजदूर संगठन एवं शहर की तमाम जनता व महिलाओं की पूरा सहयोग की वजह से यह सफलता मिली है. ऐसी टीम भावना से आगे भी हम सफलता की नयी ऊंचाई प्राप्त करते रहेंगे. इस दौरान सीजीएम कमलेश राय, महाप्रबंधक नवीन कुमार सोनकुशरे, महाप्रबंधक सुकरा हो, महाप्रबंधक एसएस सिद्धा, महाप्रबंधक एसआर स्वांय, महाप्रबंधक डीबी जयकर, उपमहाप्रबंधक अमित कुमार विश्वास, रथिन विश्वास, प्रवीण कुमार, सुरक्षा अधिकारी पीबी साहू, गणेश सिंह, रमेश सिन्हा आदि अधिकारी मौजूद थे.

उपलब्धि लगातार 48 घंटे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का संचालन कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया नाम

संत जेवियर्स स्कूल डोरंडा के शिक्षक संतोष कुमार ने रचा इतिहास

पियूष गौतम। रांची

संत जेवियर्स स्कूल, डोरंडा के कंप्यूटर साइंस के शिक्षक संतोष कुमार ने लगातार 48 घंटे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का सफलतापूर्वक संचालन कर इतिहास रच दिया है. इस उपलब्धि के साथ ही उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया है.

इस सफल आयोजन के बाद स्कूल के चेयरमैन फादर अजीत कुमार ने शिक्षक संतोष कुमार को एक ग्लास जूस पिलाने के साथ गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया. वहीं वाइस प्रिंसिपल फादर रविभूषण ने आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड के सबसे लंबे प्रोग्रामिंग सत्र के समाप्ति की घोषणा की.

मैं कर सकता हूं और मैं करूंगा ने लक्ष्य हासिल करने को प्रेरित किया

13 सत्र, हर सत्र में 25-30 बच्चों को जावा प्रोग्रामिंग सिखाया

बता दें कि इससे पहले सबसे लंबी अवधि का कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का रिकार्ड 24 घंटे का रहा है, जिसे तोड़ने की चुनौती खुद ही विद्यालय के प्लस टू को-ऑर्डिनेटर व कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष संतोष कुमार ने स्वीकार की थी. 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों को अलग-अलग बैच में विभाजित कर प्रोग्रामिंग सत्र का आयोजन किया गया था. हर बैच की अवधि चार घंटे की थी. वहीं कुल 13 सत्र आयोजित किए गये. प्रत्येक सत्र में 25 से 30 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें उन्हें जावा प्रोग्रामिंग सिखाया गया.

48 घंटे के लंबे कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सत्र का संचालन कर इतिहास रचने वाले कंप्यूटर साइंस के शिक्षक संतोष कुमार ने उल्लेखनीय लक्ष्य हासिल करने और पूर्व के 24 घंटे के अधिकतम रिकॉर्ड को तोड़ने के बाद अपने अनुभव साझा किये. उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय स्कूल के चेयरमैन फादर अजीत कुमार को देते हुए कहा कि उनके समर्थन और मार्गदर्शन के कारण उन्होंने यह सफलता हासिल की. उन्होंने कहा कि फादर अजीत द्वारा बताये गये जीवन के आदर्श वाक्य, "मैं कर सकता हूं और मैं करूंगा" ने उन्हें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपनी पत्नी, बेटे और माता-पिता को भी दिया. वहीं मौके पर उपस्थित जीडब्ल्यूआर टीम को संतोष कुमार द्वारा सम्मानित किया गया, जिनमें अभिषेक गुप्ता, नितेश, ताज, रत्ना भूषण, गौरव, विजय भगत, जॉयदीप शामिल हैं.

21 की सुबह 9 बजे सत्र की शुरुआत, 23 की सुबह 9.23 बजे समापन : इससे पहले 21 की सुबह 9 बजे से सत्र की शुरुआत हुई थी, जो 23 जनवरी की सुबह 9 .23 बजे समाप्त हुई . प्रिंसिपल इग्नेशियस लकड़ा ने संतोष कुमार को बधाई दी . वहीं संतोष के पिता अजीत कुमार ने बेटे की इस उपलब्धि पर कहा कि कुछ भी असंभव नहीं है, अभ्यास सफलता की कुंजी है . हार न मानें और विश्वास रखें कि आपने जो लक्ष्य तय किया है, उसे हर हाल में हासिल कर लेंगे .

दीपक जला कर सोए, दो बाइक जलकर राख

संवाददाता। चांडिल

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर सोमवार को पूरे देश में महोत्सव मनाया गया. लोग अपने-अपने घर और प्रतिष्ठानों में दीपोत्सव मनाए. आतिशबाजी की और प्रभु श्रीराम का अभिनंदन किया. लेकिन ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के गुड़मा गांव में जरा सी चूक होने के कारण दो बाइक जल कर राख हो गयीं.

गनीमत रही कि इस घटना में मकान नहीं जला. मकान को आंशिक क्षति पहुंची है. मिली जानकारी के अनुसार गुड़मा के रहने वाले पूर्णसिंह मुंडा अपने घर में सोमवार को दीप व मोमबत्ती जला कर दीपोत्सव मना रहे थे. घर के अंदर व बाहर चारों ओर दीप व मोमबत्ती जलाकर प्रभु श्रीराम का अभिनंदन कर रहे थे.

मकान के अंदर रखी थी दो बाइक : पूर्णसिंह मुंडा ने उस कमरे में भी

आग से जली बाइक.

मोमबत्ती जलायी थी, जहां उसकी दो बाइक रखी थी. दोनों बाइक को उन्होंने कपड़े से ढंक कर रखा था. इसी दौरान शाम करीब आठ बजे कमरे में आग लग गई. संभावना जताई जा रही है कि मुर्गी के द्वारा मोमबत्ती को गिराए जाने के कारण कपड़े में आग लग गई होगी, जिसपर बाइक ढंकी थी. आग जब जोर पकड़ने लगी तब घरवालों को इसकी जानकारी मिली. इसके बाद अगल-बगल के लोग जुटे और आग पर काबू पाने की जुगत में जुट गए. लोगों ने आग की चपेट में आई एक बाइक को घसीट कर बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन फुल स्टैंड में रखी बाइक मिट्टी में घंसती जा रही थी. इसके बाद आग के तेज होने पर लोग बाहर निकले और दो मोटरपंप लगा कर आग पर काबू पाया. इतने में कमरे में रखी दोनों बाइक जल कर राख हो गयी. वहीं कमरे से जली हुई मुर्गी भी मिली. इस घटना में पूर्णसिंह मुंडा का मकान पूरी तरह से जलने से बच गया.

▼ ब्रीफ खबरें

मोदीडीह डंप की बंदी मोर्चा ने की स्थगित

कतरास । पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो की उपस्थिति में संयुक्त मोर्चा एवं असंगठित मजदूर प्रतिनिधियों की मांगों पर सकारात्मक पहल के आश्वासन तथा क्रमवार तरीके से गाड़ी वितरण की मांग मान लिए जाने के बाद मोदीडीह डंप की बंदी को स्थगित कर दिया गया. जानकारी देते हुए मजदूर नेत्री अनीता देवी, छोटू रवानी तथा कृष्णा राम ने कहा कि हमलोगों ने क्रमवार गाड़ी वितरण की मांग को लेकर आंदोलन की घोषणा की थी, लेकिन सहमति बनने के बाद बंदी स्थगित की गई. मजदूर हित की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी. प्रबंधन ने भी 29 जनवरी को वार्ता को लेकर पत्र दिया है.

नेताजी की जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

निरसा । गुरुदास चटर्जी फाउंडेशन द्वारा निरसा स्थित गुरुद्वारा पंजाबी मिलन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया. फाउंडेशन के सदस्य एवं निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी एवं उनकी पत्नी अनिंदिता चटर्जी ने कार्यक्रम की शुरुआत में नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं स्वर्गीय गुरुदास चटर्जी के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए. उसके बाद कार्यक्रम के डांस जज कावरी दे एवं चित्रकला के जज अमिताभ घोष को मोमेंट देकर सम्मानित किया.

धार्मिक उन्माद फैलाने वाली वीडियो को लेकर केस दर्ज

महुदा । रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी में महुदा बाजार में सोमवार को निकले एक धार्मिक जुलूस के दौरान कुछ युवकों द्वारा धार्मिक भावना भड़काने का प्रयास किया गया. साथ ही कुछ युवकों के द्वारा सोशल मीडिया पर धार्मिक उन्माद फैलाने वाली एक वीडियो भी वायरल की गई. वायरल वीडियो तथा युवकों द्वारा एक समुदाय के खिलाफ अभद्र नारेबाजी के आलोक पर जिला वरीय पदाधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए महुदा पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

चोरों ने घर में अकेली महिला की हत्या की

केन्दुआ। केंदुआडीह थाना अंतर्गत अलकुसा गोरखपुरी कैम्प के ऊपर धौड़ा निवासी गियांति देवी की बीती रात अज्ञात चारों ने घर में घुसकर उनके सोने के सारे आभूषण छीन ली एवं बेरहमी से मारपीट कर उनकी हत्या कर दी. जानकारी के अनुसार मृतका घर में अकेली थी. उनके पुत्र श्रीकांत राजभर एवं पुत्रवधु अपने पैतृक निवास देवरिया उत्तर प्रदेश गए हुए थे. घटना की सूचना पाकर केंदुआडीह पुलिस एवं डीएसपी विधि व्यवस्था अरविन्द कुमार बिनहा मौके पर पहुंच जांच में जुट गए. फ़िलहाल पुलिस ने मृतका के शव को घर के अंदर ही रख बाहर से दरवाजा को सील कर दिया है.

सहायक अध्यापकों ने सीएम को लिखा पत्र

कतरास । शहरी क्षेत्र के सहायक अध्यापकों ने चार प्रतिशत वार्षिक मानदेय वृद्धि के संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. पत्र की जानकारी देते हुए शिक्षक प्रतिनिधि चंदन मोदक ने बताया कि धनबाद जिले के शहरी क्षेत्र नगर निगम में आने वाले सहायक अध्यापकों को चार प्रतिशत वार्षिक मानदेय वृद्धि की राशि आज तक नहीं मिल पाया है जबकि ग्रामीण क्षेत्र के सहायक अध्यापकों को उचित मानदेय वृद्धि की राशि विगत एक वर्षों से मिल रही है. कहा कि विभाग के कुछ भ्रष्ट अधिकारी शहरी क्षेत्र के सहायक अध्यापकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं.

वर्ष 2010 में धनबाद रेल मंडल के इस रेलवे स्टेडियम के दो मुख्य गेट में ताला जड़ा गया था

करोड़ों खर्च के बाद भी उजड़ता चला गया रेलवे स्टेडियम

संवाददाता। धनबाद

आम लोगों के प्रवेश पर जनवरी वर्ष 2010 में धनबाद रेल मंडल का इकलौता रेलवे स्टेडियम के दो मुख्य गेट में जब ताला जड़ा गया तो उसी समय से मैदान की हालत पतली होती चली गई. दोनों गेट के बंद होने से गैररेलकर्मी और उनके घरवाले स्टेडियम में आकर मार्निंग वॉक नहीं कर पा रहे हैं. पहले रेलकर्मी हो या फिर गैररेलकर्मी व उनके परिवार सभी लोग मार्निंग वॉक करने के साथ-साथ फुटबॉल, क्रिकेट आदि अन्य खेल खेलते थे. युवक-युवती भी पुलिस-सेना आदि बहाली के लिए रोजाना सुबह-शाम आकर दौड़ने के साथ-साथ लांग व हाई जंप भी करते थे. इससे स्टेडियम में सुबह और शाम में रौनक रहती थी, लेकिन इस पर 2010 में कतिपय कुछ रेल अधिकारियों की बुरी नजर लग गई. फिर फरमान जारी किया गया कि रेलवे अधिकारियों, चुनिंदा रेलकर्मियों, आरपीएफ पदाधिकारियों व जवानों के लिए रेलवे स्टेडियम का ताला खुलेगा. फिर क्या था, फरमान जारी होते ही स्टेडियम के उत्तर व दक्षिण दिशा के दोनों गेट को बंद कर दिया गया. बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगी तो दर्जनों लोगों ने पहले विरोध किया, फिर डीआरएम कार्यालय जाकर अधिकारियों से भी मिले, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. अधिकारियों का तर्क था कि बाहरी लोग स्टेडियम में आकर नशे का सेवन करते हैं.

35 से 40 साल पहले होता था राज्य स्तरीय फुटबॉल मैच

सूत्रों के अनुसार दोनों गेट बंद होने से 14 साल में रेलवे स्टेडियम नर्क बन गया. इतने वर्षों में करोड़ों खर्च के बाद भी स्टेडियम उजड़ती चली गई. आज हालत ऐसी है कि स्टेडियम के सीढ़ियों पर कोई भी दर्शक बैठक कर खेल नहीं देख सकता है. लोगों का कहना है कि 35 से 40 वर्ष पहले जिला से लेकर राज्य स्तरीय मैच हुआ करता था, जिसमें क्रिकेट समंत अन्य खेल शामिल है. रेलवे को खेल से लाखों-करोड़ों की आय होती थी. अधिकारी अपने फायदे के लिए स्टेडियम के बर्बाद कर दिया. रेलवे के ही कर्मी कभी-कभी क्रिकेट व फुटबॉल खेलते हैं. जिसे देखनेवाले भी अधिकारी व कुछ कर्मी ही होते है. चारों ओर की जाली व अन्य उपकरण को भी हटा दिया गया. खिलाड़ियों के रहने के लिए भवन भी थे, लेकिन उसे ध्वस्त कर दिया. नया बन रहा है, लेकिन वह वर्षों से निर्माणाधीन है.

कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन पर आंदोलनकारियों ने नेताजी को दी श्रद्धांजलि

कोयलांचल में मनाई गई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

संवाददाता ।कतरास/महुदा/तेतुलामारी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कोयलांचल के कतरास तेतुलामारी महुदा बाघमारा बरोरा सहित अन्य इलाकों में विभिन्न राजनीतिक दलों सामाजिक संगठनों व शिक्षण संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित की गई. कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल आंदोलनकारियों ने सर्वप्रथम नेताजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व बियाडाध्यक्ष विजय कुमार झा ने कहा कि रेल बंदी के बाद से रेल आंदोलनकारी लगातार कतरासगढ़ स्टेशन पर सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाते आ रहे हैं. उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जीवनी पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में नेताजी की भूमिका अग्रणी रही. स्वतंत्रता आंदोलन में लाखों लोग थे, लेकिन एक नेताजी ही ऐसे शख्श थे, जो कहे थे कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा. भारत के लिए उनकी सर्पण को नमन करते हैं.

मौके पर रेल आंदोलनकारी निमाई मुखर्जी, राजेंद्र प्रसाद राजा, गौतम मंडल, शौकत खान, विजय पासवान, जांय मुजमदार, नसरुद्दीन खान, विवेक कुमार, भारत कुमार साव, राजीव कुमार, मोहम्मद अख्तर हुसैन, दिलीप रवानी, सुरेश विश्वकर्मा, अमर मोदक, सुशील कुमार दुबे आदि मौजूद थे.

वहीं सरस्वती विद्या मंदिर, सिनीडीह में नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप मे मनाया गया. कार्यक्रम का प्रारंभ वंदना सभा से प्रारंभ हुई. जिसमें विद्यालय के सचिव विवेक नयन पांडे, कोषाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, समिति सदस्य, उत्तम गायली, प्राचार्य सुनील कुमार सिंह, उप प्राचार्य दुर्गेश नंदन सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर नेताजी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया. अपने उद्बोधन में सचिव विवेक नयन पांडे ने नेताजी के उन कार्यों को बताया, जिसे तत्कालीन समय के इतिहास में दर्ज नहीं किया था. उन्होंने कहा कि वैसे तो इतिहास में यह उल्लिखित है कि नेताजी का निधन विमान दुर्घटना में हुआ, लेकिन मुखर्जी आयोग ने यह बताया कि वे 1984 तक जीवित थे, परंतु उस रिपोर्ट को उसे समय की सरकार ने सार्वजनिक नहीं किया गया. जब ऐसा लगने लगा कि अब भारतवर्ष आजाद हो जाएगा तो नेताजी की सोच थी कि भले ही मुझे गुमनामी जिंदगी जीना पड़े लेकिन देश आजाद होना चाहिए. उन्होंने कहा कि नेताजी त्याग और समर्पण के साथ-साथ अदम्य साहसी थे. वे युवाओं के प्रेरणास्रोत थे, जिन्होंने आजाद हिंद फौज की स्थापना करके अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर विवश कर दिया था. अतः आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक भारतीयों के मन में राष्ट्रीयता का भाव विकसित हो और वह देश के निर्माण में सहभागी बनें.

नेताजी की जीवनी पर कक्षा चतुर्थ के तनय एवं अनय ने सुंदर गीत प्रस्तुत किया. इस अवसर पर विद्यालय के भैया बहनों द्वारा वीर पराक्रमियों की झांकी निकाली गई, जिसमें भारत माता, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद, महारानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मी बाई, अहिल्याबाई होलकर, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद सरीखे अनेक वीरों को दिखाया गया. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की आचार्या प्रियंका बागची एवं आचार्य, विधान चंद्र झा किया. कार्यक्रम को संपन्न करने में विद्यालय के आचार्य मुरारी दयाल सिंह, मानिक सेन, राजीव कुमार सिंह आदि मौजूद थे. इधर तेतुलामारी थाना क्षेत्र के सिजुआ राजगंज मुख्य मार्ग पर सुभाष चौक में जयंती समारोह का आयोजित किया गया. जिसकी अध्यक्षता मनोज रवानी ने किया. सिजुआ क्षेत्र के महाप्रबंधक अनूप कुमार राय ने नेताजी के आदमकद प्रतिमा पर माला अर्पण कर कार्यक्रम का शुरूआत किया. वहीं तेतुलमेरी सरस्वती विद्या मंदिर के छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.

लिया संकल्प

- स्वतंत्रता आंदोलन में नेताजी की भूमिका अग्रणी रही
- नेताजी का निधन विमान दुर्घटना में हुआ था
- मुखर्जी आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुआ

नेताजी के सपनों का भारत चाहिएः पवन महतो

धनबाद । मार्क्सवादी युवा मोर्चा ने नया बाजार, भूली मोड़ के पास नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आदमकद प्रतिमा में माल्यार्पण कर 127वीं जयंती मनायी. इस अवसर पर मायुमो जिला अध्यक्ष पवन महतो ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में नेताजी की भूमिका अतुलनीय रही. उनके द्वारा दिया गया जय हिंद का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया. विचारधारा से भी आजादी के बाद एक समाजवादी व्यवस्था के पक्षधर थे. साथ ही अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति की लड़ाई सम्मानजनक क्रांतिकारी रास्तों से पाना चाहते थे. देश में समानता का अधिकार नेताजी के रास्ते पर चलकर ही पाया जा सकता है. इसलिए आज नेताजी के सपनों का भारत बनाने की संकल्प लेने की जरूरत है.

नेताजी की जयंती पर प्रभात फेरी का आयोजन

धनबाद । बंगाली वेलफेयर सोसाइटी हीरापुर द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर जेसी मल्लिक रोड स्थित दुर्गा मंडप से रैली निकाली गई. यह रैली हीरापुर हरि मंदिर, ज्ञान मुखर्जी रोड, रणधीर वर्मा चौक होते हुए पुनः हीरापुर दुर्गा मंदिर पहुंची. जहां नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रैली का समापन किया गया. इस अवसर पर नेताजी पर आधारित बच्चों के लिए कई प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था. जिसमें सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया. रैली में विभिन्न स्कूलों की छात्र छात्राएं, बंगाली वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य एवं एनसीसी के छात्र शामिल थे. रैली में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के द्वारा दिए गए नारे एवं उनके विचारों को पोस्टर के माध्यम से दिखाया गया.

मधुबन में दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट, मामला शांत

संवाददाता। मधुबन

मधुबन थाना क्षेत्र के खरखरी बस्ती और खटाल के युवकों के बाइक भिड़ने को लेकर मंगलवार कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई. इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर पथराव व लाठी डंडे चले. घटना में दोनों पक्षों के पांच लोगों के जख्मी होने और एक मवेशी के मरने की बात कही जा रही है.

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को भगाया. वहीं जख्मियों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया. खबर पाकर डीएसपी निशा मुर्मू सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों के लोगों को समझाबुझा कर मामला शांत कराया. डीएसपी निशा मुर्मू ने बताया कि दोनों पक्षों में आपसी सहमति के बाद मामला सुलझा लिया गया है. फिलहाल पुलिस मामले पर पैनी नजर बनाए हुए है. स्थिति को देखते हुए पुलिस कांड अंकित कर कार्रवाई करेगी. पुलिस की तत्परता और सूझबूझ के कारण दो समुदायों के बीच के बीच बड़ी घटना टल गयी. घटना के बारे में कहा जा रहा है कि दोनो युवकों के साथ हुई मारपीट के बाद दोनों पक्षों के दर्जनों लोग बस्ती के समीप मैदान में जुट गए.

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर बंगाली वेलफेयर ने निकाली रैली

छात्रों ने प्रदूषण से मांगी आजादी

संवाददाता ।धनबाद

मंगलवार 23 जनवरी को धनबाद में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई गई. विभिन्न सामाजिक संगठन, राजनीतिक दल, शिक्षण संस्थान, सरकारी, गैर सरकारी कार्यालय और स्मारक स्थलों पर उन्हें माल्यार्पण श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया. इस मौके पर बंगाली वेलफेयर सोसाइटी, हीरापुर द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती पर रैली निकाली गई, जो जेसी मल्लिक रोड स्थित दुर्गा मंडप से हीरापुर हरि मंदिर, ज्ञान मुखर्जी रोड, कोर्ट क्वार्टर, रणधीर वर्मा चौक होते हुए पुनः हीरापुर दुर्गा मंदिर पहुंची. जहां नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. साथ ही बच्चों के लिए नेताजी पर आधारित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया.

इसमें सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया. रैली में विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राएं, बंगाली वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य एवं एनसीसी छात्र शामिल थे. इस रैली में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के द्वारा दिए गए नारे एवं उनके विचारों को पोस्टर के माध्यम से दिखाया गया. वहीं झरिया में यूथ कॉन्सेप्ट के तत्वावधान में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती के अवसर पर हम तुम्हे खून देंगे, तुम हमें प्रदूषण से आजादी दो के नारे के साथ झरिया में व्याप्त वायु प्रदूषण के खिलाफ रक्तदान कर प्रदूषण से आजादी की मांग की गई. सदस्यों ने रक्तदान करते हुए प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया.

मार्क्सवादी युवा मोर्चा द्वारा नया बाजार, भूली मोड़ के समीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति ने कोयला नगर स्थित नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. वहीं भूली में नेता जी स्पोर्टिंग क्लब एवं वोलेंटियर ब्लड डोनर एसोसिएशन ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया. जिसमें 40 यूनिट ब्लड संग्रह किया गया. इस जयंती समारोह में मुख्य अतिथि बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो व विशिष्ट अतिथि दिलीप सिंह थे.

सुनवाई

धनबाद पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने सजा सुनाई

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल की कैद

संवाददाता। धनबाद

शादी का प्रलोभन देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के मामले में धनबाद पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मामले के नामजद आरोपी वर्धमान बंगाल निवासी अनस कुरैशी को बीससाल कैद की सजा सुनाई है. मामले में लड़की की तरफ से अधिवक्ता अनवर शमीम ने पैरवी की.

प्राथमिकी पीड़िता की शिकायत पर बैंक मोड़ थाने में 5 जुलाई 2020 को दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक पीड़िता अपनी मां के साथ अपने रिश्तेदार के यहां बंगाल गई थी, जहां उसका परिचय अनस के साथ हो गया था. इसके बाद दोनों में फोन से बात होने लगी थी. आरोप है कि इसका फायदा उठाकर आरोपी वर्ष 2019 में उसे मैथन घूमने के लिए अपने साथ ले गया और शादी करने की बात कह कर उसके साथ दुष्कर्म किया. बाद में अनस उसे अपने दोस्तों के घर ले जाकर भी वहां उसके साथ दुष्कर्म करता था. पीड़िता जब शादी करने के लिए उससे बोली तो आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया. अनुसंधान के बाद पुलिस ने अनस के विरुद्ध 4 जनवरी 21 को आरोपपत्र दायर किया था. 02 फरवरी 22 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी.

मिली कैद

- बैंक मोड़ थाने में 5 जुलाई 2020 को केस दर्ज हुई थी
- पीड़िता अपनी मां के साथ पश्चिम बंगाल घूमने गई थी

नीरज हत्याकांड कुर्बान की अर्जी पर आदेश सुरक्षित

धनबाद । पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्याकांड की सुनवाई मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में हुई. सुनवाई के दौरान मुन्ना बजरंगी के शूटर आरोपी मोहम्मद कुर्बान की ओर से दायर ड्यूटी रजिस्टर मंगाने की याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अधिवक्ता मो जावेद ने दलील देते हुए कहा कि मौके वारदात पर ट्रैफिक के जवान तैनात थे, जो इस बात का सबसे अच्छा गवाह हो सकते हैं कि मृतक नीरज सिंह व अन्य मृतकों को गाड़ी से किसने निकाला और अस्पताल तक ले गए, उस समय गाड़ी में कौन-कौन लोग मौजूद थे, लिहाजा ड्यूटी रजिस्टर मंगाया जाय. अदालत में अभियोजन ने जवाब दायर कर अर्जी का विरोध किया. अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया है.

गंगा दामोदर एक्सप्रेस दुमका तक चलेगी

धनबाद । धनबाद-पटना गंगा दामोदर एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 13329) बुधवार से पटना पहुंचने के बाद ट्रेन नंबर 13334 बनकर दुमका तक जाएगी. पटना से सुबह 6:40 बजे खुलकर यह ट्रन 11:05 बजे भागलपुर व दोपहर 1:30 बजे दुमका पहुंचेगी. पटना से दुमका के बीच राजेंद्र नगर, बख्तियारपुर, बाढ़, किउल, अभयपुर, जमालपुर, सुलतानगंज, भागलपुर, बाराहाट, हंसडीहा, नोनीहाट व बारापलासी में इसका ठहराव होगा. वापसी में ट्रेन नंबर 13333 दुमका-पटना एक्सप्रेस दुमका से दोपहर 2:05 बजे खुलकर रात 9:45 बजे पटना पहुंचेगी. फिर पटना से पहले की तरह रात 11:30 बजे खुलकर सुबह धनबाद आएगी. इस ट्रेन के चलने से पटना से दुमका के बीच एक दर्जन से अधिक जिले के लोगों को फायदा होगा.

न्यूज अपडेट ▼

भगवा रंग के स्कूटर से अयोध्या निकले दीपक

सिंदरी । अयोध्या के राम मंदिर में प्रभु श्री राम लला विराजमान हो गये हैं. प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने के बाद हनुमान रूपधारी दीपक मोदी मंगलवार को सिंदरी से भगवा रंग के स्कूटर पर रामलला के दर्शन करने के लिए अयोध्या रवाना हुए. दीपक ने कहा कि करीब 500 वर्षों बाद प्रभु श्रीराम अपने जन्मस्थली अयोध्या वापस आये हैं. उनके दर्शन के लिए माता सरस्वती देवी ने 30 वर्षों तक मौन धारण किया था. दीपक उसी मौनधारी माता सरस्वती के निवास स्थान भौंरा के गोल मंदिर के निवासी हैं. उन्हें अयोध्या का आमंत्रण मिला था.

महुदा में महिला लाठी खेल का हुआ आयोजन

महुदा । रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दूसरे दिन स्वभिमान संस्था के किशोरी कार्यकर्ताओं ने जेंडर भेदभाव मिटाने के उद्देश्य से पारजोरिया बस्ती में महिला नुमाईसी लाठी खेल कार्यक्रम का आयोजन किया. इस दौरान महिला व युवतियों ने लाठी खेल प्रदर्शन कर अपना प्रतिभा दिखाया. किशोरियों ने पुरूष प्रधान समाज को एहसास कराया कि महिला व लड़कियां किसी से कम नहीं हैं. सुषमा देवी ने कहा कि मेरा प्रयास है कि सभी तरह के आयोजन कार्यक्रम मे महिलाएं व किशोरियों की भागीदारी सुनिश्चित हो.

लोगों को दी गई सड़क सुरक्षा की जानकारी

धनबाद । जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह तथा वरीय पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) राजेश कुमार के निर्देशानुसार एनएचएआई टीम द्वारा सड़क सुरक्षा माह 2024 के 9वें मंगलवार को तोपचांची में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में लोगों को सड़क सुरक्षा की जानकारी और सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की सलाह दी गई. साथ ही दुपहिया वाहन चलाते समय हेल मेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने को कहा गया. लोगों को गुड सेमरिटन की भी जानकारी दी गई.

खराब चापाकलों की मरम्मत की कवायद शुरू

धनबाद । नगर निगम ने गर्मी से पहले ही गर्मी में होने वाली पेयजल संकट के लिए तैयारी शुरू कर दी है. आने वाले गर्मी में निगम क्षेत्र के लोगों को पेयजल की समस्या न हो इसकी तैयारी अभी से प्रारंभ कर दी गई है. इसी क्रम में निगम क्षेत्र के सभी अंचलों में खराब चापाकलों की सूची मांगी गई है. सहायक नगर आयुक्त सह जलापूर्ति नोडल पदाधिकारी प्रसून कौशिक ने सभी नगर प्रबंधक से उनके क्षेत्र में खराब चापाकलों की सूची मांगी है. नोडल पदाधिकारी ने कहा कि एक से 55 तक सभी वार्डों में लगे कुल खराब चापाकलों की मरम्मती के लिए करानी है. मरम्मती कराने के लिए निविदा निकाली जाएगी. निविदा निकालने के लिए सभी वार्डो में खराब चापाकलों की सही जानकारी जरूरी है.

ग्रीन मैराथन में प्रशांत को मिला पहला स्थान

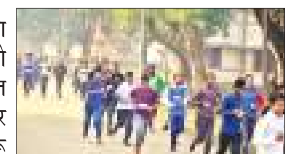

सिंदरी । बीआईटी सिंदरी में बिटसा धनबाद चैप्टर द्वारा मंगलवार को मेगा इवेंट ग्रीन मैराथन आयोजित की गई. इसमें प्रतिभागियों ने परिसर के अंदर प्रशासनिक भवन से शुरू कर हॉस्टल 26 होते हुए महिला हॉस्टल के सामने से पुनः प्रशासनिक भवन तक लगभग ढाई किलोमीटर की दूरी तय की. मैराथन के आयोजक इको क्लब व एनएसएस थे. आयोजकों ने बताया कि संस्थान के 75वें गौरवशाली वर्ष को लेकर इसका आयोजन किया जा रहा है. इससे प्रतिभागियों में जीवन के महत्व व प्रकृति के बारे में जागरुकता फैलाना उद्देश्य है. ग्रीन मैराथन एथलेटिसिज्म और पारिस्थितिक प्रबंधन के बीच अंतरसंबंध का उत्सव है. इको क्लब अध्यक्ष योगेश कुमार और विवेक कुमार के साथ स्वंयसेवकों की टीम ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया.

दो गुटों में हुई मारपीट, दोनों ओर से केस दर्ज

झरिया । बोर्रागढ़ ओपी क्षेत्र के होरलाडीह काली मंदिर के समीप सोमवार की देर रात दो गुटों में मारपीट मामले में दोनों ओर से मामला दर्ज कर लिया गया है. उक्त बातें धनबाद सिटी एसपी अजीत कुमार ने झरिया थाना में प्रेस वार्ता के दौरान बताया. पुलिस को दोनों ओर से आवेदन मिला है. जांच चल रही है. धनबाद पुलिस का कृतसंकल्प है कि धनबाद में सुचारू सुरू से विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए सामाजिक सौहार्द और शांति व्यवस्था को भंग करने वाले लोगों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी. प्रेस वार्ता में सिंदरी डीएसपी अभिषेक सिंह, झरिया थाना प्रभारी संतोष सिंह और बोर्रागढ़ ओपी प्रभारी मनीष कुमार मौजूद थे.

टेरेसा अकादमी में नेताजी को दी गई श्रद्धांजलि

कतरास । सुभाष चन्द्र बोस के 127वें जन्म उत्सव पर झीझीपहाडी स्थित मदर टेरेसा अकादमी में श्रद्धांजलि सह भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में सर्वप्रथम सुभाष चन्द्र बोस की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. जिसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने नेता जी के जीवनी पर भाषण दिया. वहीं प्रधानाचार्य समीर कुमार महतो ने कहा कि नेताजी ने भारत की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका को निभाया और युवाओं में आजादी के लिए लड़ने का जज्बा पैदा किया. नेताजी ने आजादी के लिए जय हिन्द, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, चलो दिल्ली जैसे नारे दिए, जिन्होंने युवाओं में आजादी के लिए प्रेरणा का काम किया. आजादी के लिए उनके द्वारा किये गए संघर्ष को नमन करने के लिए उनकी जयंती को प्रतिवर्ष मनाया जाता जाता है. मौके पर विद्यालय के निर्देशक सह मुखिया प्रतिनिधि गणेश कुमार महतो, सुरजीत महतो, कमल शर्मा, भागीरथ प्रमाणिक, प्रीति कुमारी, सुनीता, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे.

सिंदरी में मदर टेरेसा स्कूल ने निकाली प्रभातफेरी

सिंदरी । भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 128वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धा अर्पित करते हुए मदर टेरेसा उच्च विद्यालय सिंदरी ने मंगलवार की सुबह प्रभातफेरी निकाली. बच्चों व शिक्षकों के साथ ड्रम की धुन पर निकाली गई प्रभातफेरी विद्यालय फुटबॉल मैदान से शुरू होकर आइएमटाइप, केवन, शहरपुरा मुख्य बाजार का भ्रमण कर जयहिंद क्लब स्थित नेताजी की आदमकद प्रतिमा के पास पहुंचा. इस कार्यक्रम में एफसीआई सिंदरी संपदा अधिकारी देबदास अधिकारी और समाजसेवी अंबुज मंडल ने नेताजी को माल्यार्पण कर झंडा फहराया. प्रभातफेरी में स्कूली बच्चे विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों की रुप सज्जा में दिखाई दिए. इनमें अन्नु कुमारी ने भारत माता, राजीव कुमार ने नेताजी, अमन दुबे ने महात्मा गांधी, तनु श्री ने रानी लक्ष्मीबाई तथा नमन कुमार मिश्रा ने भगत सिंह के वेशभूषा में शामिल हुए. विद्यालय प्राचार्य राधेश्याम प्रसाद के नेतृत्व में निकली प्रभातफेरी पर उन्होंने कड़कड़ाती ठंड के बीच विद्यार्थियों के राष्ट्रीय प्रेम को सराहा.

सांसद ने कहा- एक बार फिर मोदी सरकार

धनबाद । धनबाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने मंगलवार को बूथ नंबर 203 में दीवार लेखन का कार्यक्रम किया. इस अवसर पर सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि एक बार फिर से मोदी सरकार का स्लोगन सबका-साथ, सबका-विकास, सबका-प्रयास, सबका-विश्वास' का हमारा ध्येय नया आयाम प्राप्त करेगा. भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हर बूथ पर स्वयं को जोड़कर इस कार्यक्रम को सफल बनाएंगे. उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि वह आगामी चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन व विकास के हमारे संकल्प को साकार करने के साथ देश में स्थिर व समावेशी सरकार चुनें. इस अवसर पर जिला महामंत्री नितिन भट्ट, जिला मीडिया प्रभारी मिल्टन पार्थ सारथी, प्रितपाल सिंह अजमानी, उमेश सिंह, मौसम सिंह, उदय सिह,राजीव रंजन, रवि, अजयकांत सिन्हा सहित अन्य उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

श्रद्धा के साथ मनाई गई बोस की जयंती

पथरगामा (गोड्डा) । स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद सुभाष चंद्र बोस की जयंती जिले भर में धूमधाम से मनाई गई. पथरगामा प्रखंड कार्यालय में बीडीओ अमल जी की अध्यक्षता में समारोह आयोजित कर सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि दी गई. बीडीओ ने नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. मौके पर मार्केटिंग ऑफिसर अजय कुमार जायसवाल, थाना प्रभारी कश्यप गौतम, बीपीआरओ सुदर्शन भगत, अरविंद साह, श्रीकांत, निरंजन कुमार, अंचल निरीक्षक अजय हांसदा सहित काफी संख्या में प्रखंड कर्मी मौजूद थे.

कार्यक्रम में दी परिवार नियोजन की जानकारी

साहिबगंज। बरहेट प्रखंड मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में परिवार कल्याण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ हेमंत मुर्मू ने की. इसके अलावा प्रखंड के एचडब्ल्यूसी कदमा, खिजुखाल, दरियापुर, खुटोना में भी कार्यक्रम किए गए. मौके पर बीपीएम प्रिय रंजन सिंह, बीटीटी केदारनाथ पंडित, एएनएम कनकलता मुर्मू, एमपीडब्ल्यू योगेश कुमार, सीएचओ संध्या कुमारी, सोनम कुमारी, लीना तिग्गा, समिला मुर्मू, सोनी कुमारी सहित सीएचओ मौजूद थे.

प्रखंडों में मनाया गया राष्ट्रीय बालिका दिवस

पाकुड़ । महिला बाल विकास व सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से जिले में 19 से 24 जनवरी तक राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जा रहा है. इसी के तहत मंगलवार को जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों के आंगनबाड़ी केंद्रो में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य लिंगानुपात व संस्थागत प्रसव के प्रतिशत मे सुधार, बालिकाओं का स्कूल छोड़ने की दर को रोकना, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे मे जागरूकता बढाना है. हिरणपुर व अमड़ापाड़ा के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में बच्चियों को दंगल फिल्म दिखाकर प्रोत्साहित किया गया.

गीता परिवार का वार्षिक भक्त समागम आयोजित

पाकुड़ । पश्चिम बंगाल गीता परिवार एवं झारखंड गीता परिवार का वार्षिक भक्ति समागम एवं पंचवटी महासम्मेलन का आयोजन मंगलवार को पश्चिम बंगाल एवं झारखंड गीता परिवार का वार्षिक भक्त समागम एवं पंचवटी महासम्मेलन सह जीवन उपयोगी सत्संग समारोह का आयोजन धुलियान एवं पाकुड़ गीता परिवार ने संयुक्त रूप से पश्चिम बंगाल के तारापुर में आयोजित किया. महासम्मेलन का उद्घाटन वृंदावन से आये हुए संत श्री हरेकृष्ण दास महाराजजी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस को माल्यार्पण कर किया.

बोस की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

साहिबगंज । मंगलवार को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेता जी सुभाषचंद्र बोस की 127वीं जयंती जिला कांग्रेस की ओर से जिरवाबाड़ी स्थित सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया. वहीं, कांग्रेसजनों ने बारी-बारी से बोस की प्रतिमा के चरणों पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ज़िला उपाध्यक्ष मो कलीमुद्दीन, बासुकी नाथ यादव, अशोक, एखलाक नदीम, अजय, राजेश, यमुनादास, सुनील, सद्दाम हुसैन, अली कुरैशी, रिजवान, सादिक, राजकुमार, सतीश, मंगल, हैदर रजा, गुलज़ार अहमद आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे.

कोडरमा लोकसभा क्षेत्र : किसके पाले जाएगी अभी कुछ तय नहीं

इंडिया गठबंधन में टिकट को ले मची है झकझूमर

अभय वर्मा । गिरिडीह

कोडरमा लोकसभा चुनाव को ले इंडिया गठबंधन में विभिन्न दलों के बीच झकझूमर मची है. हालांकि सभी दलों के शीर्ष नेतृत्व को सीट शेयरिंग तय करनी है और कोडरमा लोकसभा क्षेत्र किसके पाले जाएगी अभी कुछ तय नहीं हुआ है. पर स्थानीय स्तर पर कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भाकपा माले और राष्ट्रीय जनता दल के बीच दावेदारी की झड़ी लग गई है. जिला स्तरीय नेता विभिन्न मंचों से कोडरमा लोस की दावेदारी कर रहे हैं.

मिली जानकारी के अनुसार पिछले लोकसभा चुनाव (2019) में यह सीट कांग्रेस के कोटे में थी. कांग्रेस ने यह सीट झारखंड विकास मोर्चा को दे दिया था. इस बार कोडरमा की राजनीति ने करवट बदली है. तब के झारखंड विकास मोर्चा प्रत्याशी रहे बाबूलाल मरांडी भाजपा में है, तो झारखंड मुक्ति मोर्चा इस सीट को कांग्रेस से अपने पाले में करने की कोशिश कर रही है.

सूत्रों की मानें तो झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा के पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा को संभवतः इस भरोसे पर लाई है कि उन्हें कोडरमा लोकसभा से पार्टी का टिकट दिया जाएगा. फिलहाल कांग्रेस के दावेदारों में कोई बड़ा चेहरा नहीं दिख रहा है. इधर, पार्टी सूत्रों की मानें तो अल्पसंख्यक वोटों के भरोसे गोड्डा के फुरकान अंसारी अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं. इधर, भाकपा माले ने 16 जनवरी को बगोदर में आयोजित महेंद्र सिंह शहादत समारोह में कोडरमा पर मजबूत दावेदारी कर इंडिया गठबंधन के अंदर परेशानी बढ़ा दी है. माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने मंच से अपने इरादे जाहिर कर दी है. अब इंडिया गठबंधन के अंदर माले की अनदेखी भी आसान नहीं होगी. मिली जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय नेतृत्व के इशारे पर ही जिला स्तरीय नेता टिकट राग अलाप रहे हैं.

विगत दो चुनाव में माले की रही है दमदार उपस्थिति

विगत दो लोकसभा चुनाव में भाकपा माले की दमदार उपस्थिति रही है. 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने मिली सीट से चुनाव लड़ने के बजाय झारखंड विकास मोर्चा के प्रत्याशी बाबूलाल मरांडी को समर्थन दिया था. तब माले के राजकुमार यादव को 68,207 वोट मिले थे वहीं, कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार को 2.97 लाख मत मिले थे. 2014 के लोकसभा चुनाव में माले के राजकुमार यादव को 2,66,717 वोट, कांग्रेस के तिलकधारी प्रसाद सिंह को 60,330 वोट मिले थे. मालूम हो की 2014 कोडरमा लोकसभा चुनाव में रविंद्र राय ने राजकुमार को लगभग 100000 मतों से पराजित किया था, पर 2019 के चुनाव में मैदान में भाजपा से अन्नपूर्णा देवी के उतरने के बाद राजकुमार यादव का ग्राफ बहुत गिर गया था. इस बार भी चुनावी मैदान में भाजपा के टिकट पर अन्नपूर्णा रही तो राजकुमार को खास वर्ग का समर्थन मिलेगा या नहीं संशय की स्थिति बनी हुई है. कोडरमा लोकसभा में गिरिडीह जिले के धनवार, बगोदर, जमुआ और गांडेय विधानसभा क्षेत्र आने से इस सीट की चर्चा और दावेदारी गिरिडीह में ज्यादा हो रही है. फिलहाल इंडिया गठबंधन से किसकी उम्मीदवारी होगी भविष्य के गर्भ में है.

न्यायिक पदाधिकारियों ने गरीबों के बीच बांटा कंबल, हर्षोल्लास

संवाददाता । तेनुघाट

तेनुघाट व्यवहार न्यायालय परिसर में न्यायिक पदाधिकारियों के द्वारा जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया. इस अवसर पर जिला जज प्रथम राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि नालसा, झालसा और डालसा के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष ठंड के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया जाता है. जिससे उन्हें ठंड से बचने में राहत मिले. साथ ही अलाव की भी व्यवस्था किया जाता है. कुटुंब न्यायालय के राजीव रंजन ने कहा कि कंबल का वितरण ठंड के समय जरूरतमंदों को राहत मिलता है. कंबल पाने के बाद जरूरतमंद काफी प्रसन्न नजर आते हैं. कंबल वितरण के समय जिला जज द्वितीय अनिल कुमार, जिला जज तृतीय सूर्य मणि त्रिपाठी, एसीजेएम विशाल गौरव, सब जज द्वितीय राजेश रंजन कुमार, एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल, मुंसिफ श्वेता सोनी, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी साक्षी श्रीवास्तव एवं रूपम स्मृति टोपनो भी मौजूद थी. अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष नालसा, झालसा और डालसा के निर्देश अनुसार जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया जाता है और यह आगे भी किया जाते रहेगा.

नेताजी सुभाष की जयंती पर निकली प्रभातफेरी, विधायक बोले-

नेताजी ने युवाओं में आजादी के लिए लड़ने का जज्बा पैदा किया

संवाददाता । गिरिडीह

आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मंगलवार को गिरिडीह में मंगलवार सुबह प्रभातफेरी निकाली गई. शिशु निकेतन स्कूल अरगाघाट और बंगाली गर्ल्स स्कूल मकतपुर रोड से निकली प्रभातफेरी में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, शिक्षक व बंगाली समाज के लोग शामिल हुए. बंगाली गर्ल्स स्कूल में हुए कार्यक्रम में गिरिडीह सदर के विधायक सुदिव्य कुमार सोनू भी शामिल हुए. प्रभातफेरी शहर का भ्रमण करते हुए नेताजी चौक पहुंची, जहां सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया. लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन और बंगाली एसोसिएशन की ओर से बंगाली गर्ल्स स्कूल में बच्चों के बीच वाटर बोतल का वितरण किया गया.

विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि नेताजी की पूरी जिंदगी साहस और पराक्रम से भरी हुई है. उन्होंने देश को आजाद करने के लिए ऐसे नारे दिए जिससे भारतीयों के दिलों में आजादी की जल रही ज्वाला और तेज धड़कने लगी. उन्होंने युवाओं के भीतर आजादी के लिए लड़ने का जज्बा पैदा किया. कार्यक्रम में लायंस क्लब के धुर्व सोंथालिया, रतन गुप्ता, अनिल अग्रवाल, शाहिल कुमार, सुनील मोदी, आनंद, अमित जालान आदि मौजूद थे. शिशु निकेतन की प्रभातफेरी में पिक्लू बनर्जी, अर्णिम घोष, नोनता घोष, मिताली चक्रवर्ती आदि शामिल हुए.

कसमार में सीपीआईएम ने मनाई सुभाषचंद्र बोस की जयंती

- सचिव शकुर अंसारी ने कहा कि आज देश में सांप्रदायिक विचारों को उभारकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास जारी है

संवाददाता । कसमार (बोकारो)

कसमार प्रखंड के सीपीआईएम कसमार लोकल कमेटी की ओर से मंगलवार को पार्टी कार्यालय में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनाई गई. इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर माकपा लोकल कमेटी सचिव शकुर अंसारी ने कहा कि आज देश में सांप्रदायिक विचारों को उभारकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास जारी है. देश की सार्वजनिक कंपनियों को बिक्री की जा रही है. बड़े कॉरपोरेट घरानों के हित में काम किया जा रहा है. बेरोजगारी और महंगाई बढ़ाने वाली नीतियां बनायी जा रही है. इस वर्तमान हालात में नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विचारों से ही ऐसी नीतियों एवं ताकतों को परास्त किया जा सकता है. शकुर अंसारी ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेजों एवं साम्राज्यवादी ताकतों की गुलामी से भारत को जल्द से जल्द आजाद करने के लिए आजाद हिंद फौज की स्थापना की. उनकी फौज में युवाओं की भारी तादाद उमड़ पड़ी और इस आंदोलन ने देश की आजादी में एक नया अध्याय जोड़ा. मौके पर उमाशंकर महाराज, इमामुल हुसैन, ऐनुल अंसारी, जटाधारी सिंह, शरीफ अंसारी, शहबान अंसारी, सगीर अंसारी, सलीम अंसारी, केदार महतो, मो कयामुद्दीन, मकिन अहमद, साजिद अली नूर व अन्य लोग मौजूद थे.

पेड़ पर लटकता युवक का शव बरामद

संवाददाता । पेटरवार (बोकारो)

जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र के पेटरवार पुरनी पोखर के समीप मंगलवार को एक युवक का शव पेड़ पर लटकता मिला. शव की पहचान पेटरवार पंचायत निवासी कार्तिक महतो रूप में हुई है. तलाशी के दौरान युवक के पॉकेट में तीन दिन पहले की बोकारो स्टेशन प्लेटफार्म की टिकट बरामद हुई है. शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गयी. घटना की सूचना पाकर पेटरवार थाना प्रभारी विनय कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नीचे उतारा. इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडल अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच में जुटी हुई है.

पिछले कुछ दिनों से डिप्रेशन में था कार्तिक महतो : घटना की सूचना पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गये हैं. परिजनों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कार्तिक महतो डिप्रेशन में रहता था. वह घर पर भी बहुत कम रहता था. परिजनों के अनुसार, कुछ दिन पहले वह अपने दोस्तों से पैसे मांग रहा था. ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि पैसे की तंगी के कारण कार्तिक महतो ने आत्महत्या की है. हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पायेगा. कार्तिक महतो घर का इकलौता कमाऊ बेटा था.

स्कूली बच्चों से भरा ऑटो पलटा, 11 बच्चे हुए घायल

बेरमो । बोकारो थर्मल से कंजकिरो गांव जा रही स्कूली बच्चों से भरा ऑटो वाहन मंगलवार की दोपहर पलट गई. जिसमें 11 बच्चे घायल हो गए. सभी घायल बच्चों का इलाज बोकारो अस्पताल में इलाज कराया गया. बता दें कि बोकारो थर्मल से एक ऑटो में करीब 11 बच्चे अपने घर कंजकीरो लौट रहे थे. इसी दौरान सीसीएल गोविंदपुर कॉलोनी के समीप मुख्य सड़क में एक बाइक सवार को बचाने में ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई. जिसमें 11 छात्र एवं दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए. उनका इलाज डीवीसी के बोकारो थर्मल अस्पताल में करवाया गया. घटना में तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए. उनका बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया. घटना की सूचना मिलने के बाद बोकारो थर्मल थाना प्रभारी रूपेन्द्र कुमार राना सहित अन्य पुलिस कर्मी घटना स्थल पहुंचे और सभी बच्चों को अस्पताल ले गए और इलाज करवाया. दुर्घटनाग्रस्त ऑटो एवं बाइक को जब्त कर थाना ले गई.

युवाओं को बोस की जीवनी पढ़नी चाहिए : राजेश सिन्हा

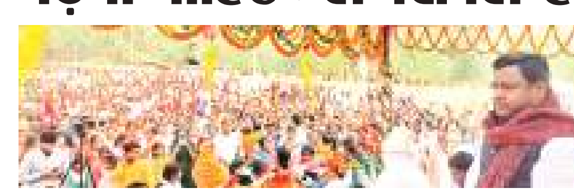

संवाददाता । गिरिडीह

सुभाष चंद्र बोस की 127वें जयंती पर मंगलवार को सुभाष चौक पर माले के कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की. मौके पर देश के लिए दिए गए योगदान पर चर्चा की गई. माले नेता राजेश सिन्हा की अगुवाई में दर्जनों लोगों ने नारेबाजी की. सिन्हा ने कहा की नेता जी का द्वितीय विश्व युद्ध में बड़ा योगदान रहा. आजाद हिंद फौज बनाकर देश के लिए बड़ा योगदान दिया. इनका नारा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा.

सिन्हा ने कहा आज के नेताओं की बिल्कुल अलग सोच है. कहा कि 90% नेताओं की सोच है कि तुम मुझे वोट दो, मैं तुम्हे बेरोजगारी, भुखमरी,अशिक्षा, निजीकरण दूंगा. इसी सोच को समाप्त करने भाकपा माले पूरे राज्य में आगे की पंक्ति में खड़ा होकर लगातार आंदोलन कर रही है. माले नेता ताज हसन ने कहा कि आज के युवाओं को नेता जी की जीवनी पढ़ने की जरूरत है,आज के नेता और आज के युवा को ऐसे नेताओं को अपना आदर्श मानना चाहिए, वहीं आलोक रंजन ने कहा कि हमलोग को इनकी जीवनी के बारे जगह-जगह नुक्कड़ सभा के माध्यम से बताने की जरूरत है. मौके पर असीम डे, अनुपम, शहनवाज, अफसर, मुकेश, रघु आदि उपस्थित थे.

गोल्डन फ्यूचर स्कूल के बच्चों ने निकाली प्रभातफेरी, दी श्रद्धांजलि

संवाददाता । तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी प्रखंड के गोल्डन फ्यूचर स्कूल में मंगलवार को सुभाष चन्द्र बोस की 128वीं जयंती मनाई गई. इस दौरान बच्चों द्वारा गोल्डन स्कूल से लेकर तिसरी चौक होते हुए गांधी मैदान तक बच्चों द्वारा सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, झांसी की रानी, जवाहर लाल नेहरू, भारत माता, स्वामी विवेकानंद की प्रभात फेरी निकाली गई. स्कूल प्रबंधक कारू बरनवाल द्वारा सर्व प्रथम सुभाष चंद्र बोस के फोटो पर फूल चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया. फिर स्कूल के अन्य शिक्षकों और तिसरी पुलिस के अलावा प्रवीण कुमार सिंह, राहुल यादव ने भी सुभाष चंद्र बोस के फोटो पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दिया. मौके पर प्रिंसिपल रानी, गौरव सिंह, महेंद्र वर्मा, ऋतु बरनवाल, सचिन यादव, बच्चन साव, स्टीफन टुडू मौजूद थे.

नेताजी सेवा संघ ने स्थापना दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

नेताजी के आदर्शों पर चलें युवा : रवींद्र

- नेताजी सेवा संघ ने स्थापना दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर
- शिविर में 40 लोगों ने किया रक्तदान

संवाददाता । बेरमो

बेरमो के विभिन्न क्षेत्रों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई. नेताजी सुभाष सेवा संघ करगली बाजार द्वारा नेताजी की 128वां जयंती एवं संघ का 14वां स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया. यहां पिछले साल भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था. जिसमें 40 लोगो ने रक्तदान किया. केबी कॉलेज बेरमो की ओर से तेनुघाट पिकनिक स्पॉट में जयंती मनाई गई. बता दें कि फुसरो में नेताजी जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित शिविर में रक्त संग्रह रेड क्रॉस सोसाइटी बोकारो के डॉक्टर मैथिली ठाकुर, सहयोगी संजय कुमार, धनंजय कुमार, कुमार हर्षवर्धन द्वारा किया गया. समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रविंद्र कुमार पांडेय, के रामाकृष्णा, जीएम एमके अग्रवाल, प्रतुल कुमार और राजीव कुमार, गिरजाशंकर पांडेय, गिरिजा देवी, डॉ उषा सिंह, प्रकाश कुमार सिंह, डॉक्टर शंकुतला कुमार, रविंद्र कुमार मिश्रा, आफताब आलम खान, उनेश, विजय कुमार सिंह व डीपी मौर्या, विनय सिंह, भाई प्रमोद सिंह, दिनेश सिंह, अशोक सिंह, नवल किशोर सिंह, कृष्ण कुमार, सुमित सिंह,भरत बर्मा, गजेंद्र सिंह, लाखन सिंह,अशोक सिंह, सुभाष बरनवाल, संतोषी सिहा,अनिल गुप्ता,आशुतोष कुमार, संजय पांडेय आदि मौजूद थे.

उमरा के लिए रवाना हुए पति-पत्नी

बेंगाबाद (गिरिडीह) । बेंगाबाद प्रखंड के नैयाडीह से मंगलवार को लाल मोहम्मद एवं उनकी पत्नी उमरा के लिए मक्का के सफर पर रवाना हुए. काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने दोनों पति-पत्नी को उमरा के लिए रवाना किया. मौके पर कांग्रेस नेता सह मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश महासचिव जैनुल अंसारी ने पहुंच कर हज उमरा पर जाने वाले दंपती को मुबारकबाद दी. मौके पर हाजी इस्माइल अंसारी, हुसैन अंसारी, कलीम अंसारी, हनीफ अंसारी, नासिर अंसारी, रज्जाक अंसारी, समसुद्दीन अंसारी, नूर सलीम, तबरेज, रियाज आदि मौजूद थे.

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रेवल
में आपका स्वागत और अभिनंदन!

आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कटरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत मे होटल और रूम मे ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।

- FLIGHT TICKETS
- CRUISE BOOKING
- HOTEL BOOKING
- TRAIN TICKET
- TAXI SERVICE
- CURRENCY EXCHANGE
- HOLIDAY PACKAGES
- GROUP BOOKINGS
- E VISA SERVICE
- INTERNATIONAL TOUR PACKAGES

BOOKING
Call 8527271652-ved

परीक्षा | **बोकारो में दो केंद्रों पर 3512 अभ्यर्थी देंगे जेईई मेंस एग्जाम**

सफल संचालन के लिए तमाम तैयारियां पूरी : डॉ. गंगवार

संवाददाता । बोकारो

▪ फाइल फोटो

इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की तरफ से संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन 2024 सत्र 1) के पहले सत्र की शुरुआत 24 जनवरी 2024 से हो रही है, जो 1 फरवरी तक चलेगी. बोकारो जिले में जेईई मेन्स एग्जाम के लिए दो केंद्र बनाये गये हैं. जिसमें कुल 3512 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे. पहला परीक्षा केंद्र चास के नवाडीह मूर्तिटांड़ स्थित आरआर टेक्नोलॉजी और दूसरा चिकसिया (चास) के बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर को बनाया गया है. इसकी जानकारी एनटीए के सिटी कोआर्डिनेटर और डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने दी.

परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर सारी तैयारियां पूरी : डॉ. ए एस गंगवार ने बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में कदाचार-मुक्त संपन्न हो और परीक्षार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसकी हरसंभव व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है. डॉ. गंगवार ने बताया कि परीक्षा की शुरुआत आरआर टेक्नोलॉजी में बनाये गये केंद्र में 24 जनवरी को हो रही है, जहां सिर्फ दूसरी पाली में 97 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे.

इसके बाद केंद्रवार आरआर टेक्नोलॉजी में 27 जनवरी को प्रथम पाली में 140, दूसरी में 129, 29 जनवरी को दोनों शिफ्ट में 140-140, 30 जनवरी को पहली पाली में 99 व दूसरी में 140, 31 जनवरी को दोनों ही पालियों में 140-140 और 1 फरवरी को पहली पाली में 106 व दूसरी में 42 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे.

दो पालियों में होगी परीक्षा : इसी प्रकार अल्फा आईसीटी सेंटर में बनाये गये परीक्षा केंद्र में 27 जनवरी को पहली पाली में 219 व दूसरी में 220 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे. इसके बाद 29, 30, 31 जनवरी और एक फरवरी को दोनों ही पालियों में 220-220 परीक्षार्थी शामिल होंगे. पहली पाली सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे चलेगी. वहीं दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक चलेगी. उल्लेखनीय है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित जेईई मेन्स परीक्षा में दो पेपर होते हैं. एक इंजीनियरिंग और दूसरा बीआर्क अथवा बी प्लानिंग कोर्स में एडमिशन के लिए होता है. जेईई मेन के दूसरे सत्र का आयोजन आगामी 01 से 15 अप्रैल तक होगा. अभ्यर्थियों को सभी आवश्यक गाइडलाइन के अनुपालन का निर्देश दिया गया है.

ग्रिल उखाड़कर बर्तन दुकान से पांच लाख रुपये की चोरी

पथरगामा । गोड्डा जिले के पथरगामा मुख्य बाजार स्थित दुकान गुप्ता बर्तन भंडार का ग्रिल उखड़कर चोरों ने लाखों रुपए के बर्तन की चोरी कर ली. घटना सोमवार देर रात की है. दुकान मालिक आलोक कुमार गुप्ता के अनुसार, चोर करीब 5 लाख के सामान ले गए हैं. उन्होंने बताया कि हर सोमवार को रात आठ बजे दुकान बंद कर घर चले गए. सुबह जब दुकान खोलने पहुंचे तो दुकान के अंदर का सामना बिखरा पड़ा था. चोर दुकान के पीछे लगे लोहे का ग्रिल तोड़कर अंदर घुसे थे. चोरी गई बर्तन में कांसा का कलशी पांच पीस, कांसा का थाली-लोटा 500 पीस, गिलास-कटोरी, कांसा का जग आदि सामान शामिल हैं.

हकीकत के प्रति संजीदगी

नौ महीने बाद इस बात की उम्मीद की जा सकती है कि पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर के हिंसा और सामाजिक टकराव की समस्या को ले कर संजीदगी बढ़ रही है. इस बीच विपक्षी दल कांग्रेस के नेता राहुल गांधी दो बार मणिपुर की यात्रा कर चुके हैं और अपने न्याय यात्रा के दौरान लगातार पूर्वोत्तर में बढ़ती हिंसा और कुशासन के सवाल को उठा रहे हैं. इसका असर है या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन संभवतः मणिपुर में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को भी हकीकत का अहसास हुआ है. पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की प्राथमिकताएं चाहे जो हों, प्रदेश के नेता समझ रहे हैं कि मौजूदा सरकार आम जन के बीच अपना भरोसा खो चुकी है और उसके हाथ में समाधान का कोई सूत्र नहीं है. मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को भी इस आम भावना को स्वीकार करना पड़ा है. तभी रविवार को उन्होंने सर्वदलीय बैठक बुलाई और उसके बाद एलान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय मांगेंगे. चर्चा है कि उस मुलाकात में बीरेन सिंह अपने इस्तीफे की पेशकश करेंगे. उनका यह कथन महत्वपूर्ण है, 'हमने कोई फैसला नहीं किया है, क्योंकि हम यह तय नहीं कर पाए हैं कि प्रशासन की जिम्मेदारी हमें किसके हाथ में सौंपनी चाहिए. लोगों को लंबे समय तक बहुत भुगतना पड़ा है और उनके हालात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए.' मणिपुर में हिंसा की शुरुआत हुए लगभग नौ महीने आने को हैं, लेकिन स्थिति आज भी नियंत्रण में नहीं है. जब-तब हिंसा और मौतों की खबर वहां से आती रहती है. मणिपुर के दर्जनों राजनीतिक सामाजिक समूहों ने इस हिंसा के सवाल को ले कर प्रधानमंत्री से मुलाकात करने का प्रयास किया, लेकिन इन्हें प्रधानमंत्री ने समय नहीं दिया. इस सवाल को ले कर संसद में अविश्वास प्रस्ताव भी विपक्ष ने पेश किया, यह जानते हुए कि प्रस्ताव का गिरना तय है. बावजूद केंद्र ने इस सवाल पर ज्यादा संजीदगी का इजहार नहीं किया. राज्य के दो प्रमुख समुदायों- मैतेई और कुकी के बीच अविश्वास और विभाजन की रेखाएं गहरा गई हैं और उनके कुछ संगठन अब आतंकवादी तौर-तरीकों का सहारा लेने लगे हैं. यह बहुत आरंभ में स्पष्ट हो गया था कि बीरेन सिंह सबको साथ लेकर चलने में नाकाम हो गए हैं और तबसे उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है. एक बार उन्होंने इस्तीफा देने का दिखावा भी किया, जब उनके समर्थकों ने महिलाओं की भीड़ जुटाकर उनका इस्तीफा फाड़ दिया था. तब यह संदेश दिया गया कि बहुसंख्यक मैतेई समुदाय मजबूती से बीरेन सिंह के पीछे खड़ा है, लेकिन हिंसा जारी रहने और उससे सभी समुदायों को भारी नुकसान होने के बाद लगता है कि मैतेई आबादी के बीच उनके प्रति भरोसा डिग गया है. तो अब मुख्यमंत्री ने एलान किया है कि 'यह राजनीति करने का समय नहीं है और सभी दल आगे का रास्ता ढूंढने के लिए एकजुट हो गए हैं.' देर से ही सही, लेकिन यह अच्छा संकेत है.

> लोगों को लंबे समय तक बहुत भुगतना पड़ा है और उनके हालात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए.' मणिपुर में हिंसा की शुरुआत हुए लगभग नौ महीने आने को हैं, लेकिन स्थिति आज भी नियंत्रण में नहीं है.

सुभाषित

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

यह मेरा है और यह तेरा है, ऐसी सोच छोटे विचारों वाले लोगों की होती है. इसके विपरीत उदार रहने वाले व्यक्ति के लिए यह पूरी धरती एक परिवार की तरह होती है. अपना और पराया का भेदभाव भूल कर पूरे समाज, राष्ट और मानवता की चिंता करनी चाहिए.

सवाल लोकतंत्र की 'प्रतिष्ठा' का है!

राहुल गांधी की पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय जो भय व्यक्त किया गया था, वह आज भी क़ायम है. उसमें कोई कमी नहीं हुई है. मैंने तब लिखा था कि 'यात्रा को विफल करने और नकारने के लिए तमाम तरह की ताक़तें आपस में जुट गईं हैं, संगठित हो गई हैं. राहुल के पैदल चलने की थकान ये ताक़तें अपने पैरों में महसूस कर रही हैं. यात्रा की सफ़लतापूर्वक समाप्ति के लिए इसलिए प्रार्थनाएं की जानी चाहिए कि किसी भी देश के जीवन में इस तरह के क्षण बार-बार उपस्थित नहीं होते.'

• देश-काल

श्रवण गर्ग

पंद्रह राज्य, 110 जिले, 6,713 किलो मीटर लंबा रास्ता और 66 दिनों का सड़कों पर सफ़र! जनता के बीच, जनता के लिए! 'लोकतंत्र के राम' की देश की 140 करोड़ जनता के हृदयों में प्राण प्रतिष्ठा के लिए ! एक लगातार चलने वाली यात्रा. लोगों की आंखों में आंखें डालकर उनके आंसुओं में ख़ुशी और ग़मों की तलाश करने का यज्ञ. जनता से उसकी ज़ुबान में ही बातचीत करने की कोशिश. कोई छोटा-मोटा काम नहीं हो सकता. यह यात्रा उस चार हज़ार किलो मीटर के साहस से भिन्न है, जिसे कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल नापा गया था और जिसने देश भर में उम्मीदें जगा दी थीं कि चीज़ें और सत्ताएं बदली जा सकती हैं. ज़रूरत सिर्फ़ एक ईमानदार संकल्प की है ! वक्त के मान से पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' ज़्यादा लंबी थी, पर इसलिए छोटी थी कि नदियों, पहाड़ों, जंगलों और निर्जन स्थलों से गुज़रते वक्त भी लोगों का एक बड़ा समूह हरदम साथ चलता था. वह यात्रा 150 दिनों की थी. यह सिर्फ़ 66 दिनों की है. अभी सिर्फ़ तीन राज्य और दो सप्ताह ही पूरे हुए हैं. इस यात्रा में सुनसान रास्तों से गुज़रते वक्त बस में कुछेक सहयोगी और केवल एक यात्री ही रहने वाला है. बसकी खिड़की से बाहर बसे भारत को चुपचाप निहारता हुआ. हज़ारों किलो मीटर की इस अद्भुत और ऐतिहासिक यात्रा के दौरान कभी एक क्षण ऐसा भी आ सकता है, जब राहुल गांधी स्वयं से सवाल करने लगें कि भारत की जिस तस्वीर को वे बदलना चाह रहे हैं, वह अगर 2024 के चुनावों के बाद भी नहीं बदली तो वे क्या करने वाले हैं? क्या देश का धैर्य उनका लंबे वक्त तक साथ देने के लिए तैयार होगा? अगर चीज़ें नहीं बदलीं तो क्या उन्हें इसी तरह की और ज़्यादा कठिन कई नई यात्राएं करना पड़ेंगी? उन यात्राओं की तब दिशा क्या होगी? सहयात्री कौन बनेंगे? क्या देश को तब तक ऐसी स्थिति में बचने दिया जाएगा कि उनके जैसा कोई व्यक्ति जनता को जगाने वाली किसी भी यात्रा के लिए सड़कों पर निकल सके?
राहुल गांधी की पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय जो भय व्यक्त किया गया था, वह आज भी क़ायम है. उसमें कोई कमी नहीं हुई है. मैंने तब लिखा था कि 'यात्रा को विफल करने और नकारने के लिए तमाम तरह की ताक़तें आपस में जुट गईं हैं, संगठित हो गई हैं. राहुल के पैदल चलने की थकान ये ताक़तें अपने पैरों में महसूस कर रही हैं. यात्रा की सफ़लतापूर्वक समाप्ति के लिए इसलिए प्रार्थनाएं की जानी चाहिए कि किसी भी देश के जीवन में इस तरह के क्षण बार-बार उपस्थित नहीं होते.'

राहुल की पहली यात्रा निर्विघ्न समाप्त हो गई थी. इस समय सवाल यह है कि क्या इस दूसरी यात्रा को बिना किसी बाधा के पूरा होने दिया जाएगा? राहुल को गुवाहाटी से मिल रही धमकियां किस ओर इशारा कर रही हैं? आश्चर्य नहीं होता कि देश के भीतर व्याप्त व्यापक नागरिक उत्पीड़न और सीमाओं पर उपस्थित अशांत माहौल के बीच भी वे तमाम लोग जिनका सत्ता पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नियंत्रण है, अपनी राजनीतिक सुरक्षा और व्यावसायिक संपन्नता के प्रति पूरी तरह से निश्चिंत और आश्वस्त हैं? इसके पीछे कोई तो कारण अवश्य होना चाहिए, जो देश की जानकारी में नहीं है और जनता को उसके प्रति चिंता भी व्यक्त करनी चाहिए. राहुल गांधी उस अज्ञात कारण को जानते हैं. इस यात्रा को उसी का परिणाम माना जाना चाहिए? सारे मणिपुर और कश्मीर लोकसभा चुनावों तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी समारोहों की राजनीतिक गूंज में सफलतापूर्वक दफ़्न कर दिए जाएं? क्या ऐसा कर पाना संभव हो पाएगा? विश्व-इतिहास में शायद पहली बार अनोखा प्रयोग हो रहा है कि एक तरफ़ तो एक अकेला इंसान जनता को न्याय दिलाने की आकांक्षा और संकल्प के साथ सड़कों पर निकला हुआ है और दूसरी ओर दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक मुल्क की हुकूमत ने अपनी समूची सामर्थ्य को सिर्फ़ इस काम में झोंक दिया है कि जनता को धर्म के नशे में इतना लीन कर दिया जाए कि वह यात्रा को देखने के लिए भी आंखें नहीं खोल पाए.

राहुल गांधी की महत्वाकांक्षी यात्रा जनता को अपने पैरों पर खड़े करने की कोशिशों की दिशा में एक लंबे समय तक के लिए आखिरी प्रयास मानी जा सकती है. कहा नहीं जा सकता कि देश के जीवन में इस तरह का क्षण आगे कब उपस्थित होगा ! मणिपुर से प्रारंभ हुई यात्रा की लोकसभा चुनावों के ठीक पहले मुंबई में समाप्ति के साथ राहुल गांधी का काम पूरा हो जाएगा. अपनी दो यात्राओं (दक्षिण में कन्याकुमारी से उत्तर में कश्मीर और पूर्व में मणिपुर से पश्चिम में मुंबई) के ज़रिए वे देश को अपना सब कुछ दे चुके होंगे! सवाल यह है कि क्या देश की जनता ने सोचना प्रारंभ कर दिया है कि राहुल गांधी उसके लिए क्या कर रहे हैं? क्यों चल रहे हैं? यात्रा का मकसद क्या है? यात्रा के क्या परिणाम निकलने वाले हैं? यात्रा की सफलता-असफलता में भारत का भविष्य कैसे छुपा हुआ है? अभी सोचा नहीं गया होगा कि राहुल गांधी अगर चलना बंद कर दें तो दूसरा कौन है जो चलने वाला है? इतने बड़े देश में क्या कोई और नज़र आता है जो भविष्य की किसी भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल के हाथ से लेकर मशाल अपने हाथों में थाम लेगा? राहुल की यात्रा की सफलता के लिए की जा रही प्रार्थनाओं के स्वर सत्ता-प्राप्ति के मंगलाचरणों में नहीं डूबने दिए जाने चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

पांच सद् मित्र

जैसा कि विश्व के विचारकों ने कहा है कि मानव एक सामाजिक प्राणी है. वह अकेला नहीं रह सकता, लेकिन जीवन में कई बार ऐसी नौबत आ जाती है, जब कोई साथ नहीं होता और अकेला रह जाता है. कुछ ऐसी ही परिस्थितियों में एक व्यक्ति नितांत ही अकेला पड गया था. उसके स्वजन, मित्र सभी ने उसका साथ छोड दिया. तकरीबन सभी ने उसके साथ विश्वासघात किया था.अकेलेपन ने उसका जीवन, विषाद से भर दिया था. विषाद एवम् अकेलेपन के निवारण हेतु वह एक विद्वान महात्मा के पास पहुंचा. उसने अपने नीरस जीवन और अकेलेपन की पीड़ा, महात्मा के समक्ष व्यक्त की. अंत में कातर स्वर में अपने अकेलेपन को दूर करने का उपाय बताने के लिए विनती की. महात्मा हंसते हुए बोले, 'यह तो बहुत ही सरल है. आप बस मेरे समान मित्रो का सर्कल बना लो, मेरे उन मित्रों के रहते, मुझे कभी अकेलापन महसूस नही हुआ. मेरे मित्र कभी भी धोखा नही देते. मेरे वे पांचो मित्र हमेशा साथ निभाते है.' उस व्यक्ति ने कहा, 'आप बहुत ही भाग्यशाली है, आपको ऐसे सच्चे स्नेही मित्र मिले! सभी का कहां ऐसा सौभाग्य होता है? सभी को, आपके मित्रों समान हितैषी मित्र मिल जाए, यह जरूरी भी तो नही.' व्यक्ति ने बड़ी उम्मीद से प्रश्न किया, 'क्या वे मेरे भी मित्र बन जाएंगे? क्या वे मेरा साथ भी निभाएंगे?' महात्मा ने कहा, 'ध्यान से सुनो, जिन पांच मित्रो की मैं बात कर रहा हूं, उनको मित्र बनाने के लिए तुम्हें भी मनोयोग से मेहनत करनी पड़ेगी, दृढ़निश्चय करना होगा. समर्पित मानस बनाना होगा, मित्रता का संकल्प लेना होगा. जब वे एक बार मित्र बन गए तो फिर सदैव के लिए साथ निभायेंगे. प्रतिक्षण सहायता को तत्पर रहेंगे.' उस व्यक्ति ने उत्साह से कहा, 'तब तो आप जल्दी से मुझे उन पांच मित्रों के नाम बताइए और वे कहां मिलेंगे ठिकाना बताइए. मुझे हरहाल में उनके साथ मित्रता करनी है.' महात्मा ने प्रसन्नता से उन पांच मित्रों के नाम बताए- प्रमाणिकता, सादगी, सच्चाई, स्पष्टवादिता, वचनबद्धता. और कहा, 'इनका ठिकाना है, अंतर्मन-वन मध्य, इन्द्रियविषय नामक झाड़ झंखाड़ के पीछे, निर्मल हृदयस्थल! उनसे शीघ्र साक्षात्कार कर और उन्हें अपना मित्र बना, तेरा अकेलापन काफूर हो जाएगा!' उस व्यक्ति को अपनी समस्या का समाधान सहज ही मिल गया.

तय हों समावेशी विकास की प्राथमिकताएं

• विकास

सुरेश सेठ

इन दिनों भारत की संपन्नता के जो आंकड़े देशवासियों के सामने प्रस्तुत हो रहे हैं, वे आशावाद से भरे हुए हैं. हाल ही में आई गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट बता रही है कि देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया में तीसरे नंबर पर है, जबकि अमेरिका सर्वाधिक अरबपतियों वाला देश है. यह भी तमाम विषम हालात में भी देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ी है. फिर भी 168 अरबपति भारत में हो गए हैं. लेकिन इस संपन्न धरती के निर्धन लोगों को कैसे भूलें? यही रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी ऐसी है, जिसकी कमाई 12000 रुपये प्रति माह तक ही है. यह सच है कि पिछले वर्षों में बड़ी कारों और बड़ी कोठियों की बिक्री ने छोटे घरों और छोटी कारों की बिक्री को कहीं पछाड़ दिया है. भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया. पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया. लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है. हम बार-बार कहते हैं कि भारत में अन्य देशों की तरह से महामंदी नहीं आएगी, लेकिन यहां खतरा पैदा हो गया है कि अगर वंचित और निम्न मध्यवर्ग जो देश की कम से कम आधी आबादी है, अगर उसकी मांग में कमी होती है तो उससे मंदी हमारे जरूरी उद्योगों और खेतीबाड़ी के आर्थिक द्वार पर दस्तक दे सकती है. इसीलिए वित्तमंत्री को भी चाहिए कि आने वाले अंतरिम बजट में कुछ न कुछ कदम ऐसे उठाने पड़ेंगे जिससे इस मुख्य वर्ग की उपभोक्ता मांग में कमी नहीं आएगी और हम मंदी से बचकर निकल जाएंगे. उम्मीद की जा रही है कि इन करोड़ों लोगों के हाथ में उपभोग के लिए कुछ पैसा छोड़ने के वास्ते शायद कर बोझ में कुछ कमी की जाएगी. लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भारत की उपलब्धियां कम हैं. 2014 में भारत दुनिया की आर्थिक शक्तियों में दसवें नंबर पर था, लेकिन आज वह पांचवें नंबर तक पहुंच गया है. चुनावी प्रचार के माहौल में घोषणा भी हो रही है कि 2027 तक हम जर्मनी और जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बन जाएंगे. यह निश्चय ही हमारी विकास यात्रा की एक महती उपलब्धि होगी और इसी के लिए भारतीयों को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने के लिए देश के कोने-कोने में आजकल विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है. हमने इंटरनेट, डिजिटल और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में उम्मीद से अधिक तरक्की की है. हमारा इसरो अंतरिक्ष विजय अभियान में अमेरिका के नासा से 21 है 19 नहीं. सबसे बड़ी बात कि इसरो की उपलब्धियां चाहे चांद विजय की हों या सौर विजय की, अथवा जैसे हम अभी सूर्य की थाह ले रहे हैं, वह बहुत ही किफायतशाली कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त इसरो की गतिविधियों का व्यवसायीकरण भी कर दिया गया है. तीसरी दुनिया के देशों से लेकर छोटे देशों के संचार उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का एक बड़ा व्यवसाय भारत के निजी क्षेत्र के सामने खुल गया है. लेकिन यहां कुछ चुनौतियां और भारतीय अर्थव्यवस्था की इस दौड़ में विसंगतियां भी हमें सचेत कर सकती हैं. पहली बात तो यह कि भारत की अर्थव्यवस्था समतावाद के लक्ष्य से कहीं छिटककर विषम व्यवस्था बन गई है. मोटे तौर पर कहा जाता है कि भारत के दस प्रतिशत धनी 90 प्रतिशत सम्पदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं और 90 प्रतिशत आबादी 10 प्रतिशत सम्पदा पर गुजारा कर रही है. नई शिक्षा नीति तो बन गई है, लेकिन आंकड़ाशास्त्री बताते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी एक बड़ी नौजवानों की आबादी दसवीं से पहले ही स्कूल छोड़ जाती है. देश में किसी कारगर रोजगार अथवा निवेश नीति के न होने के कारण बेरोजगारी बढ़ी है. देश के मुख्य धंधे खेती के क्रमशः अलाभकारी होते जाने के कारण इन नौजवानों के सामने देश से पलायन के अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं रह गया है. जरूरत इन प्राथमिकताओं को बदलने की है. देश के विकास और संपन्नता में सभी को साथ लेकर चलने की है. इसी को समावेशी विकास कहा जाता है, जो अकादमिक स्तर पर तो सच है, लेकिन यथार्थ के स्तर पर आज भी गरीब आदमी से कोसों दूर है. देश के वंचित वर्ग को दया की नहीं, बल्कि रोजगार की गारंटी भी चाहिए. तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था में स्वचालित उत्पादन प्रक्रिया के उत्साह के बावजूद लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को उनका उचित स्थान देकर ही यह गारंटी दी जा सकती है. इसी गारंटी के साथ ही नौजवानों का स्वाभिमान जुड़ा है, 80 करोड़ लोगों को उदार और रियायती राशन बांट कर नहीं.

> भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया. पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया. लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है.

कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय का दर्पण

• जयंती

विजय केसरी

जननायक कर्पूरी ठाकुर का झारखंड से बहुत ही गहरा लगाव था. उन्होंने झारखंड को समृद्ध बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान किया था. देश की आजादी के बाद सत्ता के शीर्ष पर बैठे नेतागण आदिवासियों को ठगते रहे थे. एकीकृत बिहार के मुख्यमंत्री बनने के बाद कर्पूरी ठाकुर झारखंड के आदिवासियों की सुध ली थी. वे आदिवासियों की योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए सीधे आदिवासी नेताओं और जनजाति समाज के लोगों से मिले थे. वे झारखंड को राजनीतिक तौर पर मजबूत बनाने के लिए सामाजिक न्याय के कई नए युवा चेहरे को सामने लाए थे. वे बिहार के पहले मुख्यमंत्री व नेता थे, जिन्होंने देश की आजादी के बाद सबसे अधिक बार झारखंड का दौरा किया था. सामाजिक न्याय और समाजवाद के पुरोधा जननायक कर्पूरी ठाकुर का संपूर्ण जीवन त्याग और बलिदान से ओतप्रोत है. वे छात्र जीवन से ही समतामूलक समाज के निर्माण के पक्षधर रहे थे. वे समाज में छोटे-बड़े, ऊंची-नीची जातिवाद के भेद को जड़ से मिटा देना चाहते थे. वे एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते थे, जिसमें न कोई छोटा हो, न कोई बड़ा हो. समाज में व्याप्त भेदभाव को वे बिल्कुल उचित नहीं मानते थे. वे कर्म के सिद्धांत को जीवन की वास्तविक पूंजी मानते थे. वे मेहनत कर धन उपार्जन पर विश्वास रखते थे. उन्हें बेईमानी और झूठ की बातों से सख्त नफरत थी. वे एक बार बिहार के उपमुख्यमंत्री और दो-दो बार मुख्यमंत्री रहे थे. उन्होंने बेईमानी का एक भी पैसा नहीं लिया और न ही अपने सहयोगियों को लेने दिया था. उनके इस स्वभाव से उनके साथ रहने वाले कई नेता बहुत दुःखी भी होते थे. उनके इस स्वभाव के कारण कई नेता उनका साथ छोड़ कर चले जाते थे. कर्पूरी ठाकुर ने कभी भी ऐसे लोगों की परवाह नहीं की थी. 1967 में जब बिहार में महामाया प्रसाद की सरकार बनी थी, उस सरकार में कर्पूरी ठाकुर उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे. वे उपमुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री का भी दायित्व संभाले हुए थे. शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने आठवीं तक की पढ़ाई निःशुल्क कर दी थी. मैट्रिक तक की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता को उन्होंने समाप्त कर दिया था. उन्होंने ऐसा इसलिए किया था कि समाज के पिछड़े बच्चे अंग्रेजी के कारण मैट्रिक पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं. जिस कारण पिछड़े विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते थे. ऐसा कर उन्होंने एक बहुत बड़ा कदम उठाया था. इस कदम की बिहार प्रांत सहित देश के कई हिस्सों में उनकी जमकर आलोचना हुई थी. लेकिन वे इससे बिल्कुल घबराए नहीं. ऐसा कर उन्होंने समतामूलक समाज निर्माण की दिशा में एक सार्थक पहल की थी. तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ जब जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति के आंदोलन का बिगुल चंहुओर बज रहा था, तब कर्पूरी ठाकुर देशभर में घूम घूम कर जनता के बीच इंदिरा गांधी का विरोध जमकर अपनी बातों को रख रहे थे. आपातकाल का उन्होंने जमकर विरोध किया था. देश से इमरजेंसी की समाप्ति की घोषणा के बाद जब केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी थी. तब बिहार में भी जनता पार्टी की सरकार बनी थी. बिहार विधानसभा के विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद कर्पूरी ठाकुर बिहार के मुख्यमंत्री बने थे. इस पद पर रहते हुए उन्होंने गरीबों, अति पिछड़े वर्ग के लोगों को न्याय देने के लिए आरक्षण की घोषणा की थी. कर्पूरी ठाकुर के इस कदम का पूरे राज्य में जमकर विरोध हुआ था, लेकिन वे अपनी इस घोषणा पर अटल रहे थे. समाज के दलित, अति पिछड़े वर्ग और गरीबों को आरक्षण के रूप में एक वरदान मिल गया था. अब वे आरक्षण के माध्यम से सीधे सरकारी नौकरियों में जा सकते थे. मुख्यमंत्री पद पर रहकर भी उनके आचार-विचार और व्यवहार में कोई भी तब्दीली नहीं हुई थी. उनका मुख्यमंत्री आवास चौबीसों घंटे जरूरतमंदों के लिए खुला हुआ रहता. वे जिस समाजवाद का समतामूलक समाज के निर्माण का झंडा लेकर आगे बढ़ रहे थे, इनके रूप रंग से स्पष्ट रूप से झलक रहे थे. वही साधारण कुर्ता-धोती, पुराना चप्पल और बिखरे बाल उनकी सादगी को परिभाषित करता था. मुख्यमंत्री बनने से पूर्व उनका जो रहन-सहन था, वही रहन सहन मुख्यमंत्री बनने के बाद भी रहा था. मुख्यमंत्री रहते हुए विधायकों के लिए सरकारी जमीन आवंटित की जा रही थी. उनके कई विधायक गण उन्हें जमीन ले लेने की बात कही थी. लेकिन उन्होंने सरकारी जमीन लेने से मना कर दिया था. वे देश के पहले मुख्यमंत्री थे, जिनके पास अपना निजी कार नहीं था. और ना ही बहुमंजिला मकान था.

> कर्पूरी ठाकुर ने कभी भी ऐसे लोगों की परवाह नहीं की थी. 1967 में जब बिहार में महामाया प्रसाद की सरकार बनी थी, तब कर्पूरी ठाकुर उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे. वे उपमुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री का भी दायित्व संभाले हुए थे. शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने आठवीं तक की पढ़ाई निःशुल्क कर दी थी. मैट्रिक तक की परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता को उन्होंने समाप्त कर दिया था.

मीडिया में अन्यत्र

वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा

गाजा में गत वर्ष 7 अक्टूबर को हमास-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ता विवाद वैश्विक स्थिरता और वृद्धि की निरंतरता के लिए खतरा उत्पन्न कर रहा है. ईरान और पाकिस्तान द्वारा एक दूसरे के क्षेत्र में मिसाइल हमलों ने शत्रुता बढ़ा दी है. इस लड़ाई में ईरान की बढ़ती भूमिका ने गाजा युद्ध की छाप को इराक, सीरिया, लेबनान और पाकिस्तान तक विस्तारित कर दिया है. इस माह के आरंभ में ईरान-समर्थित इजरायल विरोधी यमन के हूती विद्रोहियों ने विश्व व्यापार को अस्थिर कर दिया. उन्होंने यूरोप-दक्षिण पूर्व एशिया के समुद्री मार्ग पर अप्रत्याशित हमले किए. वैश्विक व्यापार का 12 फीसदी इसी मार्ग से होता है. हमलों की वजह से नौवहन कंपनियों को अपने पोतों को लंबे रास्ते से भेजना पड़ रहा है, जिससे एक महीने से भी कम समय में उनकी लागत दोगुनी से अधिक बढ़ गई है. सप्ताहांत के दौरान इजरायल ने दमिश्क पर मिसाइल हमला किया, जिसमें तीन ईरानी रिवॉल्युशनरी गार्ड्स की जान चली गई, लेबनान में स्थित और ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह पर हुए हमले में भी एक व्यक्ति की जान चली गई. शनिवार को इराक में ईरान समर्थित समूहों ने एक अमेरिकी एयर बेस पर मिसाइल और रॉकेट हमले किए, जिसमें कई अमेरिकी घायल हो गए. कुछ गंभीर रूप से घायल हुए. संक्षेप में कहें तो इस क्षेत्र में खतरा बढ़ रहा है. समस्या के मूल में इस संघर्ष के प्रमुख कारकों की हठधर्मिता जिम्मेदार है. अक्टूबर में हमास के हमले के बाद गाजा में इजरायल ने जो प्रतिकार किया उसके शिकार आम नागरिक भी हुए. इस बात की संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया भर में आलोचना भी हुई. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन राजनीतिक रूप से कमजोर है, जिससे वह अधिक चरमपंथी तत्त्वों के समक्ष और कमजोर हुए हैं. इस तेजी से बदलती स्थिति में भारत ने पारंपरिक कूटनीतिक रुख कायम रखा. पाकिस्तान के बलूच इलाके में जैश अल अदल नामक आतंकी समूह के ठिकानों पर ईरान के मिसाइल हमले की आतंकवाद से आत्मरक्षा के रूप में उठाए गए कदम मानने की आधिकारिक प्रतिक्रिया भारत के आतंकवाद के खिलाफ रुख का ही समर्थन है. परंतु वैश्विक नौवहन के समक्ष उत्पन्न खतरे को अभी समाप्त किया जाना है. अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम की नौसेनाओं ने हूती ठिकानों पर हमला किया, लेकिन लगता नहीं कि इस मार्ग पर वैश्विक नौवहन जल्दी बहाल हो पाएगा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भरना/भरनि/भरनी

मैंने मोटर चला दिया है. तुम्हें पानी भरना है तो भर लो, नहीं भरना है तो जाओ. इस बात में अगर किसी शब्द पर अधिक जोर दिया गया है तो वह है भरना. भरना शब्द का प्रयोग इसी प्रकार सकर्मक क्रिया के रूप में होता है. सकर्मक क्रिया उसे कहते हैं, जिसके साथ कर्म घनिष्ठता पूर्वक जुड़ा होता है. जैसे पानी भरना. यहां भरना क्रिया है और पानी कर्म. हिंदी शब्द सागर के अनुसार भरना का मतलब है किसी रिक्त पात्र में कोई पदार्थ इस प्रकार डालना, जिससे वह पूर्ण हो जाये, खाली जगह को पूरा करने के लिए कोई चीज डालना या रखना, पूर्ण करना, जैसे लोटे में पानी भरना, गड्ढे में मिट्टी भरना, गाड़ी में माल भरना, तकिए में रुई भरना, उड़ेलना, रिक्त स्थान को पूर्ण अथवा अंशतः पूर्ति करना, स्थान को खाली न रहने देना. जुलाहे नली में सूत भरते हैं, तस्वीर में रंग भर दिया जाता है. दो पदार्थों के बीच के खाली जगह को कुछ डालकर बंद करना, इस क्रिया में दो बात होती है. एक तो आप भर देते हैं और दूसरा भर जाता है. आप जो भर देते हैं वह सकर्मक क्रिया है और जो भर जाता है वह अकर्मक. अकर्मक क्रिया के रूप में भरना शब्द का अर्थ है किसी रिक्त पात्र का किसी पदार्थ पड़ने भर जाना. जैसे आपका पेट खाली था, लेकिन भोजन करने के बाद भर गया. इस भरना का मतलब है दो स्थानों के बीच का छिद्र या अवरोध का बंद हो जाना, कर्ज का खत्म हो जाना, जैसे कहते हैं-मैंने कर्ज भर दिया, चेचक के दानों का शरीर में निकल जाना. भरनि भी एक शब्द है, जिसका मतलब है पोशाक, कपड़े-लत्ते,. इससे मिलता जुलता शब्द है भरनी, जिसका अर्थ है करघे की ढरकी, नार, खेतों में बीज आदि बोने की क्रिया, खेतों में पानी देने की क्रिया, सिंचाई, छछूंदर, मोरनी, गारुड़ी मंत्र, एक प्रकार की जंगली बूट और भरणी नक्षत्र.

व्यक्तित्व की पहचान है मोबाइल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

एक मनोवैज्ञानिक हुए हैं, कार्ल युंग. उन्होंने वर्षों-वर्ष रिसर्च के बाद मनुष्य के दो प्रकार बताए, बहिर्मुखी और अंतर्मुखी. जो इनमें से किसी कोटि में नहीं आता, उसे उन्होंने उभयमुखी कह दिया. मानो बड़ी रियायत कर रहे हों. बहरहाल, आदमी के न जाने कितने रूप विद्वानों ने गिनाए पर कोई पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया. इधर एक शोध के अनुसार मोबाइल इस्तेमाल करने वालों की कुछ किस्में परिंदों के नाम से परिभाषित की गई हैं. इसके अनुसार कुछ लोग "बतासी" कहे गए हैं जो बतासी पक्षी की तरह मोबाइल पर हर समय चहचहाते रहते हैं. लेकिन कुछ "घुग्घू" क़िस्म के लोग भी होते हैं जो मजबूरी की हालत में ही मोबाइल को हाथ लगाते हैं. "फाक्ता" क़िस्म के वे लोग हैं जो अमन-पसंद और तमीज़दार होते हैं. वे अपने मोबाइल का कभी दुरुपयोग नहीं करते पर जहां ज़रूरी होता है उसे इस्तेमाल किए बिना भी नहीं रहते. "गौरैया" क़िस्म के मोबाइली परिंदे जनसंपर्क बनाए रखने में विश्वास रखते हैं. चिड़िया (गौरैया) की तरह उनकी घर-घर पैठ होती है और इसे बनाए रखने के लिए उन्हें मोबाइल की आवश्यकता सदैव बनी रहती है. "तेलियर" पक्षी चिकना-चुपड़ा होता है और अपनी तेज़ आवाज़ के लिए जाना जाता है. जो लोग अपने मोबाइल पर चीखते चिल्लाते रहते हैं और आक्रामक भाषा का उपयोग करते हैं "तेलियर" की कोटि में आते हैं. मोबाइल परिंदों में एक क़िस्म "मोर" की भी है, ये लोग मोबाइल का इस्तेमाल मोर की खूबसूरत कलगी की तरह करते हैं. मोबाइल उनके शरीर पर कहीं न कहीं एक सुंदर पंख की तरह झलकता रहता है. अब ज़माना बहुत आगे बढ गया है. यह मोबाइल नहीं स्मार्ट-फोन का ज़माना है. क्या आप के पास आई-फोन, ब्लैकबेरी या एड्रायड में से कोई मोबाइल है? यदि नहीं है तो आपका शुमार व्यक्तित्व के धनी लोगों में हो ही नहीं सकता. हाल ही के एक अध्ययन में यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो चुकी है. अध्ययन के अनुसार आई-फोन इस्तेमाल करने वाले लोग काफी अधिक ख़र्चीले होते हैं. वे अपने व्यक्तित्व को लेकर बहुत सजग होते हैं. कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर खूब खर्च करते हैं. इनमें ब्लैकबेरी रखने वाले अपने रिश्तों को क़ायम रखने के प्रति काफी संजीदा होते हैं. उनका सामाजिक जीवन भी बेहतर होता है. अपने साथियों और दोस्तों के साथ उनके भावनात्मक संबंध रहते हैं. लेकिन ऐंड्रायड फोन का उपयोग करने वाले अधिक औपचारिक होते हैं और शिष्टाचार भर निभाते हैं.

झारखंड में हुनर की कीमत और रोजगार की गारंटी नहीं

लोगों ने कहा

- बाहर जाकर काम करना हमारी मजबूरी है
- नियमित काम और उसके उचित पैसे नहीं मिलते

झारखंड में पलायन बड़ी समस्या बनती जा रही है. आने वाले दिनों में यह समस्या और भी विकराल रुप ले सकती है. इस समय न सिर्फ पढ़े-लिखे बल्कि मजदूरी करने वाले लोग बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों में जाकर काम कर रहे हैं. उनका कहना है कि दूसरे राज्यों में काम करना हमारी मजबूरी है. कौन चाहता है घर परिवार से दूर रहना. अगर राज्य में ही नियमित काम और उसके उचित पैसे मिल जाते तो बाहर क्यों काम करने जाते. अपनी पीड़ा साझा करते हुए वे कहते हैं कि यहां भविष्य की बहुत चिंता रहती है. हमलोगों को यहां भविष्य सुरक्षित नहीं लगता. राज्य सरकार भी इस दिशा में प्रयास नहीं कर रही है. सिर्फ मनरेगा के पैसे से काम नहीं चल सकता. अगर रोजगार सृजन होता रहे, फैक्ट्रियां लगती और चलती रहती तो बाहर काम करने क्यों जाते. गौर करने वाली बात यह है कि झारखंड में इस समय पढ़े-लिखे और मजदूर वर्ग के लिए सरकारी स्तर पर रोजगार की दिशा में कोई काम नहीं हो रहा है. दावे जरुर किए जाते हैं, पर वे धरातल पर नजर नहीं आते हैं. इस समय पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, चेन्नई, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में झारखंड के पुरुष और महिला मजदूर ईंट भट्ठों, फैक्टरियों, होटलों, दुकानों, खेतों तथा निजी घरों में बड़ी संख्या में काम कर रहे हैं. शुभम संदेश की टीम ने इस संदर्भ में विभिन्न जिलों में लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट...

दूसरे राज्यों व महानगरों में बड़ी संख्या में काम करते हैं झारखंड के मजदूर

जमशेदपुर

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी कर रही हैं राज्य से पलायन

रोजगार की तलाश में पलायन का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है. हर रोज जिले के अलग–अलग जगहों से लोग रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं. इसमें अधिकतर गांव के युवा वर्ग शामिल है. इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी काम की तलाश में पलायन कर रही हैं. अपने क्षेत्र में काम न मिलना और काम के बदले कम पैसे मिलने से परेशान युवा दूसरे राज्यों में जाकर काम करना ज्यादा पसंद करते हैं. कई लोग आज भी आस में हैं कि उनके लिए सरकार कुछ बेहतर स्कीम लाएगी जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके.

कोई भी छोटा-मोटा काम करने को तैयार हैं : सन्नी

रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी का रहने वाला सन्नी कुमार साहू पढ़ाई खत्म करने के बाद पिछले कई दिनों से रोजगार की तलाश में है. लेकिन उसे अब तक कोई काम नहीं मिला. उसने अपने दोस्तों व रिश्तेदारों के माध्यम से भी काम की तलाश की ,लेकिन बात नहीं बनी. परेशान सन्नी अब किसी भी तरह का काम करने को तैयार है, फिर वो चाहे वह सिक्युरिटी गार्ड का काम हो या कोई निजी कंपनी में मजदूर का. सन्नी का कहना है कि सरकार उनके लिए कोई व्यवस्था करे ताकि उन्हें भी रोजगार मिले.

नौकरी के लिए इधर-उधर भटक रहा हूं : राहुल झा

बागबेड़ा गुदड़ी मार्केट निवासी राहुल कुमार झा के अनुसार उसके पास कोई स्थाई काम नहीं है. छोटी–मोटी नौकरी कर वह अपना और अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है. परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसके सिर पर है. छोटे भाई को पढ़ाने से लेकर घर का राशन तक उसे ही लाना पड़ता है. रोजगार का कोई बेहतर विकल्प नहीं होने के कारण उसे भविष्य को लेकर चिंता होती है. कई जगह नौकरी के लिए अप्लाई किया पर कोई सफलता नहीं मिली.

कर्ज लेकर शुरू किया था धंधा, डूब गया : सूरज

हरहरगुट्टू के सूरज शर्मा ने बताया कि उसने कर्ज लेकर अपना धंधा शुरू किया था, लेकिन वह भी डूब गया. इसके बाद अपने शहर में कई जगह नौकरी की तलाश की लेकिन नौकरी नहीं मिली. अब वह भी दूसरे राज्य में जाकर नौकरी करना चाहता है ताकि अच्छी कमाई हो सके और वह अपने घर–परिवार का सहारा बन सके. सूरज के अनुसार झारखखंड में नौकरी नहीं मिलने की वजह से लोग बाहर जाने को मजबूर है.

झरिया

दूसरे राज्य में काम करने की मजबूरी : विपिन कुमार

चार नम्बर टैक्सी स्टैंड झरिया निवासी सुनील राम का 25 वर्षीय पुत्र विपिन कुमार ने बताया कि मैं पिछले 9 वर्षों से झारखंड के बाहर काम करता आ रहा हूं. मैं आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में पिछले 9 वर्षों से बावर्ची का काम कर रहा हूं. मैंने जब काम शुरू किया था तो जिस काम के मुझे झरिया में 500 रुपये मिलते थे, उस काम का मुझे चेन्नई में 3500 रुपये मिलने लगे थे. इसके बाद मुझे मजबूरन न चाहते हुए भी दूसरे राज्य में काम करने के लिए जाना पड़ा. आज मैं विशाखापत्तनम के एक नामचीन होटल में बावर्ची का काम करता हूं. जहां मुझे होटल की ओर से खाने–पीने और रहने की व्यवस्था दी गई है. जहां 24 हजार रुपये महीने और महीने में चार दिन की छुट्टी मिलती है, यदि मैं छुट्टी में भी काम करूं तो मुझे चार दिन के ओवर टाइम के लिए 4 हजार रुपये मिल जाते हैं.

घर की स्थिति खराब थी बाहर जाना पड़ा : छोटू महतो

टीना गोदाम झरिया (धनबाद) निवासी स्वर्गीय ईश्वर महतो के पुत्र 22 वर्षीय छोटू महतो ने बताया कि वह तीन भाई व तीन बहनों में सबसे छोटा भाई है. छोटू महतो ने बताया कि बचपन में ही हमारे पिताजी ईश्वर महतो दिवंगत हो गए थे. इसके बाद घर की आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई थी. घर मे मम्मी– भाई बहन सभी को खाने–पीने के लिए भी काफी दिक्कत होने लगी. इसके बाद हमें काम करने के लिए दूसरे राज्य का रास्ता चुनना पड़ा. इस दौरान हमने झरिया धनबाद में नौकरी की तलाश की, लेकिन नहीं मिल पाया. जिस कारण पिछले 5–6 वर्षों से मैं केरल के एक लोहा का सरिया बनाने वाली कंपनी में काम कर रहा हूं. क्योंकि मुझे घर में भी देखभाल करनी पड़ती है तो मैं 6 महीना केरल में काम करता हूं.

धनबाद

स्थायी नौकरी नहीं मिलने पर बाघमारा के युवा कर रहे पलायन

कोयलांचल के बाघमारा क्षेत्र में रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों में युवाओं का पलायन जारी है. युवाओं ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से अधिक खनिज झारखंड में है. इसके बाद भी इस राज्य में रोजगार की घोर कमी है. सरकारी विभागों में स्थाई नौकरी है नहीं, निजी कंपनियों में रोजगार है भी तो 10, 12 हजार से अधिक पगार नहीं है. व्यापार के लिए बैंकों से लोन लेने में चप्पल घीस जाता है, लेकिन लोन नहीं मिलता है. ऐसे में दूसरे राज्यों में पलायन के अलावा हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है. दूसरे शहरों में मेहनताना भी अधिक मिलता है और समय पर मिलता है.

झारखंड में काम नहीं मिला, इसलिए बाहर गया मेरा बेटा : सीताराम साव

बाघमारा, हरिना निवासी चंदन कुमार साव (उम्र 20 वर्ष) के पिता सीताराम साव ने बताया कि मेरा बेटा अभी कोलकाता में एक निजी कम्पनी में सुपर वाइजर के पद पर कार्यरत हैं. झारखंड में काम नहीं मिला, इसलिए उसे बाहर भेजना पड़ा. स्थाई नौकरी तो यहां सपना हो गया है, निजी कंपनियों में काम मिल भी जाए तो पगार बहुत कम है, इसलिए बाहर जाना मजबूरी है. नहीं तो कोन अपना गांव घर छोड़कर बाहर जाना चाहता है.

धनबाद में कम पैसे मिलते थे, इसलिए बाहर काम करने चला गया: कुलदीप साव

विशाल कुमार साव (उम्र 26 वर्ष) के पिता कुलदीप साव ने बताया कि हमलोग मूल रूप से बगोदर के रहने वाले हैं. मेरा बेटा महाराष्ट्र के पुणे में टाटा मोटर कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं. अपने घर के आसपास काम तलाशने पर इतना कम पैसा मिल रहा था जिससे घर चलाना मुश्किल हो रहा था. जिस कारण बेटे को बाहर का रुख करना पड़ा. झारखंड में तो जिसको मौका मिला, सिर्फ अपना पेट भरने में जुट गया. यहां सबकुछ ठीक रहता तो बाहर बेटा क्यों जाता?

रोजगार के अभाव में पलायन कब रुकेगा, कब होंगे हमारे झारखंड के शहीदों के सपने साकार

राम कुमार पांडेय । कतरास

रोजगार की तलाश में बाघमारा प्रखंड के कतरास, बाघमारा, महुदा, तेतुलामारी,सोनारडीह, मधुबन, बरोरा सहित इलाके के गांव देहात ही नहीं बल्कि शहरों से भी लोग महानगरों की ओर पलायन करने को विवश हैं. गांव देहात शहर के कम पढ़े-लिखे लोगों के साथ पढ़े लिखे युवा भी बेरोजगारी के कारण रोजगार की तलाश में अपना घर बार छोड़कर दूसरे प्रदेश जा रहे हैं . इलाके में उद्योग कल कारखाना व रोजगार के संसाधन न होने से इलाके में रोजगार का संकट बना हुआ है .साथ ही कम मजदूरी और समय पर भुगतान न होना भी पलायन का कारण है. पलायन के सामने शासन प्रशासन द्वारा चलाई जा रही मनरेगा सहित अन्य योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही है. लोग रोजी रोटी की की तलाश में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत, नागपुर, रायपुर, हैदराबाद सहित अन्य महानगरों की ओर रोजाना पलायन कर रहे हैं. बावजूद इलाके के विधायक, सांसद इस पलायन को रोकने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर पा रहे हैं. जानकारी के अनुसार बाघमारा प्रखंड का एक भी इलाका अछूत नहीं है, जहां से लोग रोजगार की तलाश में दूसरे प्रदेश नहीं जा रहें हैं.

सवाल यह है कि जिस सपनों के साथ झारखंड के शहीदों ने एक बड़ी लड़ाई लड़ कर झारखंड को राज्य का दर्जा दिलाया. झारखंड स्थापना के दो दशक से अधिक समय बीत गए, लेकिन आज भी झारखंड के लोग रोजगार के तलाश में दूसरे प्रदेशों में पलायन को मजबूर हैं. इस स्थिति में आखिर शहीदों के सपनों को कैसे पूरा किया जा सकता है. इस दिशा में राज्य सरकार के मंत्री, सांसद और विधायक को गंभीरता से चिंतन करने की जरुरत है.ताकि पलायन रुके और लोगों को अपने राज्य में ही रोजगार के साधन उपलब्ध हो सके.

कतरास

खर्च चलाने के लिए सिर्फ पलायन ही एक रास्ता है : उज्ज्वल कुमार

कतरास सलेक्ट निवासी उज्ज्वल कुमार ने कहा कि जब वहां रोजगार नहीं मिला तो मजबूरी में अपना गांव घर परिवार छोड़ कर सूरत आना पड़ा. सूरत आमरोली में रहकर मैं वहां मजदूरी का काम कर रहा हूं . वहांसतो रोजगार जरुर मिला,पर हर हमेशा अपने घर परिवार की याद सताती रहती है .यहां बिलकुल अकेलापन महसूस होता है .लेकिन कर भी क्या सकते हैं. घर परिवार का खर्च चलाने के लिए पलायन ही एक रास्ता मेरे पास बचा था.

अपने प्रदेश में रोजगार मिलता तो बाहर क्यों जाते हम : रवि राम

कतरास रवि राम सूरत में रहकर दैनिक मजदूरी का काम करते हैं. उन्होंने कहा कि रोजी रोटी की तलाश में सूरत जाना पड़ा. अगर हमें अपने प्रदेश में ही रोजगार मिल जाता तो इतनी दूर घर परिवार को छोड़कर दूसरे प्रदेश क्यों जाते .नेताओं को सिर्फ हमलोगो के वोट से मतलब है .वोट के समय नेता दरवाजे पर आकर वोट मांगते हैं ओर जीत जाने पर रोजगार देने का बात जरूर करते हैं . लेकिन वोट ख़त्म होते ही नेताओं के दर्शन नहीं होते हैं.

मजदूरी कर किसी तरह घर-परिवार की गाड़ी खींच रहे हैं : शोभा देवी

कतरास निवासी शोभा देवी ने कहा कि बेरोजगारी के कारण मेरे पति सुंदर साव घर परिवार छोड़ कर करीब दस वर्षों से गुजरात में रह कर काम कर रहे हैं .जब उसके कमाई से घर का काम नहीं चलने लगा तो मजबूरी में दो वर्ष पूर्व अपने बेटा राजू कुमार को काम करने सूरत भेज दिए . बाप बेटा प्रदेश में रहकर दिन रात मेहनत मजदूरी कर किसी तरह घर की गाड़ी खींच रहे थे .अगर यहां रोजगार उपलब्ध होता तो उनलोगो को अपने राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ता.

मेदिनीनगर

उचित मजदूरी नहीं मिलती इसलिए बाहर जाते हैं: रविंद्र

रविंद्र कुमार हुसैनाबाद के रहने वाले हैं. वह हाल भी में कर्नाटक के मालखेड़ में काम कर पलामू स्थित अपने घर कर लौटे हैं. इनका कहना है कि हम लोगों को घर पर ही कि रोजगार मिले तो बाहर क्यों जाएंगे. हम लोग की जिाकर क्यों काम करेंगे. बाहर जाकर काम करना. झारखंड में उद्योग धंधे नहीं लग रहे हैं. जिससे हम जैसे युवा बेरोजगार हैं. अगर हम लोग बाहर के प्रदेशों में जाकर काम नहीं करेंगे, तो परिवार का भरण पोषण कैसे होगा. साथ ही हम लोग को झारखंड में अपने हुनर की उचित कीमत नहीं मिल पाती है. वैसे भी यहां हर दिन मजदूरी नहीं मिलती है. इसलिए हम लोग बाहर के प्रदेशों में जाकर काम करते हैं . ताकि हम लोग के परिवार का भरण पोषण ठीक से हो सके. हम लोग भी चाहते हैं कि झारखंड की धरती पर ही अपने घर के नजदीकी कम करें. ताकि अपने परिवार के साथ ही रहे और यहां काम करें. लेकिन हम लोगों को झारखंड में रोजगार के साथ–साथ उचित मजदूरी नहीं मिलती है. यही कारण है कि हम लोग इतनी दूर जाकर काम करते हैं.

हजारीबाग

दिल्ली रहकर मजदूरी करते हैं अच्छी कमाई है : अमित कुमार

सदर प्रखंड के ओरिया निवासी अमित कुमार ने बताया कि दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं .जहां 500 से लेकर 800 रुपए तक प्रत्येक दिन की कमाई होती है. ऐसे में अपने जिला में रहना तो चाहते हैं पर पैसा कम मिलता है. 300 रुपया मजदूरी मिलती है. हर दिन काम भी नहीं मिलता है .यहां तक कि मनरेगा की मजदूरी भी कम है. इसलिए दिल्ली में रहते हैं. राज्य सरकार को रोजगार देने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करना चाहिए. उनका यह भी करना है कि शहर में कल– कारखाने भी नहीं लगे हैं. जहां काम करने का मौका मिले . इसे देखते हुए पलायन करना मजबूरी हो जाता है.

यहां नौकरी नहीं, मुंबई में टैक्सी चलाते हैं : दिलीप राम

दिलीप राम ने बताया कि आर्थिक दृष्टि से बहुत तंगी रहती है. हजारीबाग शहर में 4000 से 5000 की नौकरी मिलती है. ऐसे में पांच लोगों के परिवार को चलाना मुश्किल है. इसके लिए मुंबई में जाकर टैक्सी चलाते हैं. जहां अच्छी कमाई होती है .पूरे परिवार का भरन पोषण अच्छे से हो जाता है. उनका यह भी कहना है कि अगर अपने घर गांव में रोजगार मिल जाए तो पलायन करने की आवश्यकता नहीं होगी. शहर में महीने भर काम करने के बाद भी वेतन भुगतान करने के समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. वेतन भी कम रहता है. हजारीबाग शहर की बात की जाए तो रोजगार का कोई दूसरा साधन भी नहीं है. ऐसे में पलायन करना मजदूरों की मजबूरी है.

झारखंड सरकार रोजगार मुहैया कराने में उदासीन : इसरायल

चौपारण के भदेल निवासी इसरायल ने बताया कि झारखंड सरकार को मजदूरों के हित में रोजगार मुहैया कराई जाने में उदासीन है .अपने यहां रोजगार के साधन नहीं रहने के कारण अपना ओर अपने परिवार के जीविकोपार्जन के लिए मजदूरों को दूसरे प्रदेश जाकर रोजीरोटी के लिए परिवार से अलग बाहर जाना पड़ता है. झारखंड मे हम मजदूरों को रोजगार के लिये काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. रोजगार और उचित साधन नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है. सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं. योजना का लाभ लेने के बावजूद भी क्षेत्र में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है अगर दुकान भी खोली जाती है तो उचित कमाई नहीं हो पाती है और बोझ बढ़ता चला जाता है. वहीं प्रदेश में रोजगार की कमी नहीं है और वेतन भुगतान भी अच्छा हो जाता है .

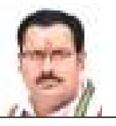

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धन प्राप्ति सुगम होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. निवेश, यात्रा व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे.

वृषभ निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें.

मिथुन समय अच्छा है. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है.

कर्क पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. उतार-चढ़ाव बना रहेगा. राहु को शांत करने का प्रयास करें.

सिंह उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. आपके थोड़े ही प्रयास से भाग्य का साथ मिलेगा. प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी. घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी.

कन्या पिता के सहयोग में कार्य में लाभ होगा और इसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. भाई-बंधुओं का सहयोग प्राप्त होगा.

तुला भाग्य का साथ मिलेगा. तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी. कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं.

वृश्चिक कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा. अतिविश्वास हानि देगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

धनु मित्रों व संबंधियों के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

मकर बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें.

कुंभ परीक्षा व प्रतियोगिता में लाभ की स्थिति निर्मित होगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सामाजिक कार्य में रुचि बढ़ेगी.

मीन समय सामान्य है. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. सुख में कुछ कमी होगा. अन्न का दान करें.

पेज 01 का शेष

20 लाख लोगों को अबुआ...

इसमें आठ लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया था. इसकी सूची पोर्टल में भी अपलोड कर दी गई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने गरीबों का आवास स्वीकृत नहीं किया. इसलिए राज्य सरकार ने अपने दम पर अबुआ आवास बनाने का फैसला लिया.

राम मंदिर के नाम पर ...

राहुल गांधी का कहना था कि कि सीएम हिमंत विश्व शर्मा के धमकाने वाले कदमों से वह डरने वाले नहीं हैं. यह पूछे जाने पर कि राम लहर का मुकाबला करने के लिए उनके पास क्या योजना है, तो कांग्रेस नेता ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है कि लहर है. यह भाजपा का राजनीतिक कार्यक्रम था. मोदी जी ने फंक्शन किया, शो किया. वो सब ठीक है, अच्छी बात है.

कांग्रेस का चुनाव को लेकर एजेंडा तैयार.....

राहुल ने बताया, हमारी न्याय की लड़ाई के 5 स्तंभ हैं. युवा न्याय, भागीदारी न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय और श्रमिक न्याय. ये वे पांच न्याय हैं जो मुट्ठी बन कर देश की ताकत बनेंगे और हमारी भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश के समक्ष इस वैकल्पिक विजन को रखने का माध्यम है. वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, आज भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 10वें दिन गुवाहाटी के पास राहुल गांधी ने न्याय के पांच स्तंभ बताए. इनमें से हर एक को कार्ययोजना के साथ अगले कुछ हफ़्तों में देश के सामने पेश किया जाएगा.

राहुल गांधी एफआईआर को लेकर क्या बोले......

असम में एफआईआर के आदेश पर राहुल गांधी ने कहा कि इससे हमें फायदा हो रहा है. उन्होंने कहा, 'असम के सीएम जो कर रहे हैं उससे यात्रा को फायदा मिल रहा है. हमारा प्रचार हो रहा है. इस तरह सीएम और गृह मंत्री अमित शाह हमारी मदद कर रहे हैं. ये डराने की कोशिश है, लेकिन डरने वाले नहीं है. लोग बोल रहे हैं कि बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा गुवाहाटी में जा सकते हैं, तो राहुल गांधी क्यों नहीं जा सकते?' राहुल गांधी ने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा देश के सबसे भ्रष्ट सीएम हैं. यहां काफी बेरोजगारी है.

आदिवासी एकता महारैली : तैयारी अंतिम चरण में, मुख्य अतिथि होंगे आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजीराव मोघे

आदिवासी मुद्दों के साथ समझौता कभी नहीं, हम लड़ेंगे और जीतेंगे भी : बंधु

विशेष संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष एवं समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि आदिवासियों से जुड़े मुद्दे पर कभी भी किसी भी हाल में समझौता नहीं हो सकता. आदिवासियों की ज्वलंत समस्याओं पर गंभीर आदिवासी संगठन और समान विचारधारा के लोग एवं संगठन न केवल लड़ेंगे बल्कि वह निश्चित रूप से जीतेंगे भी. इस महारैली में मुख्य अतिथि आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजीराव मोघे होंगे. इसके साथ ही गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राठवा के साथ अनेक गणमान्य नेताओं ने इस विमोचन समारोह में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर दी है. ये बातें तिर्की ने अपने आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

महारैली में गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राठवा भाग लेंगे

आदिवासियों की समस्याओं से जुड़े मसौदे का लोकार्पण आज

उन्होंने कहा कि आदिवासी जनाधिकार मंच द्वारा अगले 4 फरवरी 2024 को आयोजित आदिवासी एकता महारैली में आदिवासियों के ज्वलंत मुद्दों, समस्याओं और उनकी वर्तमान परिस्थितियों के सन्दर्भ से संबंधित विशेष मसौदे का लोकार्पण 24 जनवरी को ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान के मंच पर इस महारैली के संयोजकों द्वारा विमोचन किया जाएगा. महारैली की तैयारी अंतिम चरण में है और इसमें भाग लेनेवाले लोगों के स्वागत में झारखंड के स्वतंत्रता सेनानी, वीर आंदोलनकारी और झारखंड की 23 विभूतियों के नाम पर तोरण द्वार का निर्माण किया जाएगा.

सरना धर्म कोड सभी आदिवासियों की प्रमुख मांग, बरगला रही भाजपा

उन्होंने कहा कि सरना कोड सभी आदिवासियों की मांग है लेकिन भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और दक्षिणपंथी संगठनों के साथ ही अनेक नेताओं द्वारा केवल और केवल चुनाव के दृष्टिकोण से मुद्दे को भटकाया और भड़काया जा रहा है. जो भी उन्हें जानते हैं उन्हें अच्छी तरीके से पता है कि अपने पूरे राजनीतिक जीवन में उन्होंने बिना किसी भेदभाव के राजनीति की है लेकिन आदिवासियों के मुद्दे पर हमेशा मुखर रहे और वहां कोई समझौता नहीं हो सकता.

स्थानीयता, पेस आदि विभिन्न आदिवासी मुद्दों पर केंद्रित है यह महारैली

उन्होंने कहा कि झारखंड की स्थानीयता, पेसा, पांचवी अनुसूची, सीएनटी एक्ट, एसपीटी, जल, जंगल और जमीन के बचाव के साथ ही उन्होंने किसी भी आदिवासी और मूलवासी मुद्दे पर कभी भी कोई समझौता नहीं किया और ना ही करेंगे. तिर्की ने कहा कि राज्य में आदिवासियों की 32 जनजातियों के साथ ही, आदिवासी हितों के प्रति समर्पित सभी लोगों को विशेष रूप से एकजुट होकर, सरना कोड और अपनी समस्याओं को मुखरता से सामने रखना चाहिए और जीतने के लिए अपना पूरा प्रयास करने की जरूरत है.

मतभेद पैदा कर राजनीतिक रोटी सेंकती रही है भाजपा और आरएसएस

तिर्की ने कहा कि तीन-चार महीने के बाद लोकसभा चुनाव और इस साल के अंत तक झारखंड के विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन और इसके नेता झारखंड में सभी मुद्दों के ध्रुवीकरण करने के साथ-साथ, एक तरफ हिंदू - मुस्लिम और दूसरी तरफ ईसाई - सरना के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. इसके पीछे कारण यह भी है कि हाल में उन्हें छत्तीसगढ़ में इससे फायदा हुआ है और झारखंड में भी भाजपा और उसके नेता ऐसा ही कारनामा कर सत्ता को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं. पर उनकी चाल को झारखंड के लोग कभी भी सफल नहीं होने देंगे.

भाजपा-आरएएस विचारधारा को छोड़ अन्य सभी गंभीर धर्मनिरपेक्ष लोग महारैली में शामिल होंगे

उन्होंने अनेक संगठनों, नेताओं एवं राजनीतिक दलों द्वारा 4 फरवरी को आयोजित आदिवासी एकता महारैली को केवल ईसाई आदिवासियों की रैली के रूप में प्रचारित किया जा रहा है जो पूरी तरीके से गलत है. उन्होंने कहा कि भाजपा, आरएसएस और उससे जुड़े संगठनों को छोड़ कर यह, प्रदेश के धर्मनिरपेक्ष, समान विचारधारा और इसके साथ-साथ आदिवासियों के मामले पर बेहद गंभीर लोगों, राजनीतिक दलों एवं संगठनों की संयुक्त महारैली है और इसमें भेदभाव के बिना सभी की सहभागिता है.

केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नम्हैं झारखंड, नम्हैं राजी अभियान

लोकतंत्र बचाओ यात्रा प्रारंभ

खास बातें

- लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में 23 से 26 जनवरी तक जाएगी यात्रा
- लोगों को केंद्र सरकार की जन विरोधी नीति से कराएंगे अवगत

विशेष संवाददाता। रांची

लोकतंत्र बचाओ 2024 अभियान के द्वारा लोकतंत्र बछाबअना (नम्हैं झारखंड, नम्हैं राजी) यात्रा का शुभारंभ मंगलवार को हो गया. रांची से लोहरदगा के लिए इसका शुभारंभ रांची से हुआ. यह यात्रा 23 से 26 जनवरी तक लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में जाएगी. इसका मुख्य उद्देश्य 2024 लोकसभा चुनाव में झारखंड, देश, लोकतंत्र और संविधान को बचाने की जन संपर्क यात्रा है. इस यात्रा में अभियान संगठन के आलोका कुजूर, फुलजेंसिया बिलुंग, ज्योति कुजूर, मंथन, प्रवीर पीटर, रोज़ खाखा, टॉम कावला, सिराज दत्ता, सिलास बारा, सरिता एक्का व शनियारो देवी आदि शामिल हैं. यात्रा के दौरान केंद्र सरकार की विरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा. इन्होंने बताया कि यात्रा लोहरदगा के विभिन्न प्रखंडों से होकर गुमला के विभिन्न प्रखंडों में जाएगी.

यात्रा के दौरान जनसभाओं और जन संपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. यात्रा में लोगों को केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के विषय में जागरूक किया जाएगा. दस सालों में आदिवासी-मूलवासियों एवं उनके जल, जंगल, ज़मीन और खनिज पर विशेष हमले हुए हैं. मणिपुर में आदिवासियों, खासकर के महिलाओं पर हुई राज्य प्रायोजित हिंसा ने आदिवासियों के प्रति भाजपा और मोदी सरकार की सोच को उजागर कर दिया है.आरएसएस- भाजपा द्वारा आदिवासियों की एकता तोड़ने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं. आदिवासियों को धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश की जा रही है.

मोदी सरकार देश को अडाणी-अंबानी और चंद कॉर्पोरेट के हवाले कर रही है

नेताओं ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार देश को बेच कर अडाणी-अंबानी और चंद कॉर्पोरेट के हवाले कर रही है. मनमाने ढंग से थोपी हुई नोटबंदी, लॉकडाउन, महंगाई, बेरोज़गारी, कम मजदूरी दर, कुपोषण, कमज़ोर शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था ने मेहनतकश जनता का जीना मुश्किल कर दिया है.

लोहरदगा-गुमला में लोग पलायन को मजबूर

लोहरदगा, गुमला जैसे हमारे झारखंड के क्षेत्र खनिजों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर होने के बावजूद बड़े पैमाने पर पलायन के लिए मजबूर हैं. पलायन करनेवालों के दर्दनाक दास्तान विकास के फरमानों का सच बताते हैं. स्थानीय स्तर पर संसाधनों का लाभ न मिलना, स्थानीय स्तर पर रोजगार न होना ही पलायन का सबसे बड़ा कारण है. और इसकी असल जिम्मेदार केन्द्र सरकार की नीतियां हैं.यात्रा में 2024 लोकसभा चुनाव के महत्त्व पर चर्चा की जाएगी और इस चुनाव में लोगों को अपने जल, जंगल, जमीन, झारखंड, देश, संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए प्रेरित किया जाएगा. इसके लिए पर्चा बांटा जाएगा.

---

58 लाख बिजली उपभोक्ताओं की कौन सुने, फोरम में अध्यक्ष ही नहीं

प्रमुख संवाददाता। रांची

- पलामू में चार, चाईबासा में एक और बोकारो में दो साल से अध्यक्ष नहीं
- राजधानी रांची के उपभोक्ताओं की भी कोई सुनने वाला नहीं
- किसी भी फोरम में उपभोक्ताओं की ओर से प्रतिनिधि नहीं

एक तरफ झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग बिजली की नई दर जारी करने में जुटा है. दूसरी तरफ राज्य के 58 लाख उपभोक्ताओं की शिकायतों को कोई सुनने वाला नहीं है. उपभोक्ताओं के शिकायतों के निवारण के लिए हर लाइसेंसी को कंज्यूमर ग्रिवांस रिडरेशन फोरम का गठन करना था. फोरम का गठन हुआ, लेकिन अध्यक्ष नहीं होने से काम काज बाधित हो रहा है. फोरम में डिस्ट्रिक जज स्तर के अधिकारी की नियुक्ति होनी है.

मेदिननीनगर में चार साल से अध्यक्ष की नहीं हुई नियुक्ति : पलामू के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है. पलामू में कंज्यूमर ग्रिवांस रिडरेशन फोरम में पिछले चार साल से अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई है. वहीं रांची में भी अध्यक्ष का पद खाली है. चाईबासा में 22 मई 2022 से अध्यक्ष का पद खाली पड़ा हुआ है. बोकारो में 19 नवंबर 2021 से अध्यक्ष का पद खाली है. जबकि मेदिनीनगर सात नवंबर 2019 से अध्यक्ष का पद खाली है.

क्या है नियम : अगर पावर सप्लाई करने वाला लाइसेंसी फोरम में अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति नहीं करता है, तो विद्युत नियामक आयोग उस लाइसेंसी के खिलाफ कार्रवाई भी कर सकता है. खास बात यह है कि फोरम में उपभोक्ताओं की ओर से एक प्रतिनिधि का होना जरूरी है. लेकिन अब तक उपभोक्ताओं की ओर से एक भी फोरम में प्रतिनिधि नहीं है.

गणतंत्र दिवस में भाग लेने झारखंड के 21 योग प्रशिक्षक दिल्ली रवाना

संवाददाता। रांची

आयुष मंत्रालय ने झारखंड के 21 योग प्रशिक्षकों का चयन 26 जनवरी गणतंत्र दिवस में विशिष्ट अतिथि के रूप में किया है. इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी 21 प्रशिक्षक दिल्ली रवाना हुए. झारखंड के हर जिले से योग प्रशिक्षकों का चयन किया गया है. आयुष निदेशालय झारखंड सरकार की निदेशक सीमा कुमारी उदयपुरी ने एचडब्ल्यूसी का नोडल अफसर दिवाकर कुमार झा को नियुक्त किया. योग प्रशिक्षक, डॉ अर्चना कुमारी की देखरेख में सभी दिल्ली रवाना हुए. पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस परेड में योग को स्थान दिया है.

भाग लेने वाले योग प्रशिक्षक

पूनम तिवारी-बोकारो, शौर्या कुमारी-चतरा, अनोज कुमार-देवघर, बिनय पंडित-धनबाद, संतोष गोस्वामी-दुमका, शशि कुमार चौधरी-गढ़वा, आनंद कुमार वर्मा-गिरिडीह, प्रियंका कुमारी-गोड्डा, तुलसी साहू-गुमला, संजीव कुमार सिंह-हजारीबाग, रंजीत प्रसाद यादव-जामताड़ा, नमित नाग-खूंटी, सुषमा सुमन-कोडरमा, घनश्याम यादव-लातेहार, प्रसेनजीत राजबंशी-पाकुड़, पवन कुमार गुप्ता-पलामू, धनराज सिंह-रामगढ़, डॉ अर्चना कुमारी-रांची, नीलरतन खान-सरायकेला, दिव्येन्द्र कुमार प्रसाद-सिमडेगा, दीपक पासवान-पश्चिमी सिंहभूम.

स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट

झारखंड के 13 जिलों में डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का नहीं हो रहा कार्य

रांची । झारखंड के 13 जिलों में डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का कार्य नहीं हो रहा है. इनमें धनबाद, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, पाकुड, साहिबगंज, दुमका, रामगढ़, सरायकेला, चतरा, गिरिडीह, गोड्डा और दुमका शामिल हैं. स्पेशल ब्रांच ने आदेश जारी किया था कि राज्य के सभी जिलों में आईवीएफआरटी के तहत वीपीएन टोकन के माध्यम से डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का चालू होना अनिवार्य है. लेकिन 13 जिलों में यह कार्य नहीं हो रहा है. आईवीएफआरटी के डिस्ट्रिक पुलिस मॉड्यूल का उद्देश्य राज्य पुलिस को जिला स्तर तक उनके अधिकार क्षेत्र में प्रामाणिक विदेशी जानकारी से लैस करना और देश में अवैध प्रवासियों पर नजर रखने में सक्षम बनाना है. डीपीएम मॉड्यूल पुलिस अधिकारियों को आईवीएफआरटी के विभिन्न स्तंभों जैसे वीजा, आव्रजन, एफआर (विदेशी पंजीकरण), सी-फॉर्म (होटल / एकोमोडेटर डेटा) और एस-फॉर्म (शैक्षिक संस्थान/अस्पताल प्रवेश डेटा) से प्राप्त प्रामाणिक विदेशी जानकारी प्रदान करता है.

पाकुड़ में बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन

मनाया गया बालिका दिवस समारोह

संवाददाता। पाकुड़

पाकुड़ महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत 19 जनवरी से 24 जनवरी तक राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया जा रहा है. इसके अंतर्गत मंगलवार को जिले में जिला समाज कल्याण विभाग के सौजन्य से विभिन्न प्रखंडों के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रो मे बेटी बचाओ बेटी पढाओ के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

इस योजना का उद्देश्य जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार, संस्थागत प्रसव के प्रतिशत में सुधार, बालिकाओं के बीच स्कूल छोड़ने की दर को रोकना, सुरक्षित माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढाया जाना है. हिरणपुर एवं अमड़ापाड़ा परियोजना अंतर्गत कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में महिला सशक्तीकरण एवं कौशल विकास पर आधारित दंगल फिल्म के माध्यम से महिला सशक्तीकरण कौशल एवं पेड मैन के माध्यम से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को बढावा देने हेतु प्रोत्साहित किया गया. इसके अलावे कक्षा 6 से 12 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चियों को डायरी पेन देकर सम्मानित किया गया. साथ ही बच्चियों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण, सेल्फी एवं शपथ ग्रहण भी करवाया गया. इसके अलावा पाकुड़ परियोजना के तहत बेटी जन्मोत्सव को हीरानंदनपुर पंचायत में मुखिया नेपु सरदार,पंचायत समिति सदस्य मानसिंह किस्कू की उपस्थिति में लखी सरकार की पुत्री राधिका सरकार जिनका जन्म 20 दिनों पूर्व एवं सुमोना दास जिनकी पुत्री परी दास का जन्म एक माह पूर्व हुआ, उस बच्चियों को केक कटवाकर सम्मानित किया गया. वहीं महेशपुर एवं पाकुड़िया में भी पौधारोपण एवं अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इतिहास के झरोखे से मजबूत होती गयी रांची में ऑल चर्च कमेटी, आयोजित किये जाते रहे अनेक कार्यक्रम

61 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था ख्रीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह

जयंती कच्छप। रांची

ऑल चर्च कमेटी रांची (सर्व कलीसियायी समिति रांची) के तत्वावधान में 61 वर्ष पूर्व ख्रीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह प्रारंभ हुआ. ऑल चर्च कमेटी का रांची में 1969 में गठन हुआ. इससे पूर्व इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट (आईएसआई) नई दिल्ली ने एक सर्वे कराया, जिसे "दि छोटानागपुर सर्वे " कहा गया. सर्वे के लिए छोटानागपुर की कलीसियाओं की मदद ली गई. सर्वे में मुख्य भूमिका निभाने वालों में शामिल थे फादर तुअने, जेटेलिस नायक, फादर माइकल. एक मीटिंग झारखंड के मांडर में रखी गई, जिसमें आर्च बिशप पीयूष केरकेट्टा, बिशप सअबि दिलबर हंस व बिशप निर्मल मिंज शामिल थे. फलस्वरूप विकास मैत्री नामक संस्था की स्थापना हुई, जिनमें छोटानागपुर के लोगों के विकास के कार्य पूरा किये गये. इसी दौरान 1962 में 18 जनवरी से 25 जनवरी तक रांची के विभिन्न मसीही वर्ग एक स्थान पर एकत्रित हुए.

सबसे पहले यह सभा रांची के संत अलबर्ट कॉलेज सेमिनरी प्रांगण में हुई. इसी सभा में ख्रीस्तीय एकता प्रार्थना सप्ताह प्रारंभ किया गया. इसके बाद एक सप्ताह के अंतराल में विभिन्न स्थानों पर सभाएं आयोजित की जाने लगीं. इन आयोजनों का फादर वान्डेन माइकल बोगार्ट यांस ने नेतृत्व किया. बाद में कुछ कारणवश दस सालों तक एकता प्रार्थना बंद हो गयी थी, पर कलीसिया अपने स्थान पर एकता सप्ताह पर प्रार्थना करते रहे. दोबारा से 1995 से इसमें गति आई और अब तक जारी है. रांची वाईएमसीए के महासचिव नित्यानन्द नायक ने एकता सप्ताह के आयोजन में अपना भरपूर योगदान दिया.

वाईएमसीए की 25वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम

16 जनवरी 1994 को वाईएमसीए की 25वीं वर्षगांठ पर विभिन्न कार्यक्रम हुए. जिसमें सभी कलीसियाओं ने योगदान दिया. इस अवसर पर रांची के संत पॉल महागिरजा बहुबाजार में धन्यवादी प्रभु भोज की आराधना हुई. कलीसिया के लगभग चार हजार की संख्या में उपस्थित थे. एक मेथोडिस्ट पास्टर रेव्ह. तानची कियोंग, वाईएमसीए एशिया अलायंस एवं पैसेफिक अलायंस, डोंग् कॉग के महासचिव ने प्रभु का संदेश दिया. आर्चबिशप तेलेस्फोर पी. टोप्पो ने आशीर्वाद वचन दिया. इसमें नित्यानन्द नायक एवं फादर जोस डिकायपर की भूमिका रही.

वाईएमसीए नॉर्वे के गायक दल का रांची आगमन हुआ था

नवंबर 1998 में गोस्सनर इवेंजेलिकल लूथेरान कलीसिया की 150वीं जयंती का आयोजन हुआ, जिसमें नॉर्वे वाईएमसीए के गायक दल ने भाग लिया. गुड न्यूज फेस्टीवल का आयोजन नवंबर 1998 में किया गया, जिसमें बिली ग्राहम टीम के डॉ.अकबर हक्क मुख्य वक्ता थे. वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल के रेव्ह. डॉ. सैम कमलेसन कई बार रांची आए, जब उन्होंने इस प्रकार की आत्मिक जागृति और खीस्तीय अगुवाओं के सम्मेलन को संबोधित किया. इसका आयोजन एसीसीआर और ईएफआई की ओर से किया गया था.

सीसीएल रांची में धूमधाम से मनाया गया पराक्रम दिवस

संवाददाता। रांची

सीसीएल रांची में मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 127 वीं जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस मनाया गया. इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने लोगों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के शौर्य और पराक्रम को याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की. कर्मियों ने भारत की स्वतंत्रता हेतु नेताजी द्वारा किए गए संघर्षों का स्मरण करते हुए उनके मूल्यों को आत्मसात करने की बात की. इस अवसर पर सीएमएस गांधीनगर डॉ. सुमन सिंह विभागाध्यक्षा (कल्याण) रेखा पांडे ,विभागाध्यक्ष (प्रशासन) सुजीत गोस्वामी, विभागाध्यक्ष(मैनपॉवर) कविता गुप्ता , पी.के सिन्हा, आरके सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे. कार्यक्रम के आयोजन में कल्याण विभाग एवं अन्य की भूमिका रही.

Her Story

डॉ श्वेता लाल
स्त्री रोग विशेषज्ञ

बर्थ डिफेक्ट अवेयरनेस मंथ

गर्भ में कोई नन्हीं सी जान आकार ले रही यह अहसास भावी मां के लिए कितना सुखद है, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है. नौ महीने का सफर मां के लिए जिंदगी का सबसे यादगार पल होता है. तमाम तकलीफों के बाद भी सबसे खुशनुमा. गोद में जब नन्हा शिशु आता है तो दर्द बिसरा कर आंचल भींग जाता है. लेकिन तब या कुछ समय बाद पता चलता है कि शिशु किसी जन्मजात रोग यानी बर्थ डिफेक्ट से पीड़ित है तो वह दर्द मिटाए नहीं मिटता.

साल की पहला महीना हम उस जागरुकता के नाम समर्पित करते हैं जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और खुशहाल रहे. जी हां जनवरी माह बर्थ डिफेक्ट अवेयरनेस मंथ के नाम से भी जाना जाता है. इस साल इसकी थीम है -एवरी जर्नी मैटर्स. हर साल लगभग 8 मिलियन बच्चे जन्मजात विकारों (बर्थ डिफेक्ट) के साथ जन्म लेते हैं. तमाम प्रेग्नेंसी में करीब 7 प्रतिशत मामले ऐसे होते हैं जब गर्भावस्था में बच्चों में बर्थ डिफेक्ट्स हो जाते हैं. आइए जाने कि क्यों होते हैं बर्थ डिफेक्ट और इनसे कैसे बचा जा सकता है.

गोद में खुशियां

क्या है बर्थ डिफेक्ट

बर्थ डिफेक्ट्स का मतलब है गर्भस्थ शिशु के विकास में कुछ असामान्यताएं होना. कई बार इसकी पहचान प्रेग्नेंसी के दौरान ही हो जाती है तो कई बार बच्चे के जन्म के एक-दो साल में इस बात की जानकारी मिल पाती है. बर्थ डिफेक्ट से ग्रसित बच्चों के हार्ट, ब्रेन, स्पाइन, स्किन आदि में सामान्य से अलग स्ट्रक्चर नजर आ सकता है. बर्थ डिफेक्ट बॉडी के बनावट, बॉडी ऑर्गन्स के फंक्शन या दोनों को प्रभावित कर सकते हैं. बच्चे के अंग विकसित न होना, नाक या होंठ पूरी तरह से विकसित न होना या दिमागी तौर पर विकास का रुक जाना शामिल है.

दो प्रकार के बर्थ डिफेक्ट

बर्थ डिफेक्ट को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है, संरचनात्मक दोष और कार्यात्मक दोष. जब शरीर का कोई हिस्सा गलत विकसित हुआ है या गायब होता है तो इसे संरचात्मक दोष कहते हैं. जैसे फटे होंठ, तालु, हृदय दोष, क्लबफुट आदि. वहीं जब शरीर का हिस्सा सही तरह से काम नहीं करता है तो इसे कार्यात्मक दोष कहते हैं. इसमें तंत्रिका तंत्र की समस्याएं, चयापचय संबंधी दोष आदि शामिल हैं. इस दोष के कई हिस्से हैं.

प्रतिरक्षा विकार (इम्यून डिजॉर्डर)
इसमें बच्चे को कैंसर, एलर्जी आदि होने की आशंका होती है.

डिजेनेरेटिव डिसऑर्डर
इसके तहत बच्चा सामान्य तौर पर विकसित होता है, लेकिन उसे काम करने में समस्या आती है.

सेंसरी डिसऑर्डर
अंधापन, सुनने में दिक्कत व अन्य समस्याएं इसी के तहत आती हैं.

स्पेक्ट्रम विकार
बोलने-सुनने में दिक्कत, ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर आदि समस्याएं इसमें शामिल हैं.

इस सिंड्रोम के कारण बच्चे का मानसिक और शारीरिक विकास बाधित होता है.

सिस्टम फाइब्रोसिस
इसके तहत बच्चे के फेफड़े और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है.

ऐसे होगा बचाव

लाइफस्टाइल में बदलाव और थोड़ी सी जागरुकता मां के हिस्से आए इस दर्द की आशंका को कम कर सकती है. आइए इससे बचाव के कुछ उपाय जानें-

मोटापे को करें कंट्रोल

बेहतर हो जब मां बनने का निर्णय लें, अपने वजन को नियंत्रित करने की कोशिश भी शुरू कर दें. मोटापे की वजह से प्रेग्नेंसी में कई तरह के कॉम्पलिकेशन हो सकते हैं. गर्भस्थ शिशु में कई तरह के बर्थ डिफेक्ट होने की आशंका भी बढ़ जाती है.

स्मोकिंग-अल्कोहल से बचें

कई बार महिलाएं खुद सिगरेट नहीं पीतीं लेकिन परिवार का कोई सदस्य सिगरेट पीता है तो उसका धुआं अप्रत्यक्ष तौर पर महिला के फेफड़े तक भी पहुंचता है, यह घातक है. इस तरह प्रेग्नेंसी के दौरान शराब भी बच्चे के विकास को प्रभावित कर सकता है. यह ब्लडस्ट्रीम से पास होते हुए बच्चों के एंबिलिकल कॉर्ड तक पहुंच सकता है.

शुगर लेवल पर दें ध्यान

कई सीरियस बर्थ डिफेक्ट के लिए मां का ब्लड शुगर लेवल जिम्मेदार हो सकता है. यह अन्य प्रेगनेंसी कॉम्प्लिकेशंस को भी बढ़ा देता है. अगर प्रेगनेंसी के दौरान ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है तो चिकित्सक के संपर्क में रहें और उनकी बातों का गंभीरता से पालन करें.

400 एमजी फोलिक एसिड प्रतिदिन

फोलिक एसिड का नियमित सेवन कई मेजर बर्थ डिफेक्ट जैसे ब्रेन और स्पाइन संबंधी समस्याओं के खतरे को कम कर देता है, ऐसे में कंसीव करने के लगभग एक महीने पहले से ही पर्याप्त मात्रा में फोलिक एसिड लेना शुरू कर देना चाहिए, जिसे आपको प्रेगनेंसी में भी जारी रखना है. इससे बर्थ डिफेक्ट के खतरे से बचा जा सकता है.

डॉक्टर की सलाह जरूरी

प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले चिकित्सक से मिलें. चिकित्सक के निर्देशन में प्रेग्नेंसी से कई तरह की समस्याओं से बचाव हो सकता है. किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, या फिर आप उसकी दवाइयां ले रही हैं तो इनके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं. अगर पहले से मेडिकल कंडीशन जैसे डायबिटीज या थाइरोइड है, तो कोशिश करें कि वह कंट्रोल में ही रहें. साथ ही आप जो दवाई ले रही हैं, उसे प्रेग्नेंसी के दौरान डॉक्टर की सलाह पर बदल सकते हैं. कुछ मेडिसिंस के कंपोजिशन हार्मोनल इंबैलेंस का कारण बनते हैं और इसकी वजह से बर्थ डिफेक्ट हो सकता है. प्रेग्नेंसी की शुरुआत में अल्ट्रासाउंड कराने से समय पर समस्या की पहचान हो जाती है.

पौष्टिक आहार

महिलाओं को प्रेग्नेंसी ही नहीं, जिंदगी के शुरुआती दिनों से अपनी डाइट का पूरा ख्याल रखना चाहिए. आयरन, फाइबर, विटामिन, प्रोटीन आदि से भरपूर आहार लें. जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बरतें. प्रेग्नेंसी में कोई भी न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी न हो, इसका ध्यान रखें. साथ ही बचपन में ली जाने वाली रूबेला वैक्सीन को लेना भी न भूलें.

पालतू जब पास हो

घर में अगर पालतू कुत्ते, बिल्ली, खरगोश आदि हो तो खास सावधानी बरतनी जरूरी है. उन्हें जब भी स्पर्श करें तो उसके बाद हाथ साबुन से जरूर धोएं. अन्यथा टॉर्च इंफेक्शन होने की आशंका होती है.

जरूरी वैक्सीनेशन करवाएं

प्रेगनेंसी प्लान करने से पहले और प्रेग्नेंसी के दौरान सभी आवश्यक वैक्सीन जरूर लगवाएं. वैक्सीन नहीं लगवाना भी चाइल्ड बर्थ डिफेक्ट का कारण बन सकता है.

बर्थ डिफेक्ट के कारण

लगभग 30% प्रेग्नेंसी में इन बर्थ डिफेक्ट्स का कारण पता चल जाता है और 70% प्रेग्नेंसी में बर्थ डिफेक्ट्स का कारण स्पष्ट नहीं हो पाते. आमतौर पर जेनेटिक, मेडिसिन साइड इफेक्ट्स, इंवारन्मेंटल फैक्टर या फिर प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशन्स, इन चार कारणों को जिम्मेदार माना जाता है.

जेनेटिक डिफेक्ट

जेनेटिक डिफेक्ट यानी पेरेंट्स के क्रोमोसोम्स में डिफेक्ट होना या आपस में मिल कर बने एम्ब्रियो के क्रोमोसोम्स में कोई डिफेक्ट होना. डाउन सिंड्रोम, एडवर्स सिंड्रोम, पटाऊ सिंड्रोम आदि के साथ बच्चे के जन्म की वजह यही होती है. आमतौर पर इसका पता प्रेग्नेंसी के दौरान अल्डासाउंड कराने में चल जाता है.

अधिक उम्र में मां बनना

भावी मां की उम्र 35 या अधिक है तब भी क्रोमोसोमल एबनॉर्मेल्टीज का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे बच्चे का डाउन सिंड्रोम जैसे जन्मजात दोष से पीड़ित होने की आशंका होती है.

मेडिसिन साइड इफेक्ट

किसी खास मेडिकल कंडीशन के लिए भावी मां यदि कोई दवा ले रही है, तो उस दवाई के साइड इफेक्ट्स से भी बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स आ सकते हैं.

प्रेग्नेंसी कॉम्प्लिकेशन्स

प्रेग्नेंसी कॉम्प्लिकेशन्स जैसे प्रेग्नेंट महिला को तेज बुखार होना या फिर कोई इन्फेक्शन हो जाना, यूट्रस के अंदर पानी कम हो जाना भी बच्चों में बर्थ डिफेक्ट्स का कारण बन सकते हैं.

एनवायर्नमेंटल फैक्टर्स

एनवायर्नमेंटल फैक्टर्स यानी पर्यावरणीय कारक जैसे शराब, स्मोकिंग, किसी केमिकल के संपर्क में आना या प्रदूषण से भी कई बार बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. टॉर्च इन्फेक्शन, रूबेला इन्फेक्शन जैसे संक्रमणों के प्रति मेटर्नल एक्सपोजर से भी बच्चे में बहुत सारे बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. इंफ्लूएंजा होना या कोई भी वायरल फीवर या हाई ग्रेड फीवर होने से बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स आ सकते हैं. इसके अलावा मां का चिकन पॉक्स से ग्रसित होना या पालतू जानवर से जुड़े इन्फेक्शन से भी बच्चे में डिफेक्ट्स आ सकते हैं.
कुछ रेडिएशन एक्सपोजर जैसे कि एक्स-रे या सीटी स्कैन के एक्सपोजर से भी बच्चे में बर्थ डिफेक्ट्स हो सकते हैं. साथ ही कुछ न्यूट्रिशनल फैक्टर्स और माइक्रो न्यूट्रिशन की कमी से भी बच्चों में जन्म संबंधी विकार हो सकते हैं.

काली मिर्च के हैं सुनहरे फायदे

क्वीन ऑफ़ स्पाइस नाम से पहचान रखने वाली काली मिर्च सदियों से हमारी मसालेदानी का हिस्सा है. यह स्वाद तो बेहतर करती ही है, साथ ही कई बीमारियों के इलाज़ में भी राहत दिलाती है. आयुर्वेद में पारंपरिक चिकित्सा के लिए हज़ारों सालों से काली मिर्च का उपयोग होता आ रहा है. आइए, इसके कुछ औषधीय उपयोग से हों वाकिफ-

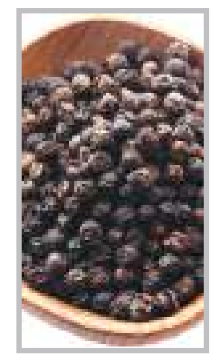

- मलेरिया में काली मिर्च के सेवन से लाभदायक है. आंखों की रोशनी के लिए भी यह गुणकारी है.
- शरीर के किसी भाग में सूजन होने पर काली मिर्च को पीसकर लेप करने से सूजन जल्दी ही ठीक हो जाता है.
- खाने में अरुचि, बदहज़मी और सांस की बीमारी जैसे दमा आदि में काली मिर्च के सेवन से बहुत लाभ होता है.
- 8 काली मिर्च को एक चम्मच देसी घी और थोड़े से गुड़ को साथ मिलाकर रोज़ाना चाटने से याद्दाश्त में सुधार होता है तथा दिमाग़ी कमज़ोरी दूर होती है.
- खांसी से परेशान हैं तो खाने के बाद चुटकीभर पीसी हुई काली मिर्च व आधा टेबलस्पून घी को साथ मिलाकर चाटें.
- 5 काली मिर्च के पाउडर को आधे ग्लास पानी में मिलाकर पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है.
- बच्चे पेट के कीड़े से परेशान हों तो छाछ में चुटकी भर काली मिर्च पाउडर मिला कर रात में पिलाएं. पेट के कीड़े मर कर निकल जाएंगे.
- गैस व अपच की शिकायत रहती हो तो कटे नींबू पर काला नमक और काली मिर्च का पाउडर लगाकर उसका रस चूसें.
- बवासीर की शिकायत हो तो जीरा, शक्कर और काली मिर्च के दानों को पीसकर पाउडर बना लें और इस चूरन को सुबह और शाम आधा टीस्पून खाएं.

चाहे व्यंजनों में मसाले के रूप में करें या औषधि के रूप में सेवन करें. कालीमिर्च के नियमित इस्तेमाल (मसालों या दवाई के रूप में) से शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन बनता है. इससे मूड बेहतर होता है और डिप्रेशन में भी फ़ायदा मिलता है.

तरंग मित्तल

यूं बनाई खुद की पहचान

व्यवसायी सुरेंद्र प्रसाद अग्रवाल और गृहणी लीला देवी के घर जन्मीं तरंग मित्तल को शुरुआती स्कूल शिक्षा बहुत बेहतर मिली. बिशप वेस्कॉट गर्ल्स स्कूल नामकुम की बोर्डिंग में उन्होंने शुरुआती पढ़ाई की. बाद में सीनियर क्लासेज संत अन्ना स्कूल से पूरा हुआ. ख्वाब था डॉक्टर बनने का. लेकिन ग्रेजुएशन करते समय ही एक अच्छा रिश्ता आया और उनका ब्याह कर दिया गया. पढ़ाई अधूरी रह गई. पति इंजीनियर हैं, लेकिन ससुराल गांव (हैदर नगर, पलामू) में थी. कॉन्वेंट में पढ़ी लिखी और कभी गांव नहीं रहीं तरंग शादी के बाद पूरे छह साल तक गांव में रहीं. लेकिन इसका कोई मलाल उन्हें नहीं था. गांव के परिवेश को, हर रिश्ते को पूरा जिया. इस बीच उनकी दो बेटी और एक बेटा दोनों हुए जिनकी परवरिश में उनके ससुराल वालों के साथ उनके पैरेंट्स ने भी सहयोग किया.
दो बच्चे आईआईटी की पढ़ाई में पहुंचे, बड़ी बेटी तो अब जॉब भी करने लगीं. जिंदगी से कहीं कोई शिकायत नहीं थी, पर अपना करियर नहीं बनने की कसक जरूर रहती. उम्र के चौथे दशक में जब कई जिम्मेदारियों से राहत मिली, खुद पर फोकस करना शुरू किया. आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ीं और उसके पवित्रा प्रोजेक्ट के जरिए समाज सेवा के क्षेत्र में उतरीं. सुष्मिता सेन हमेशा से आदर्श रही हैं. इसलिए जब मिसेज इंडिया वन इन द मिलेनियन में शरीक होने का मौका आया तो पीछे नहीं हटी. इसके लिए पर्सनल ग्रूमिंग के सेशंस भी लिए. गुरुग्राम में आयोजित प्रतियोगिता के बाद वे मिसेज झारखंड क्लासिक स्टेट विनर रहीं. यह जिंदगी का यू टर्न था जिससे उनकी बहु, बेटी, मां, पत्नी से अलग एक पहचान मिली. अब पैरेंटिंग सेशंस लेकर सेवा करना चाहती हैं.

कांच के बर्तन होंगे चकाचक

कांच के बर्तनों को गर अच्छी तरह साफ नहीं किया जाए तो दाग धब्बे रह जाते हैं और वह शाइनी नहीं लगता. साफ करने के कुछ टिप्स-

- एक भगोने में पानी और बोरेक्स पाउडर मिला कर इसमें कांच के बेकिंग डिश को रख दें. कुछ देर बाद इसे नॉर्मल पानी से धोकर साफ कर लें. बर्तन में जमे हुए धब्बे गायब हो जाएंगे.
- गर्म पानी में लिक्विड सोप, अमोनिया की कुछ बूंदें और छोटा चम्मच नमक डालकर मिलाएं और इससे कांच के बर्तन साफ करें.
- कट डिजाइन के कांच के क्रॉकरी को साफ करने के लिए सफेद सिरका और गर्म पानी के घोल का उपयोग करें.

चेहरे की लकीरें, झुर्रियां, त्वचा का बेरौनक होनाउम्र की चुगली करने में कई बातें असर कर जाती हैं. यदि आप भी चालीस साल के ऊपर की हैं तो त्वचा को लेकर थोड़ी अधिक सजगता जरूरी है. आइए आज जानें कि चालीस साल की उम्र में 25 साल वाली त्वचा कैसे पाएं..

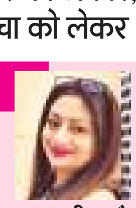

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

उम्र की चुगली नहीं कर पाएगी त्वचा

उम्र के साथ ही हमारी त्वचा के छिद्र बड़े होने लगते हैं. त्वचा में ढीलापन आने लगता है. त्वचा में कसाव के लिए चेहरे की मसाज जरूरी है. 2 बूंद बादाम का तेल हथेली में लेकर चेहरे की अपवर्ड डायरेक्शन में मसाज करें. रात में सोने से पहले और फिर सुबह उठते ही हल्के हाथों का पांच मिनट का ये मसाज स्किन पोर्स का साइज कम करेगा और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर करेगा.

कोलेजन करें बूस्ट

40 प्लस की उम्र में त्वचा में कोलेजन बनना कम हो जाता है. इससे त्वचा में ढीलापन आता है. डाइट में कोलेजन युक्त फूड आइटम्स को बढाएं. चेहरे की दूध से सफाई करें. दूध में फैटी एसिड्स होते हैं जो त्वचा में कोलेजन के प्रोडक्शन को बूस्ट करते हैं. इससे आपकी त्वचा का ढीलापन दूर होता है.

सनस्क्रीन है जरूरी

चालीस की उम्र के बाद विशेषतौर पर सनस्क्रीन को अपने कॉस्मेटिक बैग में शामिल करें. एसपीएफ-30 या से इससे भी अधिक एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का उपयोग करें. भले घर में हो, तब भी इसका उपयोग होना चाहिए. माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ कर टोनर लगाएं. फिर दो-तीन ड्रॉप्स सीरम. इसके बाद लोशन और फिर आखिरी में सनस्क्रीन लगाएं.

हाईड्रेशन जरूरी

इसके लिए जहां ढेर सारा पानी, फलों का ताजा रस, नारियल पानी आदि पीना जरूरी है, वहीं रात में सोने से पहले चेहरे पर गुलाब जल लगाएं. रात में सोते वक्त त्वचा के अंदर मौजूद कोशिकाएं त्वचा में आई त्रुटियों को सुधारने का काम करती हैं. ऐसे में शरीर का सारा पानी सूखने लगता है और त्वचा डीहाइड्रेटेड हो जाती है. इसलिए रात में सोने से पहले आपको नारियल पानी, गुलाब जल, एलोवेरा जेल आदि चेहरे पर लगाना चाहिए.

खानपान पर ध्यान

उम्र के इस दौर में प्लेट को लेकर विशेष सजग हों. ढेर सारा सलाद, मौसमी फल खाएं. मोटा अनाज खाएं. तरल पदार्थ का सेवन करें. तले भुने, प्रोसेस्ड और जंक फूड से दूर रहें. विटामिन सी और ई का सेवन ज्यादा करें और प्रॉसेस्ड फूड से दूरी बनाकर रखें.

भरपूर नींद

उम्र के चौथे दशक में नींद पूरी करने पर विशेष ध्यान दें. नींद पूरी होगी तो स्किन जवां और चमकदार नजर आएगी. इससे तनाव दूर रहता है. 8 घंटे नीद लेना बहुत जरूरी है.

फेशियल योगा करें

इसे भी असरकारक माना जाता है. इसके लिए गर्दन सीधी रखकर आईब्रो ऊपर-नीचे करें. अब भौहें सिकोड़ें, माथे पर आड़े व खड़े सल डालें. गर्दन सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें. आंखों को गोल घुमाएं दोनों दिशा में. आंखों पर हथेली रगड़कर कुछ देर रखें. सुबह व रात आंखों को ठंडे पानी से धोएं. नथुने फुलाएं व ढीला छोड़ दें. पूरा मुंह खोलें व बंद करें. जबड़ा दाएं-बाएं हिलाएं. होठों को सिकोडें व फैलाएं. दांत दिखाएं व बंद करें. मुंह से पाउट बनाएं. दांत पर दांत रखकर जमकर दबाएं. गर्दन की चमड़ी को खीचें, जबड़ा टाइट करें. दस तक गिनते हुए गर्दन को पीछे ले जाएं. मुंह में पानी भरकर हिलाएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : मैराथन मुकाबले में 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता से हारे टेलर फ्रिट्ज

11वीं बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

- 04 घंटे तक चला जोकोविच व फ्रिट्ज के बीच मुकाबला
- 7-6, 4-6, 6-2, 6-3 से जीते जोकोविच

भाषा । मेलबर्न

नोवाक जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को करीब चार घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में हराकर 11वीं बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. जोकोविच ने यह मुकाबला 7- 6, 4-6, 6-2, 6-3 से जीता. वह जितनी बार भी यहां क्वार्टर फाइनल में पहुंचे , उतनी बार अपराजेय रहे. 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने मेलबर्न पार्क पर सभी दस सेमीफाइनल और फाइनल जीते हैं. वह 48वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर या पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा. जोकोविच ने अब तक एक को छोड़कर सभी मुकाबलों में फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया था. ऑस्ट्रेलिया में 2021 में मुकाबला पांच सेटों तक खिंचा था.

कोको गॉफ व सबालेंका सेमीफाइनल में

03 घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में जीती गॉफ

- सेमीफाइनल में आपस में भिड़ेंगी गॉफ व सबालेंका

अमेरिका की चौथी वरीय कोको गॉफ ने मंगलवार को यहां मार्ता कोस्त्युक को तीन सेट चले कड़े मुकाबले में 7-6, 6-7, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई. चौथी वरीय कोको गॉफ ने पहले सेट में 5-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए दो सेट प्वाइंट बचाए और फिर सेट जीत लिया. उन्होंने दूसरे सेट गंवाया लेकिन फिर तीसरा और निर्णायक सेट जीतकर तीन घंटे और आठ मिनट में जीत दर्ज की. कोको गॉफ ने मुकाबले के दौरान 51 सहज गलतियां की जिसमें नौ डबल फॉल्ट भी शामिल हैं. वहीं सबालेंका ने बारबरा क्रेसिकोवा सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराकर सेमीफाइमल में जगह बनाई. सेमीफाइनल में कोको गॉफ और एरिना सबालेंका बीच मुकाबला होगा. पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन जीतने वाली कोको गॉफ ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में लगातार 12 मैच जीत चुकी हैं.

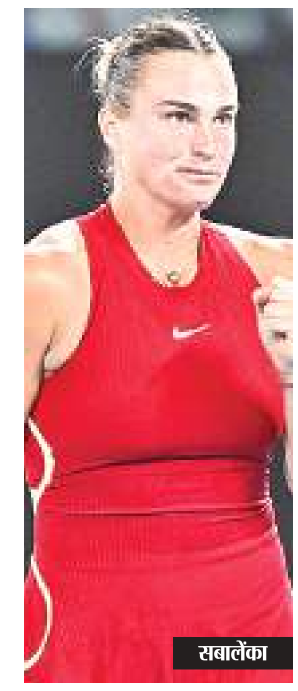

ब्रीफ खबरें

इंडोनेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में किरन जॉर्ज

जकार्ता । भारत के किरण जॉर्ज ने इंडोनेशिया मास्टर्स 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरूष एकल क्वालीफाइंग दौर में दो करीबी जीत के बाद मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया. कोच्चि के 23 वर्ष के जॉर्ज ने अब तक दो सुपर 100 खिताब 2022 ओडिशा ओपन और 2023 डेनमार्क मास्टर्स जीते हैं. उन्होंने इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रूस्टावितो को 21-17, 12-21, 21-15 से हराया. इससे पहले उन्होंने फ्रांस के एलेक्स लेनियर को 12-21, 21-18, 22-20 से मात दी थी. मुख्य ड्रॉ में सातवीं वरीयता प्राप्त एच एस प्रणय पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लो कीन यू के खिलाफ अभियान का आगाज करेंगे.

भारत 'ए' टीम में रिंकू सिंह को मिली जगह

नयी दिल्ली । रिंकू सिंह को इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ अहमदाबाद में बुधवार से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए मंगलवार को भारत 'ए' टीम में शामिल किया गया. टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी की झलक दिखा चुके मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में पदार्पण किया था और दो मैच में 17 और 38 रन बनाए. उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 44 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं जिसमें 57.57 की औसत से 3109 रन बनाए हैं.

पाक क्रिकेट की स्थिति बेहद दुखद : मियांदाद

कराची । जावेद मियांदाद ने पाकिस्तान में क्रिकेट के संचालन के तरीके पर दुख जताते हुए कहा है कि राष्ट्रीय टीम में लगातार नियुक्तियों और बदलावों ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को हिला दिया है. मियांदाद ने कहा कि मैंने दुनिया में कहीं भी क्रिकेट प्रशासन वैसा नहीं देखा जैसा हम पाकिस्तान में देखते हैं और ये स्थिति बेहद दुखद है. पाकिस्तान के लिए 124 टेस्ट खेलने वाले इस पूर्व कप्तान ने कहा कि हाल के दिनों में क्रिकेट प्रशासन का टीम और खिलाड़ियों पर भी बुरा प्रभाव पड़ा है.

आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ टीम की घोषणा की, भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

वनडे टीम की कमान रोहित को

भाषा । दुबई

रोहित शर्मा को मंगलवार को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया जिसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी तथा मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा दो और भारतीयों को जगह मिली है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बयान के अनुसार टीम में जगह बनाने वाले अधिकतर खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे भारत (उप विजेता) और ऑस्ट्रेलिया (विजेता) के अलावा सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से हैं. एकदिवसीय टीम में पारी का आगाज करने का मौका रोहित और शुभमन गिल को दिया गया है. भारतीय कप्तान ने पिछले साल एकदिवसीय प्रारूप में 52 के औसत से 1255 रन बनाए. गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन की पारी खेली और 1584 रन के साथ इस प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को जगह मिली है जिन्होंने पिछले साल लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और भारत के खिलाफ फाइनल में 137 रन की पारी खेली. मध्य क्रम में कोहली, न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के अलावा दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और मार्को यानसेन शामिल हैं.

गेंदबाजी में सिराज, शमी और कुलदीप की तिकड़ी को जगह

गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, शमी और कुलदीप यादव की भारतीय तिकड़ी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा को जगह मिली है. जंपा ने 26.31 के औसत से 38 विकेट चटकाए और विश्व कप के लगातार तीन मुकाबलों में चार विकेट चटकाए. वह प्रतियोगिता में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर रहे. सिराज ने पिछले साल 44 विकेट चटकाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल में 21 रन देकर छह विकेट भी शामिल रहे. भारत ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका पर एकतरफा जीत दर्ज की. कुलदीप ने पिछले साल 49 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किए. पाकिस्तान के खिलाफ

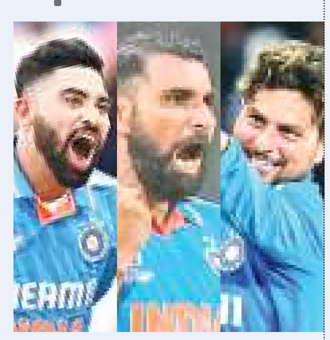

एशिया कप के सुपर चार चरण में 25 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा. शमी ने पूरे साल शानदार प्रदर्शन करते हुए चार बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए. उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 रन पर सात विकेट रहा.

सूर्याकुमार बने सर्वश्रेष्ठ टी-20 टीम के कप्तान

आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव और अर्शदीप सिंह को जगह मिली है. सूर्यकुमार को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान भी बनाया गया है. उन्होंने 18 मैच में 155.95 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाकर दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की.

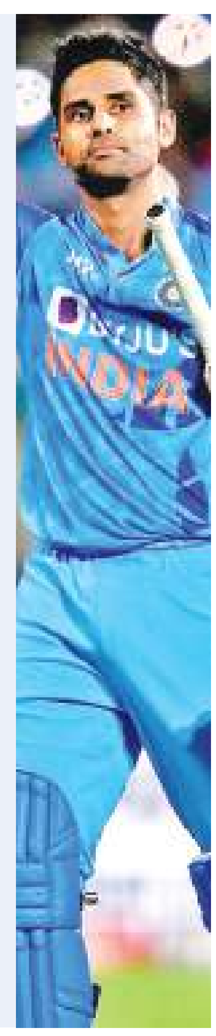

सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जडेजा व अश्विन शामिल

साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को जगह मिली है. ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस को टीम का कप्तान चुना गया है. अश्विन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार मैच में 25 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज थे. जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया था.

देर रात नशा करने से बेहोश हो गए थे मैक्सवेल : रिपोर्ट

भाषा । सिडनी

हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल पिछले सप्ताह एडीलेड में देर रात शराब पीने के बाद बेहोश हो गए थे और उठाने पर भी नहीं उठे जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा. एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया. पहले रिपोर्ट में इसका जिक्र नहीं था कि मैक्सवेल को अस्पताल क्यों ले जाना पड़ा लेकिन सिडनी मार्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया कि वह बेहोश हो गए थे और रास्ते में ही होश में आये. यह घटना उस समय की है जब मैक्सवेल एक कान्सर्ट में थे. रिपोर्ट में कई सूत्रों के हवाले से कहा गया कि शो के दौरान मैक्सवेल की भीड़ में कई लोगों के साथ तस्वीरें आई. उसके बाद वह और उनके दोस्त स्टेज के पीछे जाकर शराब पीने और गाने लगे. इसमें कहा गया कि इसी दौरान मैक्सवेल बेहोश हो गए और उठाने पर भी नहीं उठे. फिर एम्बुलैंस बुलाई गई और मैक्सवेल को जहां तक याद है कि वह अस्पताल ले जाने के रास्ते में ही उठे. उन्हें थोड़ी देर बार ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई और वह अब टीम के साथ हैं.

'बैजबॉल' से मिल सकते हैं ढेरों विकेट: जसप्रीत बुमराह

भाषा । हैदराबाद

भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि इंग्लैंड के अति आक्रामक रवैये 'बैजबॉल' से उन्हें फायदा हो सकता है और पांच मैचों की आगामी टेस्ट श्रृंखला में उन्हें 'ढेरों' विकेट मिल सकते हैं. बुमराह ने कहा कि मैं बैजबॉल शब्द से जुड़ा हुआ नहीं हूं लेकिन वे सफल क्रिकेट खेल रहे हैं और आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी का सामना कर रहे हैं जिससे दुनिया को पता चल रहा है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने का एक और तरीका है. जुलाई 2022 में बुमराह को 'बैजबॉल' की झलक तब मिली जब उन्होंने रोहित

शर्मा के कोविड-19 के कारण बाहर होने के बाद बर्मिंघम में भारत की कप्तानी की. इस मैच में इंग्लैंड ने आक्रामक रवैया अपनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की लेकिन इस मुकाबले को स्टुअर्ट ब्रॉड के खिलाफ एक ही ओवर में बुमराह के 29 रनों के लिए भी याद किया जाता है.

इटालियन सुपर कप : मार्टिनेज ने अंतिम क्षणों में दागा गोल

इंटर मिलान की टीम बनी चैंपियन

एजेंसी । रियाद

लुटारो मार्टिनेज ने रियाद में नेपोली पर 1-0 की रोमांचक जीत में मैच विजयी गोल करके इंटर मिलान का लगातार तीसरा इटालियन सुपर कप सुनिश्चित किया. अर्जेंटीना के स्ट्राइकर ने अतिरिक्त समय के अंतिम सेकंड में डिफेंडर बेंजामिन पावर्ड के अच्छी तरह से रखे गए लो क्रॉस का पूरा उपयोग करते हुए निर्णायक हमला किया. 26 वर्षीय खिलाड़ी ने इस गोल के साथ सीजन में अपना 21वां गोल दागा. मार्टिनेज इंटर मिलान के इतिहास में नौवें सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर बने, उन्होंने पूर्व स्ट्राइकर क्रिश्चियन विएरी के रिकॉर्ड की बराबरी की.

भारतीय टीम के मुख्य कोच द्रविड़ ने कहा- अति आक्रामक रवैया नहीं अपनायेंगे लेकिन-

जरूरत पड़ने पर पीछे नहीं हटेंगे हमारे बल्लेबाज

भाषा । हैदराबाद

भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि उनकी टीम के बल्लेबाज इंग्लैंड के 'बैजबॉल' क्रिकेट का उसी अंदाज में जवाब देते हुए नहीं दिखेंगे लेकिन गुरुवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में अगर ऐसी नौबत आयी तो वे पीछे नहीं हटेंगे. इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है. 'बैज' मैकुलम का उपनाम है. द्रविड़ ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत मैच की परिस्थितियों के मुताबिक अपने खेल का रुख तय करेगा. भारतीय कोच ने कहा किमुझे नहीं लगता कि हम अति आक्रामक रुख अपनायेंगे. हम परिस्थितियों के मुताबिक खेलेंगे.

खास बातें

- कल से भारत-इंग्लैंड के बीच शुरू होगी टेस्ट शृंखला
- दोनों टीमों के बीच खेली जाएगी पांच मैचों की शृंखला

विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे केएल : द्रविड़

राहुल द्रविड़ ने मंगलवार को कहा कि लोकेश राहुल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की शृंखला में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे और विकेटकीपर की भूमिका के लिए केएस भरत और ध्रुव जुरेल के बीच प्रतिस्पर्धा है. राहुल ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की शृंखला में विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी और विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन किया था. इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला गुरुवार से शुरू होगी. द्रविड़ ने कहा कि राहुल इस शृंखला में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेगा और हम अपने चयन को लेकर स्पष्ट हैं.

महिला क्रिकेट | **महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र की शुरुआत 23 फरवरी से बेंगलुरु में, शेड्यूल जारी**

मुंबई इंडियंस व दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगा पहला मुकाबला

भाषा । नयी दिल्ली

गत चैंपियन मुंबई इंडियंस महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र के पहले मैच में 23 फरवरी को बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिछले साल फाइनल में जगह बनाने वाले दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगा. पूरा सत्र बेंगलुरू और दिल्ली में आयोजित किया जाएगा. यहां अरुण जेटली स्टेडियम 15 और 17 मार्च को क्रमशः एलिमिनेटर और फाइनल की मेजबानी करेगा.

इस साल डब्ल्यूपीएल में कुल 22 मैच होंगे और शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी जबकि एलिमिनेटर में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम भिड़ेंगी. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस ने पिछले साल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर पहले डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता था.

17 मार्च को दिल्ली में होगा फाइनल मुकाबला

22 मैच खेले जाएंगे इस साल डब्ल्यूपीएल में

- पूरे सत्र का आयोजन दिल्ली व बेंगलुरू में होगा

डब्ल्यूपीएल का कार्यक्रम इस प्रकार है

- **23 फरवरी**– मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- **24 फरवरी**– रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम यूपी वारियर्स, बेंगलुरू
- **25 फरवरी**– गुजरात जाइंट्स बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलुरू
- **26 फरवरी**– यूपी वारियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- **27 फरवरी** – रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम गुजरात जाइंट्स, बेंगलुरू
- **28 फरवरी** – मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वारियर्स, बेंगलुरू
- **29 फरवरी** – रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- **01 मार्च** – यूपी वारियर्स बनाम गुजरात जाइंट्स, बेंगलुरू
- **02 मार्च** – रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बनाम मुंबई इंडियन्स, बेंगलुरू
- **03 तीन मार्च**– गुजरात जाइंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरू
- **04 मार्च** – यूपी वारियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, बेंगलुरू
- **05 मार्च** – दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
- **06 मार्च** – गुजरात जाइंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- **07 मार्च** – यूपी वारियर्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
- **08 मार्च** – दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वारियर्स, दिल्ली
- **09 मार्च**– मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
- **10 मार्च** – दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- **11 मार्च** – गुजरात जाइंट्स बनाम यूपी वारियर्स, दिल्ली
- **12 मार्च** – मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली
- **13 मार्च** – दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
- **15 मार्च**– दिल्ली में एलिमिनेटर
- **17 मार्च** – दिल्ली में फाइनल

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग

सात्विक-चिराग की जोड़ी विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंची

भाषा । नयी दिल्ली

पिछले दो सप्ताह से शानदार प्रदर्शन कर रहे भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार को बीडब्ल्यूएफ पुरूष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंच गए. एशियाई खेलों की चैंपियन यह जोड़ी मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंटों में उपविजेता रही थी. दोनों पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद पहली बार शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचे. इंडिया ओपन फाइनल में उन्हें विश्व चैंपियन कांग मिन युक

और सिओ सांग जाए ने हराया. अन्य भारतीयों में एच एस प्रणय आठवें नंबर पर पहुंच गए जबकि लक्ष्य सेन, किदाम्बी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत क्रमशः 19वें, 25वें और 30वें स्थान पर बने हुए हैं.

▼ ब्रीफ खबरें

फोटो डालने पर युवती ने लगायी फांसी

नवादा। नवादा में मानसिक रूप से परेशान एक युवती ने खुद की जीवन लीला ही समाप्त कर ली. बताया जाता है कि एक युवक ने युवती की अश्लील फोटो और वीडियो वायरल कर दी थी, जिससे वो काफी परेशान हो गई. घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है. घटना नवादा के नगर थाना क्षेत्र की है. परिजन ने बताया कि युवती शहर के एक मोहल्ले में अपने भाई और परिजनों के साथ रहकर पढ़ाई करती थी. भाई ने बताया कि उसके गांव का एक युवक मोबाइल पर आपत्तिजनक तस्वीर और वीडियो भेजता था.

नवादा में पुलिस के हत्थे चढ़े तीन आरोपी

नवादा। कौवाकोल थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक लूट कांड मामले में तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है. डीएसपी महेश कुमार चौधरी ने दी. पुलिस द्वारा इस कांड का उद्भेदन करते हुए 5 अपराधियों को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेजा जा चुका है. फरार चल रहे अन्य तीन को मंगलवार को लूटी गई बाइक और तीन मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया. डीएसपी ने बताया कि कि 23 दिसंबर को बाल विकास परियोजना कौवाकोल में लिपिक सुशील कुमार चौधरी ऑफिस के कार्य खत्म कर शाम में घर लौट रहे थे, जैसे ही कदर नहर के पास पहुंचे एक बाइक ने ओवरटेक कर उनकी बाइक को रोककर गिरा गया.

फाइनेंस कर्मी को मारी गोली, मौत

पूर्वी चंपारण । जिले के चकिया थाना क्षेत्र के भुअन छपरा देवपुर रोड में समूह का पैसा वसूली करने जा रहे फाइनेंस कर्मी को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी और लगभग पचास हजार रुपया लूट कर फरार हो गए. गोली उसके दाहिने बांह और सीने में लगी है. घटना मंगलवार सुबह लगभग ग्यारह बजे की बतायी जा रही है. मृतक मलाही थाना क्षेत्र के चटिया गांव के सिरनी मठिया टोला का योगेंद्र गिरी का 25 वर्षीय पुत्र रुपेश कुमार है. जो चैतन्या इंडिया फाइनेंस क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के कल्याणपुर ब्रांच में कार्यरत था.

मुख्यमंत्री और राज्यपाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई

सियासत गरमाई, राज्यपाल से मिले नीतीश

संवाददाता। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर से राजभवन में करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ मुलाकात की. राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच वार्तालाप हुई. इससे पहले मुख्यमंत्री और राज्यपाल की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में पहुंचे थे. समारोह में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे. राजकीय समारोह के खत्म होने के बाद वहीं से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिना डिप्टी सीएम तेजस्वी को साथ लिए अपने करीबी मंत्री विजय चौधरी के साथ राजभवन पहुंच गए. राजभवन में करीब 40 मिनट तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी रुके रहे. राज्यपाल से दोनों नेताओं की बंद कमरे में बातचीत हुई है. नीतीश कुमार के राजभवन पहुंचने के बाद बिहार की सियासत में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. पाला बदलने की चर्चा तेज हो गई है. हालांकि, दोनों के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है. एक दिन पहले ही ऐसी जानकारी सामने आई थी कि नीतीश कुमार 29 जनवरी को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे.

राहुल गांधी फिलहाल असम में हैं. उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा 29 जनवरी को बिहार में प्रवेश करेगी. किशनगंज के रास्ते यह यात्रा 30 जनवरी को पूर्णिया पहुंचेगी. नीतीश कुमार पूर्णिया में राहुल गांधी के साथ मंच साझा करेंगे. हालांकि, इस बात की पुष्टि जदयू की ओर से नहीं की गई है.

बिहार में होगा 'खेला'? मांझी ने कर दिया इशारा

पटना। पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने एक ऐसा पोस्ट शेयर किया है, जिससे उन्होंने बिना किसी का नाम लिए बगैर बताने की कोशिश की है कि किसी भी भाषा में कह लीजिए लेकिन मतलब एक ही होता है कि खेल होकर रहेगा. साथ ही अंतिम में लोगों की समझदारी पर अपनी बात को छोड़ दिया. मांझी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, 'बंगला में कहते हैं, "खेला होबे" मगही में कहते हैं, "खेला होकतो" भोजपुरी में कहते हैं, "खेला होखी" बाकी तो आप खुद ही समझदार हैं.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

साक्षरता दर के मामले में राज्य का स्थान	–28 वां स्थान
बिहार की कुल साक्षरता दर	– 61.80 %
पुरुष साक्षरता दर	– 71.20 %
महिला साक्षरता दर	– 51.5 %
साक्षरता की दृष्टि से भारत के राज्यों में क्रम	– 28 वां
सर्वाधिक साक्षरता दर बल जिला	– रोहतास
न्यूनतम साक्षरता दर वाला जिला	– पूर्णिया
सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाला जिला	– रोहतास
सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाला जिला	– रोहतास
न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाला जिला	– पूर्णिया
न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाला जिला	– सहरसा

6 की संख्या में पहुंचे थे बदमाश, दो राउंड की फायरिंग

अररिया शहर के एक्सिस बैंक से बदमाशों ने 90 लाख लूटे

संवाददाता। अररिया

बिहार में नेपाल सीमा से सटे अररिया शहर के एडीबी चौक के पास दिन के 12 बजे एक्सिस बैंक की शाखा से 90 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया गया. अररिया एसपी और एसडीपीओ आवास से महज कुछ दूरी पर स्थित एडीबी चौक के पास एक्सिस बैंक की शाखा में छह हथियार बंद अपराधियों ने बैंक सहित बैंक में आए ग्राहकों से लूट की घटना को अंजाम दिया. बदमाश छह की संख्या में थे और सभी हथियारों से लैस थे. घटना करीबन साढ़े ग्यारह बजे की बताई जाती है. बदमाशों ने लूटपाट के क्रम में दो राउंड फायरिंग भी की. बदमाशों ने बैंक के कर्मचारी और ग्राहकों को बैंक के चेस्ट रूम में बंद कर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया. बदमाशों द्वारा करीबन 90 लाख से अधिक की लूट की बात कही जा रही है. सूचना के बाद मौके पर एसपी अशोक सिंह, रामपुकार सिंह और निर्मल कुमार यादवेंदु मामले की जांच शुरू कर दी है.

हथियार से लैस बदमाश बैंक में घुस गए

मामले को लेकर बैंक के मैनेजर नीरज कुमार ने बताया कि बैंक खुलने के बाद 11 और 11:30 बजे के करीब में हथियार से लैस बदमाश बैंक में घुस गए और हथियार के नोक पर सभी कर्मचारियों सहित बैंक में मौजूद ग्राहकों को बैंक के चेस्ट रूम में बंद कर दिया. जिसके बाद बैंक में रखे रुपए के साथ-साथ बैंक में मौजूद पैसा जमा करने के लिए आए ग्राहकों से भी लूटपाट की. लूटपाट के क्रम में बदमाशों ने बैंक के अंदर दो राउंड गोली भी फायरिंग की. मौके पर मौजूद भगत ग्लास के स्टाफ ने बताया कि रुपये जमा करने के लिए वह बैंक आए थे और बदमाशों ने उनसे भी उनके पास मौजूद डेढ़ लाख रुपये लूट लिए.

ग्राहकों ने बताया : ग्राहक मीरा देवी,शकुंतला देवी,अनीता देवी, किरण देवी, ज्योति देवी, बबिता देवी, आदि ने बताया कि स्वयं सहायता समूह को मिले रन की राशि जमा करने के लिए वे लोग बैंक में आए थे. बदमाशों ने उनसे भी वह राशि छीन ली. सभी को बदमाशों ने कमरे में बंद कर दिया था. लूटपाट कर बदमाश मौके से फरार हो गए. बैंक लूट की सूचना के बाद एसपी अशोक कुमार सिंह, एसडीपीओ रामपुकार सिंह,नगर थानाध्यक्ष निर्मल कुमार यादवेंदु मौके पर पहुंचे और बैंक में खाली खोखा बरामद किया. मामले पर पुलिस कुछ भी कहने से फिलहाल बच रही है. एसपी ने जांच करने की बात कही.

6 विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति

- रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए सलाह मशविरा करने सीएम नीतीश राजभवन गये थे

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मंगलवार को अचानक राजभवन पहुंचने और कोई 40 मिनट तक राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से गुफ्तगू की खबर राजनीतिक गलियारे में खलबली मचा गया. जितने मुंह उतनी बात. लेकिन चर्चा खोदा पहाड़ निकली चुहिया साबित हुई. दरअसल, राज्य के विश्विद्यालयों में लंबे समय से कुलपतियों के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए सलाह मशविरा करने सीएम नीतीश राजभवन गये थे. राजभवन से उनके लौटने के कुछ घंटे बार कुलाधिपति सह राज्यपाल आर्लेकर ने सर्च कमेटी की अनुशंसा के आलोक में राज्य के छः विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति की.

जारी अधिसूचना के मुताबिक एलएन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति के पद पर प्रो संजय कुमार चौधरी को नियुक्त किया गया है. जबकि केएसडी संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा का कुलपति प्रो लक्ष्मी निवास पाण्डेय को बनाया गया है.

राजभवन सूत्रों के अनुसार बीएन मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के कुलपति के पद पर प्रो बिमलेन्दु शेखर झा को नियुक्त किया गया है. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के कुलपति के पद पर प्रो दिनेश चन्द्र राय को नियुक्त किया गया है.

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति के पद पर प्रो परमेन्द्र कुमार बाजपेयी को नियुक्त किया गया है. आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का कुलपति प्रो शरद कुमार यादव को बनाया गया है. सूत्रों के मुताबिक नवनियुक्त कुलपतियों का कार्यकाल उनके प्रभार-ग्रहण की तिथि से तीन वर्षों का होगा. ज्ञातव्य है इनसे पूर्व कुलपतियों, प्रतिकुलपतियों और रजिस्ट्रार की नियुक्ति के लिए बोली लगने के आरोप लगे थे.

ट्रेन के शौचालय में मिला नवजात का शव

नालंदा। नालंदा में इनदिनों लावारिश हालात में नवजात शिशुओं के मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. कभी सड़क किनारे, तो कभी किसी सुनसान जगह पर, तो कभी ट्रेन के शौचालय में नवजात के शव मिल रहे हैं. ताजा मामला राजगीर स्टेशन का है. यहां स्टेशन यार्ड पर खड़ी श्रमजीवी ट्रेन की बोगी के शौचालय में एक नवजात शिशु का शव मिला है. ट्रेन में बच्चे का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है.

पटना में 5.5 डिग्री तक आया तापमान, बढ़ी ठंड

पटना। राजधानी पटना में इस साल पहली बार सोमवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के नीचे पहुंच गया. मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार मंगलवार को पटना समेत कई जिलों में भीषण शीतलहर के साथ पछुआ हवा के चलने की संभावना है. साथ ही पटना समेत कई जिलों में घना कुहासा छाए रहने का पूर्वानुमान है. हालांकि मंगलवार को कहीं बारिश का अनुमान था. पटना, नालंदा, बेगूसराय, नवादा, गया, जहानाबाद, वैशाली, सारण, औरंगाबाद, कैमूर और बक्सर में शीतलहर का प्रभाव देखने को मिल सकता है.

मौसम विभाग के अनुसार पटना, गया, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह 10 से 11 बजे तक घना कुहासा छाए रहने का पूर्वानुमान है. इसके साथ ही दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट देखी जा सकती है. आज कई जिलों के न्यूनतम तापमान में गिरावट होने की संभावना है.

कारोबार

एक्सिस बैंक का मुनाफा चार % बढ़ा

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही का एकल शुद्ध लाभ चार प्रतिशत बढ़कर 6,071 करोड़ रुपये रहा है. बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 5,853 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था. एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 33,516 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में यह 26,798 करोड़ रुपये थी.

सोने, चांदी व सिक्कों पर लगा आयात शुल्क

नई दिल्ली। सरकार ने सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर मौजूदा आयात शुल्क 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है. नई दरें 22 जनवरी से प्रभावी हो गईं है. वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक सोने, चांदी और कीमती धातुओं के सिक्कों पर आयात शुल्क अब 15 फीसदी होगा. इसमें 10 फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) और 5 फीसदी एआईडीसी (कृषि अवसंरचना विकास उपकर) शामिल है.

वेनेजुएला पर ऑयल एंड गैस के एक्सपोर्ट पर 2019 में प्रतिबंध लगा हुआ था

वेनेजुएला से तेल खरीदने की तैयारी में भारत

भाषा। नयी दिल्ली

पाकिस्तान जहां तेल को लेकर किल्लत झेल रहा है वहीं भारत इस मामले में जरुरत के अनुसार किसी भी देश से तेल आयात को लेकर निश्चिंत है. इस बीच भारत अब दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला से एक बार फिर से क्रूड ऑयल खरीदने की तैयारी में है. दरअसल, वेनेजुएला पर ऑयल एंड गैस के एक्सपोर्ट पर साल 2019 से ही प्रतिबंध लगा हुआ था. लेकिन बीते साल अक्टूबर में वेनेजुएला सरकार और विपक्षी दलों के बीच हुए समझौते के बाद अमेरिका ने उन प्रतिबंधों को मोटे तौर पर खत्म कर दिया था. अब जबकि प्रतिबंध खत्म हो गया है, तो भारत एक बार फिर से वहां से क्रूड ऑयल खरीदने की तैयारी कर रहा है. ऐसा फरवरी से ही हो सकता है. इसके बाद ही देश में आम चुनाव होना है. साल 2019 में वेनेजुएला से ऑयल एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगने से पहले भारत की रिफाइनरीज नियमित तौर पर वहां से कच्चे तेल का आयात करती थी. उस समय वेनुजुएला पांचवां बड़ा सप्लायर था. लेकिन जैसे ही उस पर अमेरिकी प्रतिबंध लगा, यह आयात बंद हो गया.

मिलेगा तेल

- वेनेजुएला में सरकार और विपक्ष में समझौता हो गया है
- भारत नवंबर 2020 में वेनेजुएला से तेल इंपोर्ट किया था
- वेनेजुएला के हैवी क्रूड को प्रोसेस करने में भारत सक्षम है

50,000 बैरल की आपूर्ति करने पर सहमत हुए हैं

बीते महीने ही वेनेजुएला के ऑयल मिनिस्टर राफेल रमीरेज के हवाले से खबर आई थी कि इस संबंध में उन्होंने रिलायंस के अधिकारियों के साथ बातचीत की है. वह दीर्घकालिक आपूर्ति सौदे के तहत जून से प्रतिदिन 50,000 बैरल की आपूर्ति करने पर सहमत हुए हैं. केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बीते दिसंबर में ही कहा था कि भारत उन सभी देशों से क्रूड ऑयल खरीदने को तैयार है, जिसके ऊपर प्रतिबंध नहीं लगा है. उन्होंने बताया था कि भारत की कई रिफाइनरियां वेनेजुएला से आए हैवी क्रूड को प्रोसेस करने में सक्षम हैं. भारत पहले से ही वेनेजुएला से क्रूड ऑयल खरीदता रहा है और अभी भी खरीदेंगे. अभी तक वहां से क्रूड इंपोर्ट इसलिए रोका गया था, क्योंकि वह अमेरिकी प्रतिबंध के कारण एक्सपोर्ट करने की स्थिति में नहीं था. पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन का सदस्य देश वेनेजुएला इस समय दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल रिजर्व है. इस समय भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रूड ऑयल का कंज्यूमर हैय यहां कुल खपत का करीब 80 फीसदी तेल बाहर से आता है. साल 2019 तक वेनेजुएला भारत के लिए पांचवां सबसे बड़ा सप्लायर था. साल 2019 में भारत ने वेनेजुएला से 16 मिलियन टन क्रूड ऑयल खरीदा था.

कमोडिटी मार्केट एनालिटिक्स फर्म केप्लर के मुताबिक किसी भारतीय रिफाइनरी ने अंतिम बार नवंबर 2020 में वेनेजुएला से क्रूड ऑयल का इंपोर्ट किया था. थोड़े दिन पहले तक भारत को रूस से डिस्काउंटेड रेट पर क्रूड ऑयल मिल रहा था. यह डिस्काउंट अच्छा-खासा हुआ करता था. लेकिन अब इसे घटा कर करीब दो डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है. इससे विकल्प के रूप में वेनेजुएला को देखा जा रहा है. बताया जाता है कि इंडियन रिफाइनर्स को वहां से प्रति बैरल 8 से 10 डॉलर का डिस्काउंट मिल सकता है. यदि ऐसा हुआ तो यह भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों के लिए फायदा का सौदा होगा. साथ ही इससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल का दाम सस्ता रखने मेंसहायक होगा. बीते दिसंबर के शुरुआत में ही खबर आई थी कि मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज वेनेजुएला से लाखों टन कच्चा तेल खरीदेगी.

मैक्सपोश्योर को 339 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी। नई दिल्ली

एसएमई सेगमेंट की कंपनी मैक्सपोश्योर के शेयरों की लिस्टिंग से मंगलवार को निवेशकों ने तगड़ा मुनाफा कमाया. कंपनी के शेयर आज 339.39 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 145 रुपये पर लिस्ट हुए. इस जोरदार लिस्टिंग के कारण एसएमई सेगमेंट के इस शेयर ने कई बड़ी कंपनियां को प्रीमियम लिस्टिंग के मामले में पछाड़ दिया है. मैक्सपोश्योर का आईपीओ 15 जनवरी को खुला था और 17 जनवरी को बंद हुआ था. इस दौरान ये इश्यू 987.47 गुना सब्सक्राइब हुआ था. सब्सक्रिप्शन के मामले में भी 2024 में ये आईपीओ सबसे अधिक सब्सक्राइब होने वाला इश्यू बन गया. 33 रुपये इश्यू प्राइस वाले इस आईपीओ के जरिए कंपनी की तैयारी 20.26 करोड़ रुपये जुटाने की थी. मैक्सपोश्योर शेयर की मंगलवार को एनएसई एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्टिंग हुई. लिस्टिंग के साथ ही इस शेयर ने अपने निवेशकों को करीब साढे तीन गुना का रिटर्न दे दिया.

एलएंडटी को भारत और विदेशों में मिले बड़े ठेके

एजेंसी। नयी दिल्ली

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की इकाई हेवी इंजीनियरिंग को घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई बड़े ठेके मिले हैं. एलएंडटी ने हालांकि ठेके की राशि की जानकारी नहीं थी लेकिन वह किसी ठेके का मूल्य 1000 से 2500 करोड़ रुपये के बीच होने पर ही उसे 'बड़ा' बताती है. कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया, एलएंडटी हेवी इंजीनियरिंग (एचई) के मॉडिफिकेशन, रिवैम्प और अपग्रेड (एमआरयू) व्यवसाय खंड को एक प्रमुख तेल तथा गैस ग्राहक से उनके महत्वपूर्ण डीबॉटलनेकिंग प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा ठेका मिला है. पिछले कुछ वर्षों से एमआरयू व्यवसाय ने पश्चिम एशिया के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया है और यह ठेका पश्चिम एशिया में एमआरयू व्यवसाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है.

बाजार में हाहाकार स्मॉल कैप शेयरों की मंगलवार को सेशन में जमकर पिटाई हुई

शेयर बाजार अमंगल, सेंसेक्स 1053 अंक गिरकर बंद

एजेंसी। मुंबई

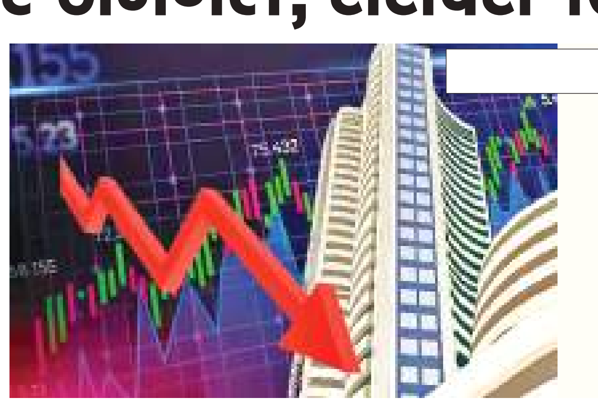

भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का दिन अमंगल साबित हुआ है. बैंकिंग, मिडकैप और सरकारी कंपनियों के स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बड़ी गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ है. स्मॉल कैप शेयरों की मंगलवार को सेशन में जमकर पिटाई हुई है. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 1053 अंकों की गिरावट के साथ 70,370 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 333 अंक गिरकर 21,238 अंकों पर बंद हुआ है. बाजार के मार्केट कैप में 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है. ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. बैंक निफ्टी 2.26 फीसदी या 1043 अंक गिरकर बंद हुआ है. इसके अलावा ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में जोरदार गिरावट रही.

केवल हेल्थकेयर और फार्मा सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. मिड कैप और स्मॉल कैप शेयर भी बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 5 स्टॉक्स हरे निशान में बंद हुए जबकि 25 लाल निशान में क्लोज हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 10 तेजी के साथ और 40 गिरावट के साथ बंद हुए. डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ है. एक डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे कमजोर होकर 83.15 रुपये पर बंद हुआ है.

8 लाख करोड़ घटा मार्केट कैप

शेयर बाजार में भारी गिरावट के चलते निवेशकों को जबरदस्त नुकसान का सामना करना पड़ा है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 366.04 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले सत्र में 374.38 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि मंगलवार को सत्र में निवेशकों को 8.34 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. मंगलवार के ट्रेड में सन फार्मा 4.05 फीसदी, भारती एयरटेल 3.37 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 2.10 फीसदी, पावर ग्रिड 0.27 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.13 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि इंडसइंड बैंक 5.87 फीसदी, एसबीआई 4.19 फीसदी, एचयूएल 3.81 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.45 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

फोटो सेशन

चेन्नईः मंगलवार को रोल्स-रॉयस स्पेक्टर अपने लॉन्च इवेंट के दौरान चेन्नई में फोटो सेशन करवाते

गणतंत्र दिवस का फुल ड्रेस रिहर्सल

मंगलवार को गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर फुल एंड फाइनल ड्रेस रिहर्सल किया गया. इसमें विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां भी निकलीं. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में फ्रांस के राष्ट्रपति मौजूद रहेंगे. इस बार महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर रहेगा. फोटो : पीटीआई

ब्रीफ खबरें

युन्नान में भूस्खलन में 20 लोगों की मौत

बीजिंग/कुनमिंग। दक्षिण पश्चिम चीन के पर्वतीय युन्नान प्रांत में भूस्खलन में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है और 24 लोग अभी भी लापता है. यह हादसा सोमवार को सुबह करीब छह बजे झाओतोंग शहर के लियांगशुई गांव में हुआ. सरकारी सीजीटीएन समाचार चैनल ने बताया कि इस हादसे के बाद कम से कम 20 लोग मृत पाए गए हैं जबकि 24 अन्य लापता हैं.

हिमाचल के युवाओं को संबोधित करेंगे पीएम

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश के युवाओं को 25 जनवरी को संबोधित करेंगे, जिसके सजीव प्रसारण की व्यवस्था की गई है. हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने मंगलवार को यह जानकारी दी. बिंदल ने कहा कि 25 जनवरी का दिन हिमाचल प्रदेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिसे राज्य दिवस के रूप में मनाया जाता है. उन्होंने कहा कि इस दिन को भारत में 'संविधान दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है.

शोभायात्रा के दौरान हुए विवाद के बाद निषेधाज्ञा

कलबुर्गी (कर्नाटक)। कर्नाटक में कलबुर्गी जिले के वाडी शहर में भगवान राम की शोभा यात्रा के दौरान विवाद के बाद धारा 144 लागू कर दी गयी. पुलिस ने बताया कि 25 जनवरी को सुबह छह बजे तक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू रहेगी. यह आदेश कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में जारी किया गया है.

तड़के तीन बजे से ही लग गयी थी राम भक्तों की लंबी कतार

अयोध्या में भक्तों का सैलाब

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला विराजमान हो गये. मंदिर मंगलवार सुबह साढ़े छह बजे से आम लोगों के लिए खोल दिया गया. रामलला के दर्शन के लिए राम मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है. हजारों की संख्या में रामभक्त रामलला के दर्शन पूजन के लिए मंदिर परिसर में तड़के तीन बजे से ही जुटने लगे थे. श्रद्धालु लंबी कतार में खड़े होकर रामलाल के दर्शन करने का इंतजार कर रहे थे. मंदिर परिसर जय श्रीराम, सियावर रामचंद्र की जय के नारे से गुंजायमान हो गया. उमड़ती भीड़ को देखते हुए श्री राम जन्मभूमि मंदिर के बाहर सुरक्षा कर्मियों की तैनात की गयी है. शाम तक चार लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके थे. लगभग इतने ही बाहर इंतजार कर रहे थे.

रामलला की पांच बार होगी आरती: श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला के दर्शन व पूजन के लिए एक विधान बनाया है. इस विधान के मुताबिक, पहले की तरह ही रामलला की पांच बार आरती होगी. ब्रह्म मुहूर्त में करीब 3 बजे से गर्भगृह की स्वच्छता करने, पूजन और श्रृंगार की तैयारी की जायेगी.

इजराइल में मना प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न

तेल अवीव। इजराइल में रह रहे सैकड़ों भारतीयों ने अयोध्या में नवनिर्मित राममंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव विशेष पूजा अर्चना आयोजित कर मनाया. शनिवार को तेल अवीव के बीट दानी हॉल में इजराइल में स्थित तेलंगाना एसोसिएशन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम में भजन और कीर्तन हुआ. इस अवसर पर करीब 300 लोगों को भारतीय व्यंजन परोसे गये.

श्रीलंका में मनाया गया 'राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव

कोलंबो। हिंदू बहुल उत्तरी श्रीलंका में भी कई मंदिरों में अयोध्या में आयोजित 'राम लला' की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया गया. भारत में आयोजित आधिकारिक समारोह के साथ-साथ उत्तरी श्रीलंका में भी कई अनुष्ठान किये गये. प्रतिष्ठित नल्लूर कोविल मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में सोमवार को अनुष्ठान किए गए. इस कार्यक्रम में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी भी शामिल हुए. उत्तरी प्रांत के जाफना जिले में स्थित नल्लूर कंडास्वामी कोविल या नल्लूर मुरुगन कोविल सबसे महत्वपूर्ण हिंदू मंदिरों में से एक है. मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी, जहां भक्तों ने सुबह के समय मूर्तियों की साफ-सफाई की. बाद में मंदिरों में प्रार्थनाएं की गई और राम भजन गाए गये.

पीएम ने बोस व ठाकरे को श्रद्धांजलि दी

जयंती विशेष

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की. मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि पराक्रम दिवस पर भारत के लोगों को बधाई. आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हम उनके जीवन और साहस का सम्मान करते हैं. हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए उनका अटूट समर्पण आज भी प्रेरित करता है. बता दें कि सरकार ने साल 2021 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी.

अपने नेतृत्व व आदर्शों के प्रति अडिग समर्पण के कारण आज भी लोगों के दिलों में राज करते ठाकरे : पीएम मोदी ने शिवसेना के संस्थापक बाला साहब ठाकरे को भी उनकी जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित की. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बाला साहब ठाकरे जी को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं. वह एक विशाल शख्सियत थे. जिनका महाराष्ट्र के राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर प्रभाव अद्वितीय है. कहा कि अपने नेतृत्व, अपने आदर्शों के प्रति अडिग समर्पण और गरीबों व दलितों के लिए बोलने की प्रतिबद्धता के कारण अनगिनत लोगों के दिलों में वह राज करते हैं. बता दें कि बाला साहब ठाकरे का जन्म 23 जनवरी 1926 को हुआ था. उन्होंने 1966 में शिवसेना की स्थापना की थी. बाला साहब की मृत्यु के बाद उनके पुत्र उद्धव ठाकरे पार्टी की कमान संभाल रहे हैं. वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके हैं.

यह शर्मनाक है... हम आज तक नहीं जानते कि नेताजी के साथ क्या हुआ था : ममता बनर्जी : **कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि यह देश के लिए शर्म की बात है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के लापता होने के इतने वर्षों बाद भी लोग यह नहीं जानते कि उनके साथ क्या हुआ था. और न ही उन्हें उनकी मौत की तारीख पता है. उन्होंने नेताजी के लापता होने की जांच कराने का वादा न निभाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा. केंद्र द्वारा राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सोमवार को केंद्र सरकार के कार्यालयों में आधे दिन के अवकाश की घोषणा करने के स्पष्ट संदर्भ में ममता ने कहा कि आज कल राजनीतिक विज्ञापनों के लिए छुट्टियों की घोषणा की जाती है लेकिन उन लोगों के लिए कोई घोषणा नहीं की गयी जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ते हुए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी.

म्यांमा का विमान मिजोरम में क्रैश

एजेंसी। आइजोल

म्यांमा का एक सैन्य विमान मंगलवार को आइजोल के बाहरी इलाके में स्थित लेंगपुई हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. अधिकारियों ने बताया कि यह विमान म्यांमा के उन सैनिकों को वापस लेने के लिए यहां आया था, जो जातीय विद्रोही समूह 'अराकान आर्मी' के साथ मुठभेड़ के बाद सीमा पार कर पिछले सप्ताह भारत आ गए थे. अधिकारियों के मुताबिक, दुर्घटना के वक्त विमान में छह लोग सवार थे और उनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हुए हैं. अधिकारियों ने बताया कि विमान उतरते समय हवाईअड्डे के टेबलटॉप रनवे से आगे निकल गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया. दुर्घटना इतनी भीषण थी कि विमान दो हिस्सों में टूट गया. अधिकारियों के मुताबिक, पिछले हफ्ते म्यांमा के कुल 276 सैनिक मिजोरम में घुस आए थे, जिनमें से 184 को सोमवार को वापस भेज दिया गया.

चीता ज्वाला ने कूनो पार्क में तीन शावकों को जन्म दिया

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश के श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से एक अच्छी खबर आयी है. यहां नामीबिया से लायी गयी मादा चीता ज्वाला ने एक साथ तीन बच्चों (शावकों) को जन्म दिया है. इस संबंध में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर जानकारी शेयर की है. मंत्री ने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है. जिसमें तीनों बच्चे अपने मां के साथ नजर आ रहे हैं. पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर कहा कि कूनो के नये शावक! नामीबियाई चीता ज्वाला ने तीन शावकों को जन्म दिया है. इससे कुछ हफ्तों पहले नामीबियाई चीता आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था.

आशा व सियासा ने भी शावकों को दिया था जन्म : नामीबिया से आयी चीता ज्वाला ने एक साथ तीन शावकों को जन्म दिया है. इसके कुछ दिन पहले आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया था. इससे पहले सियाया नामक एक चीता ने पिछले साल मार्च में चार शावकों को जन्म दिया था. हालांकि उनमें से केवल एक शावक जीवित बचा.

भारत में कोविड के 236 नये मामले सामने आये

नयी दिल्ली। भारत में कोविड-19 के 236 नये मामले सामने आये हैं, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 2,031 है. स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अद्यतन किये गए आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे की अवधि में तीन मरीजों की मौत हो गई, मृतकों में से एक कर्नाटक से और दो पश्चिम बंगाल से थे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

साउंड इंजीनियरिंग कर युवा बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर । रजनीश प्रसाद

साउंड इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग की एक ऐसी शाखा है, जिसके अंदर साउंड को समझने, सुधारने तथा एक नयी किस्म की साउंड तैयार करना सिखाया जाता है. इसमें आपको साउंड की कला (उतारचढ़ाव) को समझने की आवश्यकता होती है. इसमें म्यूजिक, मूवीज, थिएटर, रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, रिप्रोडक्शन से संबंधित चीजें सिखायी और पढ़ाई जाती है. साउंड इंजीनियर का काम म्यूजिक, स्पीच और स्टूडियो की साउंड क्वालिटी को बेहतर बनाना होता है. इसके लिए फिल्मों, रेडियो, और टेलीविजन में कई तरह के टेक्निकल इंस्ट्रूमेंट्स का प्रयोग किया जाता है. यह एक कला है, जो किसी भी प्रकार के साउंड को समझने, उन्हें रिकॉर्ड और प्रोड्यूस करने के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिसे हम ऑडियो मिक्सिंग के नाम से भी जानते हैं. साउंड इंजीनियरिंग में छात्रों को बेसिक से लेकर पोस्ट प्रोडक्शन तक की पूरी कला सिखाई जाती है.

क्यों करें साउंड इंजीनियरिंग

साइंड इंजीनियरिंग काम करने के लिए एक बहुत ही संतोषजनक और पुरस्कृत क्षेत्र है. इस क्षेत्र में आपको कुछ ऐसा करने को मिलता है, जिसे आप पसंद करते हैं. यदि आप फिल्मों के लिए ध्वनि डिजाइनिंग करते हैं, तो आप अपने काम के लिए ऑस्कर भी जीत सकते हैं.

- रेडियो स्टेशन, टीवी चैनल, स्टूडियो, मल्टीमीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में साउंड इंजीनियर और तकनीशियन के लिए कॅरियर के अवसर उपलब्ध हैं.
- यदि आप टेक्नोलॉजी के साथ काम करना और क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स पर काम करना पसंद करते हैं तो साउंड इंजीनियर आपके लिए एक अच्छा कॅरियर विकल्प हो सकता है.

डिप्लोमा कोर्सेज

- डिप्लोमा इन ऑडियो इंजीनियरिंग
- डिप्लोमा इन रिकॉर्डिंग आर्ट्स

सर्टिफिकेट कोर्सेज

- सर्टिफिकेट इन ऑडियो एंड रिकॉर्डिंग इंजीनियरिंग
- सर्टिफिकेट इन ऑडियो प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी
- सर्टिफिकेट इन ऑडियो टेक्नोलॉजी

साउंड इंजीनियर के प्रकार

- मॉनिटर ऑडियो इंजीनियर
- सिस्टम इंजीनियर
- वायरलेस माइक्रोफोन इंजीनियर
- गेम ऑडियो डिजाइनर इंजीनियर
- रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑडियो इंजीनियर
- स्टूडियो रिकॉर्डिंग इंजीनियर

बैचलर कोर्सेज

- .बेचलर डिग्री इन ऑडियो इंजीनियरिंग
- बीटेक इन साउंड इंजीनियरिंग
- बेचलर डिग्री इन ऑडियो टेक्नोलॉजी
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ फाउंडेशन इयर
- (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड म्यूजिक प्रोडक्शन
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ फाउंडेशन इयर
- बीएससी (ऑनर्स) साउंड इंजीनियरिंग एंड प्रोडक्शन विथ प्रोफेशनल एक्सपीरियंस
- बेचलर ऑफ साइंस इन साउंड इंजीनियरिंग
- फाउंडेशन कोर्स इन साउंड इंजीनियरिंग एंड ऑडियो प्रोडक्शन
- साउंड एंड लाइव प्रोडक्शन
- बीएससी (ऑनर्स) म्यूजिक एंड साउंड डिजाइनिंग बीए (ऑनर्स)/बीएससी (ऑनर्स)
- बेचलर ऑफ साइंस इन म्यूजिकल ऑडियो इंजीनियरिंग

मास्टर कोर्सेज

- एमटेक इन साउंड इंजीनियरिंग
- मास्टर डिग्री इन ऑडियो टेक्नोलॉजी
- डिजिटल म्यूजिक एंड साउंड आर्ट्स एमए
- मास्टर ऑफ फिलोसोफी इन साउंड एंड वाइब्रेशन
- एमएससी साउंड डिजाइनिंग
- साउंड डिजाइनिंग एंड ऑडियो विजुअल प्रैक्टिस एमएससी
- एमए इन एक्सपेरिमेंटल साउंड प्रैक्टिस
- मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) इन साउंड एंड वाइब्रेशन

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - दीपक कुमार अम्बष्ठ*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)